License Information

Translation Notes (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Notes (unfoldingWord)

याकूब 1:1 (#2)

"परमेश्वर के और प्रभु यीशु मसीह के दास याकूब की ओर से"

"उस संस्कृति में, पत्र के लेखक अपना नाम सबसे पहले प्रकट करते थे और अपने लिए तृतीय पुरुष काम में लेते थे| यदि आपकी भाषा में इससे उलझन उत्पन्न हो तो आप प्रथम पुरुष काम में ले सकते हैं| यदि भाषा में लेखक के परिचय का कोई विशिष्ट प्रावधान है तो आप उसका प्रयोग कर सकते हैं यदि आपके पाठकों के लिए सुविधाजनक हो| वैकल्पिक अनुवाद: "" मैं, याकूब, इस पत्र को लिख रहा हूँ"" या ""याकूब की और से""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:1 (#2)

"बारहों गोत्रों को"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में इस तथ्य के विचार-साहचर्य से कहता है कि इस्राएल बारह गोत्रों से निर्मित है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस्राएल जाति के लिए""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 1:1 (#3)

"बारहों गोत्रों को"

"याकूब यीशु के अनुयायियों के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहा रहा है कि जैसे वे इस्राएल जाति हों क्योंकि परमेश्वर के लोगों का समुदाय उस जाति से विकसित होकर अन्यजातियों को समाहित कर चुका था| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु के अनुयायियों को""

देखें: संकेतन

याकूब 1:1 (#3)

"बारहों गोत्रों को"

"उस संस्कृति में अपना नाम देने के बाद,पत्र के लेखक उनका नाम लिखते थे जिनको वे पत्र लिख रहे थे, उनके नाम तृतीय पुरुष में रखते थे| यदि आपकी भाषा में यह उलझन उत्पन्न करे तो आप द्वीतीय पुरुष काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम, यीशु के अनुयायियों के लिए"" \n

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा पुरुष

याकूब 1:1 (#4)

"तितर-बितर होकर"

"**तितर बितर** शब्द उन यहूदियों के सन्दर्भ में काम में लिया जाता था जो अपने देश से विस्थापित रोमी साम्राज्य के विभिन्न भागों में फैले हुए थे| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **तितर बितर** को क्रिया शब्द, ""विसर्जित होकर"" द्वारा व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""सम्पूर्ण विश्व में विसर्जित होकर रहते थे"" या यदि आप द्वितीय पुरुष काम में ले रहे हैं तो कह सकते हैं, ""तुम जो सम्पूर्ण विश्व में फैले हुए हो""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:1 (#4)

"तितर-बितर होकर"

"यद्यपि **तितर-बितर** का सन्दर्भ वास्तव में यहूदियों से है, याकूब इसका प्रयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जिसके द्वारा वह यीशु के अनुयायियों को संदर्भित करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सम्पूर्ण विश्व में विसर्जित"" या द्वीतीय पुरुष का उपयोग करें तो, ""जो सम्पूर्ण विश्व में विसिर्जित हैं""\n

देखें: रूपक

याकूब 1:1 (#5)

"नमस्कार पहुँचे"

"उस युग में **आनंदित रहो** शब्द अभिवादन के रूप में काम में लिया जाता था परन्तु आप अपने अनुवाद में अपनी भाषा और संस्कृति के विशिष्ट शब्द को यहाँ काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अभिवादन""

याकूब 1:2 (#1)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **आनंद** में निहित विचार को ""प्रसन्न"" शब्द जैसे विशेषण से व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रसन्न रहो""

याकूब 1:2 (#1)

"पूरे आनन्द बात समझो"

"याकूब कहता है, **सब** तो वह बलाघात हेतु अतिशयोक्ति है| उसके कहने का अर्थ यह नहीं है कि विश्वासियों को **परीक्षाओं** में सब बुराइयों से प्रसन्न होना चाहिए, अपितु यह कि **परीक्षाएं** उनके लिए आनंद का सामान्य अवसर उत्पन्न करती हैं क्योंकि परमेश्वर उनक्ले जीवनों में महत्वपूर्ण बातें विकसित कर रहा है| इन बातों का वर्णन वह अनुवर्ती पद में करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे बहुत आनंदित होना चाहिए"" \n

देखें: अतिशयोक्ति

याकूब 1:2 (#2)

"मेरे भाइयों"

"याकूब **भाइयों** शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जिससे उसका तात्पर्य है,यीशु में साथी विश्वासी| वैकल्पिक अनुवाद, जैसा UST में है, ""मेरे साथी विश्वासी""\n

देखें: रूपक

याकूब 1:2 (#3)

"मेरे भाइयों"

"याकूब **भईयों** शब्द को व्यापक रूप में काम में लेता है जिसमें स्त्री-पुरुष दोनों समाहित हैं| सुनिश्चित करें कि आपके अनुवाद में यह स्पष्ट हो जिससे कि आपके पाठकों को ऐसा प्रतीत न हो कि याकूब केवल पुरुषों को संबोधित कर रहा है| यदि आप इस रूपक,**भाइयों** के अनुवाद में अलंकार रहित शब्द का उपयोग करते हैं जैसे, ""विश्वासी"" तो आपको अपनी भाषा के इस शब्द के लिए पुल्लिंग और स्त्रीलिंग दोनों रूप काम में लेने होंगे| यदि आप रूपक को ही रखते है तो कह सकते हैं,""मेरे भाइयों और बहनों"" \n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 1:2 (#4)

"तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो"

"याकूब **परीक्षाओं** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वे एक गढहां हों जिसमे विश्वासी **गिर** सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम सामना करते हो""\n

देखें: रूपक

याकूब 1:2 (#5)

"तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो"

"यहाँ सर्वनाम शब्द, **तुम** बहुवचन में है, क्योंकि याकूब यीशु के विश्वासियों के समूह को लिख रहा है| सामान्यतः इस सम्पूर्ण पत्र में सर्वनाम शब्द, ""तुम"" और ""तुम्हारे"" इसी कारण से बहुवचन में हैं| इन टिप्पणियों में उन कुछ स्थानों को उजागर किया जाएगा जहां वे एकवचन में हैं| \n

देखें: 'आप' के रूप

याकूब 1:3 (#1)

"यह जानकर, कि"

"यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ करना उचित होगा जैसा UST में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं चाहता हूँ कितुम जान लो कि"""

याकूब 1:3 (#1)

"तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञाओं, **विश्वास के परखे जाने** और **धीरज** में निहित विचारों को समानार्थक अभिव्यक्तियों द्वारा दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब तुम किसी अनिवार्य परिस्थिति में परमेश्वर से सहायता पाने के लिए उस पर भरोसा रखते हो तो इससे तुम्हे शिक्षा मिलती है कि हिम्मत न हारो""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:4 (#1)

""

"**धीरज को अपना पूरा काम करने दो** इस अभिव्यक्ति का अर्थ है, ""धैर्य का बाँध न टूटने दो""याकूब लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कह रहा है कि जैसे **धीरज** का गुण विश्वासियों में चरित्र निर्माण करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु सुनिश्चित करो कि तुम हिम्मत न हारने की क्षमता का पूर्ण विकास कर चुके हो""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 1:4 (#2)

"सिद्ध हो जाओ"

"**पूरे** और **सिद्ध** इन दोनों शब्दों के अर्थ एक ही हैं| याकूब इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लेता है कि बलाघात स्पष्ट हो| इस प्रकरण में **सिद्ध** का अर्थ यह नहीं कि कोई भी चूक न हो| इसकी अपेक्षा, इसका सन्दर्भ लक्ष्य प्राप्ति से है| **पूरे** शब्द का अभिप्राय है, अखंड या अभंग| इस शब्दों का संयुक्त उपयोग परिपक्व मसीही चरित्र का वर्णन करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन दोनों शब्दों का अनुवाद किसी एक अभिव्यक्ति द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""पूर्णतः परिपक्व""

याकूब 1:4 (#3)

"किसी बात की घटी रहे"

"आप अपने अनुवाद में इसका अनुवाद सकारात्मक वाक्य में भी कर सकते हैं|वैकक्ल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारी सम्पूर्ण आवश्यकता की पूर्ति हो"" या ""समग्रता में वही ही जाओ जो तुम्हे होना है"""

याकूब 1:5 (#1)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **बुद्धि** का अनुवाद विशेषण शब्द, ""बुद्धिमान"" द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""बुद्धिमान निर्णय का निश्चय न हो तो""

याकूब 1:5 (#2)

""

"वैकल्पिक अनुवाद: ""वह परमेश्वर से मांगे"""

याकूब 1:5 (#3)

""

"यदि आपकी भाशा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर उसको देगा""

याकूब 1:6 (#1)

"विश्वास से"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाव्वाचन संज्ञा शब्द, **विश्वास** में निहित विचार का अनुवाद क्रिया शब्द से कर सकते हैं जैसे, ""आस्था रखना|"" वैकल्पिक अनुवाद: ""आत्मविश्वास से परमेश्वर में आस्था रखने""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:6 (#1)

"विश्वास से" - "सन्देह न करे"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस दोहरी नकारात्मक उक्ति के शब्दों, **संदेह** और **कुछ** का अनुवाद सकारात्मक वाक्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""पूर्ण निश्चय के साथ कि परमेश्वर देगा""

देखें: दोहरे नकारात्मक

याकूब 1:6 (#2)

""

"इस तुलना का उद्देश्य है कि संदेह करने वाला मनुष्य समुद्र की लहर के सदृश्य है जो विविध दिशाओं में उछलती रहती है| अपने अनुवाद में आप इसको लाक्षणिक भाषा से रहित व्यक्त कर सकते हैं| (तथापि, आप इस उपमा को अग्रिम टिप्पणी के सदृश्य भी व्यक्त कर सकते हैं|) वैकल्पिक अनुवाद: ""वह काम करने में मन को अस्थिर ही रखेगा""

देखें: उपमा

याकूब 1:6 (#2)

"समुद्र की लहर के" - "जो हवा से बहती और उछलती है"

"यदि आप इस उपमा, **समुद्र की लहर** को अपने अनुवाद में काम में लेना उचित समझते हैं परन्तु आपके पाठक इससे अनभिज्ञ हैं तो आप किसी ऐसे उदाहरण को काम में ले सकते हैं जिससे वे परिचित हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मरूभूमि की रेट हवा में उडती है"" या ""लंबी घास के वृन्त हवा में यहाँ-वहाँ झूलते हैं""\n

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

याकूब 1:6 (#3)

"समुद्र की लहर के" - "जो हवा से बहती और उछलती है"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुइवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""समुद्र की लहर जिसको हवा यहाँ-वहाँ उछालती है""\n(देखें : [[rc://hi/ta/man/translate/figs-activepassive]])"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 1:7 (#1)

"ऐसा मनुष्य यह न समझे"

"याकूब **मनुष्य** शब्द को व्यापक रूप में काम में लेता है जिसमे स्त्री-पुरुष दोनों समाहित हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसा मनुष्य कदापि न सोचे""\n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 1:8 (#1)

""

"ऐसे मनुष्य को याकूब लाक्षणिक भाषा में दो मनों वाला कहता है, उसका एक मन कहता है, यह कर परन्तु दूसरा मन कहता है, वह कर|वैकल्पिक अनुवाद: ""वह मनुष्य जो मन में ठान नहीं सकता है""

देखें: रूपक

याकूब 1:8 (#1)

"वह व्यक्ति दुचित्ता है"

"याकूब **मनुष्य** शब्द का प्रयोग व्यापक रूप में करता है जिसमें स्त्री-पुरुष दोनों समाहित हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो मनुष्य मानस नहीं बना पाता है"" \n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 1:8 (#2)

"और अपनी सारी में चंचल है"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है कि जैसे जीवन मनुष्य के लिए मार्ग निर्माण करता है,और वह ऐसे मनुष्य के लिए लाक्षणिक भाषा में कहता है कि ऐसा मनुष्य निर्णय नहीं ले सकता है कि कौन सा मार्ग चुने| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो निर्णय नहीं ले सकता कि यह करूं या वह करूं""

देखें: रूपक

याकूब 1:9 (#1)

"दीन भाई" - "घमण्ड करे"

"याकूब **घमंड** शब्द का प्रयोग सकारात्मक भाव में करता है| वह इस शब्द का प्रयोग पाप के भाव में नहीं करता है जैसे, गर्वोक्ति, या अन्यों पर डींग मारना| वैकल्पिक अनुवाद: ""अब दीं भाई संतोष करें"""

याकूब 1:9 (#1)

"दीन भाई"

"अगले पद में, याकूब ऐसे मनुष्य की तुलना ""धनवान"" मनुष्य से करते हुए **दीन** शब्द का प्रयोग अवस्थागत रूपक में करता है जिसका अर्थ है, ""दरिद्र|"" वैकल्पिक अनुवाद: ""एक विश्वासी जो दरिद्र है""

याकूब 1:9 (#2)

"भाई"

"याकूब **भाई** शब्द को लाक्षणिक भाषा में काम में लेता है जिसका अर्थ है, यीशु में साथी विश्वासी| देखें कि आपने इसका अनुवाद \n1:2 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""विश्वासी""\n

देखें: रूपक

याकूब 1:9 (#3)

"अपने ऊँचे पद"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **ऊंचे** में निहित विचार का अनुवाद किसी सामानार्थक वाक्यांश से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह जिस ऊंचे पद पर है""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:9 (#2)

"अपने ऊँचे पद पर घमण्ड करे"

"याकूब इस अवस्थागत रूपक के प्रयोग द्वारा दरिद्र विश्वासियों का वर्णन इस प्रकार करता है कि जैसे वे ऊंचे पद

पर हैं| वह दरशाना चाहता है कि परमेश्वर ने ऐसे लोगों के प्रति विशेष चिंता दर्शाई है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके प्रति परमेश्वर विशेष चिंता प्रकट करता है""

देखें: रूपक

याकूब 1:10 (#1)

"और धनवान अपनी नीच दशा पर"

"यहाँ याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता है जो अनेक भाषाओं में वाक्य पूर्ति हेतु आवश्यक होते हैं| ये शब्द पिछले पद में से लिए जा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु धनवान गर्व करें तो अपनी दीनता पर"" या ""धनवानों को अपनी दीनता से संतुष्ट होना आवश्यक है""

देखें: विराम बिंदु

याकूब 1:10 (#2)

"और धनवान"

"याकूब क्रिया विशेषण, **धनवान** का उपयोग संज्ञा रूप में करता हैकि किसी मनुष्य विशेष को दर्शाए| आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा प्रयोग है? यदि नहीं, तो आप इसका अनुवाद किसी समानार्थक उक्ति द्वारा कर सकते हैं| प्रकरण से स्पष्ट है कि याकूब किसी धनवान ""भाई"" या ""विश्वासी"" के विषय चर्चा करता है जिसको वह पूर्वपद में चर्चित ""दरिद्र भाई"" के समानांतर रखता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक विश्वासी जो धनवान है""

याकूब 1:10 (#1)

"अपनी नीच दशा"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भावाचक संज्ञा शब्द, **नीची दशा** में निहित विचार का अनुवाद किसी समानार्थक वाक्यांश से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह नीचा स्थान जहां वह है""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:10 (#2)

"अपनी नीच दशा"

"याकूब स्थानिक रूपक के माध्यम से धनवान विश्वासियों का वर्णन करता है कि जैसे वे नीचे के स्थान में हैं कि परमेश्वर द्वारा उनको सिखाए गए दीनता के सबक का संकेत मिले| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने उनको जो दीनता सिखाई है"" \n

देखें: रूपक

याकूब 1:10 (#3)

"अपनी नीच दशा पर"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्अध हो तो आप ULT के सदृश्य सविस्तार वर्णन कर सकते हैं की परमेश्वर ने धनवानों को विनम्रता की शिक्षा देते हुए दर्शाया है कि उनका धनधान्य उनको एनी मानुषों से अधिक उत्तम नहीं बनाता है|

देखें: विराम बिंदु

याकूब 1:10 (#3)

"मिट जाएगा"

"याकूब मृत्यु के लिए सौम्य अभिव्यक्ति का उपयोग करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह मर जाएगा""\n

देखें: शिष्टता

याकूब 1:10 (#4)

"वह घास के फूल की तरह मिट जाएगा"

"इस तुलना का उद्अदेश्मीय है कि जिस प्ररकार बनफूल कुछ समय के लिए ही खिलता है, उसी प्रकार धनवान मनुष्य भी अन्यों के सदृश ही पार्थिव जीवन के हैं| उनका धनधान्य किसी भी प्रकार के लाभ का नहीं है| आप अपने अनुवाद में इस लाक्षणिक अभिव्यक्ति का अर्थ स्पष्ट कर सकते हैं| (तथापि, आप इस उपमा को पुनरावृत भी कर सकते हैं, जैसा अग्रिम टिपण्णी में है) वैकल्पिक अनुवाद: ""उसी तुलनात्मक लघु जीवन काल के बाद""

देखें: उपमा

याकूब 1:10 (#4)

"वह घास के फूल की तरह मिट जाएगा"

"अपने अनुवाद में आप उपमा का प्रयोग करना चाहेंगे परन्तु आपके पाठक **घास के फूल** (अर्थात वनफूल) की उपमा से परिचित न हों तो आप किसी औए उदाहरण का प्रयोग कर सकते हैं| आप कोई ऐसा उदाहरण काम में ले सकते हैं जो अल्पकालिक है, जिससे वे परिचित हैं \n

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

याकूब 1:11 (#1)

"क्योंकि सूर्य उदय होते ही कड़ी धूप पड़ती है और घास को सूखा देती है, और उसका फूल झड़ जाता है, और शोभा मिटती जाती है;" - "के"

"यहाँ याकूब जो उदाहरण दे रहा है वह भूतकाल में हैऔर वह इस प्रकार सूना रहा है कि जैसे वह घटना वास्तव में घटी है| (इस पर परिचर्चा हेतु याकूब:प्रस्तावना, भाग 3 देखें) यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद वर्तमान काल में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि सूर्य उदय होकर गरमी बढाता है जिससे घास सूख जाति है और उसका फूल गिर जाता है, उसकी सुन्दरता नष्ट हो जाति है"""

याकूब 1:11 (#2)

"क्योंकि"

"याकूब पिछले पद में स्पष्ट रूप से चर्चित परिणाम का अब कारण देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इसका कारण है"" \n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 1:11 (#3)

"कड़ी धूप पड़ती है"

"यहाँ **गरमी** का अर्थ इन दो में से के हो सकता है: (1) इसका अर्थ झुलसा देने वाली चिलचिलाती गरमी हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और झुलसा देने वाली गरमी प्रसारित की"" या यदि आप वर्तमान काल काम में ले रहे हैं, ""झुलसाने वाली गरमी प्रसारित करता है"" (2) इसका सन्दर्भ उस गर्म हवा से हो सकता है जो सूर्य के पूर्ण प्रभाव में बहती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और हवा को गर्म किया"" या ""गर्म हवा बहाई"""

याकूब 1:11 (#4)

"शोभा मिटती जाती है;" - "के"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **सुन्दरता** में निहित विचार का अनुवाद विशेषण शब्द, ""सुंदर"" से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसका सुंदर रूप नहीं रह गया""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:11 (#5)

"शोभा मिटती जाती है;" - "के"

"याकूब वन के **फूल** के लिए लाक्षणिक भाषा का प्रयोग इस प्रकार करता है कि जैसे उसका **मुख** हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसका सुंदर रूप अब नहीं रह गया है"" \n

देखें: रूपक

याकूब 1:11 (#1)

"शोभा मिटती जाती है;" - "के"

"याकूब फूल की सुन्दरता को लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार वर्णन करता है कि जैसे उसका **सौन्दर्य नष्ट** हो जाता है या वह मर जाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसका रूप सुंदर नहीं रह जाता है""

देखें: रूपक

याकूब 1:11 (#6)

"उसी प्रकार" - "भी"

"याकूब इस उक्ति **इसी प्रकार**के उपयोग द्वारा एक उपमा का या एक धनवान मनुष्य और सूखे हुए फूल में तुलना का समावेश करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इसी रीति से"" या ""वैसे ही"" \n

देखें: उपमा

याकूब 1:11 (#7)

"धनवान"

"याकूब विशेषण शब्द,**धनवान** का प्रयोग संज्ञा रूप में करता है की मनुष्य के प्रकार का संकेत दे| आपकी भाषा इसी प्रकार विशेषण का उपयोग करती होगी| यदि नहीं तो आप इसका अनुवाद समानार्थक उक्ति से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक धनवान मनुष्य"" \n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 1:11 (#2)

"धनवान" - "अपने कार्यों" - "में ही लोप हो जाएँगे"

"याकूब **धनवान** मनुष्य के लिए कहता है कि मानो वह एक फूल है जो **सूख** जाएगा| इस लाक्षणिक भाषा में याकूब के कहने का अर्थ है कि वह मनुष्य ""मर"" जाएगा, जैसा UST में संकेत दिया गया है|

देखें: उपमा

याकूब 1:11 (#3)

"अपने कार्यों" - "में ही"

"धनवान मनुष्य की गतिविधियों को याकूब लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह यात्रा कर रहा है| इस रूपक का अभिप्रेत अर्थ है, वह अनपी अवशम्भावी मृत्यु पर विचार नहीं करता है की वह अकस्मात् ही आ जाएगी| वैकल्पिक अब्नुवाद: ""उसकी गतिविधियों के मध्य ही""

देखें: रूपक

याकूब 1:12 (#2)

""

"**धन्य है** इस उक्ति से संकेत मिलता है कि परमेश्वर किसी पर अनुग्रह कर रहा है या उसकी स्थिति आशावान है या अच्छी है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परीक्षाओं में स्थिर रहे तो उस पर परमेश्वर अनुग्रह करता है"" या ""परीक्षाओं में न चूकने वाले मनुष्य की स्थिति आशावान है""

याकूब 1:12 (#1)

"मनुष्य"

"याकूब **मनुष्य** शब्द का उपयोग व्यापक रूप में करता है जिसमें स्त्री-पुरुष दोनों समाहित हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य""\n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 1:12 (#3)

"परीक्षा में स्थिर रहता है"

"यहाँ **परीक्षा** का अर्थ इन दो में से एक हो सकता है: (इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी पर परिचर्चा को देखें| हो सकता है कि याकूब चाहता है कि उसके पाठक इस परिदृश्य में दोनों अर्थो पर ध्यान दें क्योंकि यह पद परखे जाने की परिचर्चा से परीक्षा की परिचर्चा में अवस्थांतरण करती है|) (1) **परीक्षा** शब्द का अर्थ वही हो सकता है जो 1:2–3 में है जहां

""विश्वास"" के ""परखे जाने"" का उल्लेख किया गया है| UST में इस व्याख्या को व्यक्त किया गया है| (2) इस शब्द का सन्दर्भ प्रलोभन से भी हो सकता हैअर्थात मनुष्य की अभिलाषा से प्रेरित किसी अनुचित काम को करना जिसपर याकूब अग्रिम पदों में चर्चा करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परीक्षा का विरोध करता है""

याकूब 1:12 (#4)

""

"आप इसका अनुवाद किस प्रकार करते है वह निर्भर करेगा कि आप इस वाक्य के आरम्भ में **परीक्षा** का अनुवाद कैसे करते हैं| (अपने अनुवाद में आप ध्यान केन्द्रित करा सकते है कि परमेश्वर ऐसे मनुष्य का अनुमोदन कैसे करता है, जैसा UST में है|) वैकल्पिक अनुवाद (1): ""जब उसने अपनी विश्वासयोग्यता को प्रकट कर दिया है"" (2) ""जब उसने अपनी आज्ञाकारिता को प्रकट कर दिया है""

याकूब 1:12 (#2)

"जीवन का वह मुकुट पाएगा"

"याकूब अधिकारसूचक रूप का उपयोग उस **मुकुट** के लिए नहीं करता है जो **जीवन** का है परन्तु जीवन ही का वर्णन करने के लिए करता है जोजैसे कि वह **मुकुट** ही हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह मुकुट पाएगा जो जीवन है""\n

देखें: स्वामित्व

याकूब 1:12 (#5)

"जीवन का वह मुकुट पाएगा"

"याकूब **मुकुट** की उपमा देता है जिससे संकेत मिलता है कि परमेश्वर ऐसे मनुष्य को सम्मान देगा| वैकल्पिक अनुवाद्ल: ""परमेश्वर उसको जीवन देकर सम्मानित करेगा""

देखें: रूपक

याकूब 1:12 (#3)

"जीवन का वह मुकुट पाएगा"

"संभवतः याकूब सांसारिक जीवन की चर्चा नहीं, आत्मिक **जीवन** की चर्चा करता है अर्थात, मरणोपरांत अनंत काल तक परमेश्वर की उपस्थिति में रहना| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर उस मनुष्य को अपनी उपस्थिति में अनंत जीवन देकर सम्मानित करेगा"" \n

देखें: रूपक

याकूब 1:12 (#6)

""

"पद के इस अंतिम उपवाक्य में **उसने** और **उससे** परमेश्वर के सन्दर्भ में हैं न कि उस मनुष्य के सन्दर्भ में हैं जो **परीक्षाओं में स्थिर रहता है** वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने उन लोगों से की है जो उससे प्रेम रखते हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 1:13 (#2)

"परमेश्वर" - "ओर से होती" - "हो"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर मेरी परिक्स्झा ले रहा है"" या ""परमेश्वर मुझे कुछ अनुचित करें के लिए विवश कर रहा है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 1:13 (#3)

"की" - "न बुरी परमेश्वर परीक्षा" - "है"

"यद्यपि ULT में अनुवाद किया गया शब्द, ""अलुब्ध"" एक विशेषण शब्द है न कि कर्तृवाच्य क्रियात्मक रूप| वैकल्पिक अनुवाद: ""बुराई परमेश्वर की परीक्षा नहीं ले सकती है"" या ""परमेश्वर की लालसाएं उसको कभी भी बुरा करने के लिए विवश नहीं कर सकती हैं"" (this word is theologically wrong because God can never have evil desires)"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 1:13 (#4)

"और न परीक्षा आप"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर स्वयं किसी को बुराई करने के लिए प्रेरित नहीं करता है"""

याकूब 1:14 (#1)

"परन्तु"

"याकूब **परन्तु** शब्द के उपयोग द्वारा दो विचारों में विषमता दर्शाता है: एक तो यह कि परमेश्वर किसी की परीक्षा लेता है जो अनुचित है और और दूसरा यह कि प्रत्येक मानुष ""अपनी ही अभिलाषा से परीक्षा में पड़ता है"" जो एक सत्य है| यह वास्तव में एक प्रबल विषमता है और आप इसके लिए कोई प्रभावशाली अभिव्यक्ति काम में लेना चाहेंगे| वैकल्पिक अनुवाद: ""नहीं, इसके विपरीत""\n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 1:14 (#2)

"प्रत्येक व्यक्ति अपनी ही अभिलाषा में खिंचकर, और फँसकर परीक्षा में पड़ता है"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इनमें से प्रत्येक को कर्तृवाच्य में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रत्येक मनुष्य की अपनी अभिलाषाएं उसको ललचा कर परीक्षा में गिराती हैं तदोपरांत उसको खींच कर ले जाती हैं""\n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 1:14 (#1)

""

"याकूब लाक्षणिक भाषा में **अभिलाषा** के लिए इस प्रकार कहता है कि जैसे वह जीवित प्राणी हो जो मनुष्य को प्रलोभित कर सकती है. उसको ललचा सकती है और उसको बंदी बना कर ले जा सकती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब मनुष्य में ऐसी अभिलाषा हो जो उसमें नहीं होना है तो वह अनुचित काम करना चाहता है और जब उसके लिए आकार्षित होता है तो वह पाप करता है और करता चला जाता है,रुक नहीं सकता है""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 1:14 (#2)

"खिंचकर, और फँसकर"

"यहाँ जिस शब्द का अनुवाद,**खिंचकर** किया गया है उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि शिकार को फंसाने के लिए प्रलोभन काम में लेना| संभवतः याकूब परिणाम प्राप्ति की विधि (जाल में प्रलोभन लगाना) से पूर्व परिणाम (फंसाया हुआ शिकार खींच कर ले जाया जा रहा है) पर बल देता है| आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सकता है यदि आप परिणाम से पूर विधि

को स्पष्ट करें| वैकल्पिक अनुवाद: ""ललचा कर घसीटा गया""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 1:14 (#3)

"फँसकर"

"याकूब परीक्षा के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे परीक्षा में चूक जाने वाला मनुष्य प्रलोभन लगाए हुए लाल में फँस गया हो| यदि आपकी भाषा में सहायक सिद्ध हो तो आप यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह ऐसा है कि जैसे उसकी अनुचित अभिलाषाएं जाल में लगाया हुआ प्रलोभन हो जिसमें वह फँस गया और शिकारी उसको खींच कर ले जा सकता है""\n

याकूब 1:15 (#1)

"फिर अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है"

"याकूब **तब** शब्द के प्रयोग द्वारा संकेत देता है कि इस पद में वह जिस बात का वर्णन करता है वह उसके द्वारा पिछले पद में चर्चित बात के बाद होती है| तथापि, उसके कहने का अर्थ यह नहीं है कि ऐसा तब होता है जब मनुष्य ""फंसाया जाकर लालच में पद जाता है"" जैसा उसने उस पद के अंत में कहा है| इसकी अपेक्षा,उसके कहने का अर्थ है कि ऐसा तब होता है जब मनुष्य किसी अनुचित ""अभिलाषा"" की परीक्षा को संजोने लगता है| हो सकता है कि आपकी भाषा में ""जब"" का उपयोग करना इसके संकेत हेतु अधिक स्पष्ट हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""अभिलाषा परिपक्व होकर पाप को उत्पन्न करती है""\n

देखें: जोड़ें — अनुक्रमिक समय संबंध

याकूब 1:15 (#1)

""

"यहाँ भी याकूब **अभिलाषा** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह कोई स्त्री हो जो गर्भवती होकर संतानोत्पत्ति करती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि कोई मनुष्य अनुचित कामना को स्थान देता है तो वह पाप करने के लिए अधिकाधिक परवण होगा और अंततः वह पाप करेगा""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 1:15 (#2)

"और पाप बढ़ जाता है मृत्यु को है"

"याकूब **पाप** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह कोई जीवित प्राणी हो- एक बालिका शिशु जो विकसित होकर स्त्री हो गई और तब गर्भवती होकर उसने संतानोत्पत्ति की| वैकल्पिक अनुवाद: ""और यदि वह पाप करता जाता है तो उसका जीवन इससे अधिकाधिक प्रभावित होता जाता है जब तक कि उसकी मृत्यु न हो जाए"" \n

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 1:15 (#3)

"मृत्यु को है"

"यहाँ **मृत्यु** के अर्थ हो सकते हैं: (1) याकूब आत्मिक मृत्यु के बारे में चर्चा कर रहा है अर्थात, परमेश्वर से अलगाव| यह UST की व्याख्या है| (2) याकूब शारीरिक मृत्यु के बारे में कह रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य की मृत्यु का कारण होता है""\n

देखें: रूपक

याकूब 1:16 (#1)

"धोखा न खाओ"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है कि मानो कोई धोखा देने वाला मार्गदर्शक उसके पाठकों को अनुचित दिशा में ले जाने का प्रयास कर रहा हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""धोखा न खाओ""\n

याकूब 1:16 (#1)

"धोखा न खाओ"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| यहाँ इसका अर्थ वास्तव में कर्मवाच्य नहीं है, अर्थात, याकूब इस प्रकार कहता है कि जैसे कोई उसके पाठकों को पथभ्रष्ट कर रहा है| इसके अर्थ हो सकते हैं: (1) याकूब अपने पाठकों को चेतावनी दे रहा है कि पथभ्रष्ट न हों अर्थात, स्वयं को धोखा न दें| यह UST की व्याख्या है| (2) इस कथन का अर्थ सरल कर्तृवाच्य में हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस बारे में कदापि चूक न हो"" \n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 1:16 (#2)

"धोखा न खाओ"

"याकूब 1:13 में प्रस्तुत अपने कथन का सन्दर्भ दे रहा है कि परमेश्वर कभी भी बुराई करने की इच्छा नहीं रखता है और न ही वह किसी को बुराई करने की प्रेरणा देता है| इसकी अपेक्षा, याकूब अगले दो पदों में कहेगा कि परमेश्वर मनुष्यों को केवल भली वस्तुएं देता है| यदि आपकी पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इस सम्बन्ध को और भी अधि स्पष्ट कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: (1) ""स्वयं से धोखा न करो, परमेश्वर बुरा नहीं भला है"" (2) ""इस विषय में कदापि चूक न जाना, परमेश्वर बुरा नहीं, भला है"" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:16 (#3)

"मेरे प्रिय भाइयों"

"देखें की आपने इसका अनुवाद \n1:2 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे प्रिय साथी विश्वासियो"" \n

देखें: रूपक

याकूब 1:17 (#1)

"हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर है"

"**ऊपर ही से** यह एक स्थानिक रूपक है जो लाक्षणिक भाषा में परमेश्वर का वर्णन करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर हमको प्रत्येक को अछा वरदान और प्रत्येक उत्तम दान देता है""\n

देखें: रूपक

याकूब 1:17 (#1)

"हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान"

"ये दोनों उक्तियाँ, **अच्छा वरदान** और **उत्तम दान** एक ही आर्ट रखती हैं| याकूब इनको व्बलाघात के लिए एक साथ काम में लेता है| (जैसा 1:4 में है **सिद्ध** शब्द का सन्दर्भ किसी वास्तु की उस स्थिति से है जिसमें वह उस पूर्णता तक पहुँच गई है जिसमे वह उद्देश निमित्त काम में लिए जाने के लिए उपयुक्त हो गई है|) यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन दोनों उक्तियों को एक ही अभिव्यक्ति में काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर हमें वही देता है जो हमारे लिए यथा उचित है""

देखें: युग्म

याकूब 1:17 (#2)

"ओर से मिलता है"

"स्थानिक रूपक के ही परिप्रेक्ष्य में याकूब इन वरदानों के लिए लाक्षिंक भाषा का प्रयोग करता है- परमेश्वर **से मिलता है** यदि आप इसके अनुवाद में लाक्षणिक भाषा के अतिरिक्त अभिव्यक्तियाँ काम में लेते हैं तो यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ करना सहायक सिद्ध होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे हमें ...से मिलते हैं""

देखें: रूपक

याकूब 1:17 (#2)

"ज्योतियों के पिता"

"यहाँ **ज्योतियों** का अर्थ है,आकाश की ज्योतियाँ अर्थात, सूर्य, चाँद और सितारे| याकूब लाक्षणिक भाषा में परमेश्वर को उनका **पिता** कहता है क्योंकि उसने उनको सृजा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर है जिसने आकाश की सब ज्योतियों को सृजा है""

देखें: रूपक

याकूब 1:17 (#3)

"जिसमें परिवर्तन हो सकता है, न के है"

"यहाँ **परिवर्तन** और **अदल बदल...छाया** के अर्थ एक ही हैं| याकूब बलाघात के लिए इन उक्तियों को दोहराता है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप इनको एक वाक्यांश में संयोजित कर सकते हैं और **छाया** के रूपक (उत्तरकालिक टिप्पणी देखें) को उपमा में व्यक्त कर सकते हैं| यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ करना सहायक हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""

देखें: युग्म

याकूब 1:17 (#4)

"के है"

"याकूब **छाया** का, जिसमें **बदलने** का गुण है, वर्णन करने के लिए अधिकार सूचक रूप का प्रयोग करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""छाया जो बदलती है"" या ""छाया जो स्थिति बदलती है""\n

देखें: स्वामित्व

याकूब 1:17 (#5)

"के है"

"याकूब आकाश की ज्योतियों के सृजनहार परमेश्वर की तुलना उन ज्योतियों से करते हुए कहता है कि वे अपने सृजनहार के तुल्य महान नहीं हैं|वे स्थिति बदलने वाली छाया बनती हैं परन्तु परमेश्वर मनुष्यों के लिए भली वस्तुओं की इच्छा से कभी बदलता नहीं है|यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसका सुस्पष्ट वर्णन कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""सूर्य और चंद्रमा के सदृश्य छाया बदलते हुए| नहीं, परमेश्वर मनुष्यों के लिए सदा भली वस्तुओं की इच्छा रखता है""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:17 (#3)

""

"परमेश्वर में वास्तव में किसी भी प्रकार की **छाया** नहीं है, अतः यह एक रूपक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परिवर्तनीयता""

देखें: उपमा

याकूब 1:18 (#1)

"उसने अपनी इच्छा से हमें"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने हमें उत्पन्न करने का चुनाव किया है"""

याकूब 1:18 (#1)

"उसने" - **"हमें"**

"याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है कि परमेश्वर ने अमको **उत्पन्न किया** क्योंकि परमेश्वर, यीशु में विश्वास करने वाले हर एक जन को आत्मिक जीवन देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने हमको आत्मिक जीवन देने का चुनाव किया है""

देखें: रूपक

याकूब 1:18 (#2)

"हमें" - **"हम"**

"यहाँ और इस सम्पूर्ण पत्र में याकूब एक सर्वनाम शब्द, **हम** का प्रयोग करता है जिसका सन्दर्भ उससे और उसके पाठकों से है| कहीं-कहीं वह व्यापकता में सब विश्वासियों या सब अमनुष्यों का भाव प्रकट करता है| इसलिए, हर एक परिप्रेक्ष्य में सर्वनाम शब्द, **हम** समावेशी है अत, यदि आपकी भाषा में ऐसा अंतर है तो उस रूप को काम में लें| ऐसा ही सर्वनाम शब्द, ""हमारे"" के साथ है| तथापि, कुछ परिप्रेक्ष्यों में,सर्वनाम शब्द,""हम"" व्यावर्तक है| टिप्पणियों में ऐसे सन्दर्भों को दर्शाया गया है| अन्यत्र सब स्थानों में, सर्वनाम शब्द, ""हम"" समावेशी है| \n

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

याकूब 1:18 (#3)

"सत्य के वचन के द्वारा"

"याकूब अधिकार सूचक रूप के द्वारा **सत्य** के गुण वाले **शब्द** का वर्णन करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सत्य के वचन के द्वारा""\n

देखें: स्वामित्व

याकूब 1:18 (#2)

"सत्य के वचन के द्वारा"

"याकूब **वचन** शब्द का लाक्षणिक प्रयोग करता है कि यीशु के बारे में शब्दोच्चारित सन्देश का वर्णन करे| वैकल्पिक अनुवाद: ""संदेशे के माध्यम से""\n

याकूब 1:18 (#4)

"सत्य के वचन के द्वारा"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाव्वाचन संज्ञा शब्द, **सत्य**का अनुवाद एक सामानार्थक अभिव्यक्ति के द्वारा कर सकते है जो ""सचा"" जैसा विशेषण काम में लेती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब हमने सच्चा वचन ग्रहण किया""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:18 (#5)

"सत्य के वचन के द्वारा"

"याकूब निहितार्थ में यीशु के बारे में सन्देश का सन्दर्भ दे रहा है|यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आपाप

इसका अनुवाद स्पष्ट रूप में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब हमने यीशु के बारे में सच्चा वचन ग्रहण किया है""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:18 (#6)

"ताकि हम सृष्टि किए हुए प्राणियों के बीच पहले फल के समान हो"

"यह एक उद्देश्य गर्भित उपवाक्य है| याकूब उस उद्देश्य को प्रकट करता है जिसके निमित्त परमेश्वर ने **हमें उत्पन्न करने की इच्छा की** . अपने अनुवाद में आप उद्देश्य गर्भित उपवाक्य के अनुवाद में आपकी भाषा की रीति काम में लें| वैकल्पिक अनुवाद (जिसमें कोमा पहले न हो): ""जिससे कि हम उसके प्राणियों में प्रतःम फल जैसे हों"" \n

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

याकूब 1:18 (#7)

"सृष्टि किए हुए प्राणियों के बीच पहले फल के समान"

"याकूब कल्पना करता है कि उसके पाठक समझते हैं कि वह पारंपरिक इस्राएली भेंट,**प्रथम फल** का उपयोग उपमा रूप में करता है| मूसा की व्यवस्था में इस्राएलियों के लिए अनिवार्य था कि वे प्रति वर्ष की फसल की प्रथम लवनी परमेश्वर के लिए भेंट चढ़ाएं| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि यह एक चढ़ावे का नाम है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके प्राणियों में से प्रथम फल की भेंट के सदृश्य"" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:18 (#3)

"ताकि हम" - "पहले फल के समान हो"

"जब इस्राएली प्रति वर्ष अपने फसल का एक अंश सबसे ओपहाले परमेश्वर को भेंट चडाते थे तो वे स्वीकार करते थे कि उनकी सम्पूर्ण फसल परमेश्वर की है और वह उनके लिए परमेश्वर का दान है| याकूब इस उक्ति **प्रथम फल** के चढ़ावे का उपयोग उपमा रूप में करता है कि यह एक संकेत हो कि उसके युग के विश्वासी उन असंक्य लोगों का द्योतक हैं जो भविष्य में परमेश्वर के हो जाएँगे सच तो यह है कि जब याकूब **सृजी हुए वस्तुओं** जैसी उक्ति का प्रयोग करता है तो हो सकता है कि उसका अभिप्राय है कि यीशु के विश्वासी परमेश्वर की सृष्टि का प्रथम अंश हैं जिनको श्राप से मुक्ति मिल गई है

और वे परमेश्वर के शासनाधीन आ गए हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु में सिश्वास करने वाले लोगों में से प्रथम"" या ""परमेश्वर के सृजित प्राणियों में से प्रथम जो श्राप से मुक्त किए जाकर परमेश्वर के शासन के अधीन पुनः आ गए हैं""

देखें: उपमा

याकूब 1:19 (#1)

""

"इसका मूल यूनानी शब्द या तो आदेशात्मक होगा या सूचक होगा| अतः इसके अर्थ हो सकते हैं: (1) यदि यह आदेशात्मक है तो याकूब अपने पाठकों से कह रहा है कि वे उसके द्वारा आगे कही जाने वाली बातों पर ध्यान दें| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह महत्वपूर्ण है"" (2) यदि यह संकेतक है तो याकूब अपने पाठकों से कह रहा है किवः उनको उस बात का स्मरण कराने जा रहा है जिससे वे पूर्वपरिचित हैं| वैकल्पिक अनुइवाद: ""तुम तो इस बात को पहक्ले से ही जानते हो""\n

याकूब 1:19 (#1)

"हे मेरे प्रिय भाइयों"

"देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:16 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे प्रिय साथी विश्वासियों""\n

देखें: रूपक

याकूब 1:19 (#1)

"हर एक"

"**परन्तु** के अर्थ हो सकते हैं: (1) यदि **जान लो** आदेश है तो याकूब **परन्तु** शब्द का प्रयोग अवस्था परिवर्तन उपसर्ग के रूप में करता है जो विषमता का संकेतक नहीं है| यदि आपने **जान लो** का अनुवाद आदेश रूप मेंकारने का निर्णय लिया है तो आपकी भाषा में इसका समरूप शब्द होगा जिसका उपयोग आप इसी उद्देश्य निमित्त कर सकते हैं अन्यथा आवश्यक नहीं कि आप इस शब्द का अनुवाद करें| (2) यदि **जान लो** तथ्य बोधक है तो याकूब **परन्तु** शब्द का प्रयोग मंद विषमता दर्शाने के लिए करता है| वह कहता है कि यद्यपि उसके पाठक पहले से ही जानते हैं कि वह क्या कहने वाला है, वह फिर भी उस पर बल देना चाहता है| यदि आप **जान लो** का अनुवाद तथ्य बोधक रूप में करना चाहते हैं तो आप अपनी भाषा में कोई ऐसा शब्द काम में लें जो मंद विषमता दर्शाता है| \n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 1:19 (#2)

"हर एक मनुष्य सुनने के लिये बोलने में धीर"

"**बोलने में धीर**, इस उक्ति का सन्दर्भ मंद शब्दोच्चारण से नहीं है, इसकी अपेक्षा, यह अपने पूर्वोक्त और उत्तरोक्त वाक्यांशों के सदृश्य एक मुहावरा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम में हर एक जन को सावधानी पूर्वक सुनना चाहिए और बहुत सोच-समझ कर बोलना चाहिए तथा क्रोध नहीं करना चाहिए""

देखें: मुहावरा

याकूब 1:19 (#3)

"क्रोध में हो"

"याकूब **मनुष्य** शब्द को व्यापक रूप में काम में लेता है जिसमें स्त्री-पुरुष दोनों समाहित हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम में से हर एक जन"" या ""हर एक जन""\n

याकूब 1:20 (#1)

"क्योंकि"

"याकूब कारन देता है कि मनुष्यों को क्रोध क्यों नहीं करना चाहिए,जैसा उसके पूर्वोक्त पद में कहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमको क्रोध नहीं करना है क्योंकि""\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 1:20 (#1)

"मनुष्य का क्रोध"

"याकूब **मनुष्य** शब्द का उपयोग व्यापक भाव में करता है जिसमें स्त्री-पुरुष दोनों समाहित हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मानवीय क्रोध""\n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 1:20 (#1)

"मनुष्य का क्रोध परमेश्वर के धार्मिकता का निर्वाह नहीं"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **धर्म** में निहित विचार को ""धार्मिक"" या ""उचित"" जैसे विशेषण शब्दों द्वारा अनुवाद कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के धार्मिक उद्देश्य की पूर्ति नहीं करता है"" या ""उन उचित कामों को उपलब्ध नहीं करता है जिनको परमेश्वर करना चाहता है""\n

याकूब 1:21 (#1)

"इसलिए"

"यहाँ याकूब अपने पाठकों से कहता है कि उसके द्वारा पूर्वोक्त पद में कही गई बातों के परिणामस्वरूप उनको क्या करना आवश्यक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परिनाम्स्वारूप""\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 1:21 (#1)

""

"याकूब **मलिनता ** और **बैर भाव** को इस प्रकार वयक्त करता है जैसे की वे वस्त्र हैं जिनको उतार कर फेंका जा सकता है| इन अभिवक्तियों के माध्यम से उसके कहने का अर्थ है, पाप और कुकर्म (इस पद पर उत्तरोक्त टिप्पणियाँ देखें) वैकल्पिक अनुवाद: ""पाप करना और अनेक कुकर्म करना त्याग दो""

देखें: रूपक

याकूब 1:21 (#2)

""

"**मलिनता** और **बैर भाव**, इन उक्तियों का तात्पर्य एक ही है| याकूब इन के संयुक्त प्रयोग द्वारा बलाघात करना चाहता है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इनको एक ही वाक्यांश में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""हेर एक प्रकार का पापी आचरण""

देखें: युग्म

याकूब 1:21 (#3)

""

"याकूब पाप के लिए लाक्षणिक भाषा का प्रयोग करता है| इससे उसका अभिप्राय है, ऐसी वास्तु जो मनुष्य को मैला कर देती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""पाप""

देखें: रूपक

याकूब 1:21 (#2)

"की बढ़ती को"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द,**बैर भाव** का अनुवाद एक विशेषण शब्द, ""अनुचित"" के द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अनेक अनुचित कार्य जिनको मनुष्य करता है""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:21 (#4)

"नम्रता से"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **नम्रता**में निहिरत विचार को ""नम्रतापूर्वक"" क्रिया विशेषण द्वारा अनुवाद कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""नम्रतापूर्वक""\n

याकूब 1:21 (#5)

"उस वचन को" - "ग्रहण कर हृदय में बोया गया"

"**बोया गया** किसी वास्तु में किसी वास्तु के समाहित हो जाने का वर्णन करता है| याकूब परमेश्वर के वचन को लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार व्यक्त करता है की जैसे वह बोय▯▯▯ गया है और विश्वासियों के भीतर पल्लवित हो रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो वचन तुमने असुना है उसका पालन करो""

देखें: रूपक

याकूब 1:21 (#3)

"उस वचन को" - "ग्रहण कर हृदय में बोया गया"

"याकूब इस शब्द, **वचन** का प्रयोग लाक्षणिक भाषा में यीशु के सन्देश के लिए करता है जो शब्दों से प्रसारित किया गया था| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु का सन्देश जो तुमने सूना उसका पालन करो""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 1:21 (#6)

"जो तुम्हारे प्राणों का उद्धार"

"याकूब **वचन** या सन्देश को लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार दर्शाता है कि जैसे वह कोई जीवित वास्तु है जो कर्मण्यता से विश्वासियों का **उद्धार** कर सकती है| उसके कहने का अर्थ है कि इस सन्देश का अनुपालन करना उद्धार का मार्ग है| यह एक नया वाक्य आरम्भ करना सहायक सिद्ध होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम ऐसा करते हो तो उद्धार पाओगे""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:21 (#7)

"जो तुम्हारे प्राणों का"

"पाठकों के एक भाग, **प्राणों** के सन्दर्भ से याकूब का अभिप्रेत अर्थ है, उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम""

देखें: संकेतन

याकूब 1:22 (#1)

"परन्तु"

"**परन्तु** शब्द विषमता दर्शाता है, याकूब के अभी-अभी कहे गए शब्दों से नहीं अपितु, उस संभावित भ्रम से जो उसके अभ-अभी- कहे गए शब्दों से उत्पन्न होने की संभावना में हो| वह स्पष्ट करना चाहता है कि ""उस वचन को ग्रहण कर लो जो हृदय में बोया गया"" इस वाक्यांश के कहने का उसका अर्थ यह नहीं कि मात्र उस पर विश्वास करें परन्तु उस को अभ्यास में लाएं| आपकी भाषा में उचित हूगा यदि आप **परन्तु** शब्द का अनुवाद: ऐसी अभिव्यक्ति द्वारा करें जो स्पष्टीकरण समाविष्ट कराती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अब""\n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 1:22 (#2)

"परन्तु वचन पर चलनेवाले बनो, और केवल सुननेवाले ही नहीं"

"इस उपवाक्य के अंत में याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता है जो अनेक भाषाओं में वाक्य पूर्ति के लिए आवश्यक होते हैं| इन शब्दों को उपवाक्य के आरम्भ से लिया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वचन के करने वाले बनो न कि वचन के मात्र सुनने वाले""\n

देखें: विराम बिंदु

याकूब 1:22 (#1)

""

"याकूब **वचन** शब्द को लाक्षणिक भाषा में काम में लेता है कि यीशु के सन्देश के शाब्दिक प्रचार का वर्णन करे| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु के बारे में दी गए सन्देश का अनुपालन करो, केवल सुनो ही नहीं""\n

याकूब 1:22 (#2)

"अपने आप को धोखा देते हैं"

"बाईबल में ""सुनना"" शब्द प्रायः मुहावरे के भाव में काम में लिया गया है जिसका अर्थ है, सुनी गई बात से सहमत होना| हो सकता है कि याकूब इसी भाव में इस शब्द का प्रयोग करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और केवल यह निर्णय मत लो कि तुम उससे सहमत हो""\n

याकूब 1:23 (#1)

"क्योंकि जो कोई वचन का सुननेवाला हो, और उस चलनेवाला न हो, वह उस मनुष्य के समान है अपना स्वाभाविक मुँह दर्पण में देखता है"

"याकूब एक काल्पनिक परिस्थिति को काम में लेता है किशिक्षा दे| वैकल्पिक अनुवाद: ""मान लो कि कोई वचन का सुनने वाला हो, करने वाला नहीं तो वह उस मनुष्य के सदृश्य है जो अपने जन्मजात चहरे को दर्पण में देखता है""\n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 1:23 (#2)

"और" - **"चलनेवाला न हो"**

"इस उपवाक्य के अंत में याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता है जो अनेक भाषाओं में वाक्य पूर्ति के लिए आवश्यक होते हैं| ये शब्द इस उपवाक्य के आरम्भ में से लिए जा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वचन का सुनने वाला है ,करने वाला नहीं है""

देखें: विराम बिंदु

याकूब 1:23 (#2)

"वचन का सुननेवाला हो, और" - **"चलनेवाला न हो"**

"देखें कि आपने इन अभिव्यक्तियों को पूर्वोक्त पदों में कैसे अनुवाद किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""केवल वचन को सुनते हो परन्तु उसका पालन नहीं करते""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 1:23 (#3)

"वचन का"

"याकूब **वचन** शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता हैकि यीशु के सन्देश का वर्णन करे जिसका प्रसारण शब्दों में किया गया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु के बारे में सन्देश का""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 1:23 (#3)

"वह उस मनुष्य के समान है अपना स्वाभाविक मुँह दर्पण में देखता है"

"यहाँ याकूब एक उपमा सुनाना आरम्भ करता है, उदाहरण गर्भित तुलना जिसका आख्यान अगले दो पदों में भी किया जाएगा|

देखें: उपमा

याकूब 1:23 (#4)

"मनुष्य के"

"याकूब **मनुष्य** शब्द का उपयोग व्यापक रूप में करता है जिसमे स्त्री-पुरुष दोनों समाहित हैं| वैकल्पिक अनुवाद: "" व्यक्ति""\n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 1:23 (#4)

"अपना स्वाभाविक मुँह"

"यह एक मुहावरा है जिसका सन्दर्भ मनुष्य के जन्मजात चहरे से है अर्थात मनुष्य का प्राकृतिक या शारीरिक चेहरा| अब क्योंकि उस युग में ""चहरे"" शब्द के अनेक लाक्षणिक अर्थ थे, इसलिए याकूब इस मुहावरे का उपयोग करता है कि स्पष्ट करे कि उसका तात्पर्य इस काल्पनिक मनुष्य के वास्तविक शारीरिक चहरे से है| आवश्यक नहीं कि आप इस स्पष्टीकरण को अपने अनुवाद में दर्शाएं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसका शारीरिक चेहरा"" या ""उसका चेहरा""\n

याकूब 1:23 (#5)

"दर्पण में"

"**दर्पण** प्रकाश की किरणों को लौटाने वाली किसी धातु से निर्मित समतल वस्तु है , जैसे कांच या चमकाई गई धातु जिसमें मनुष्य अपना रूप देख सकते हैं की वे कैसे दिखते हैं| यदि आपके पाठक **दर्पण** से अनभिज्ञ हैं तो आप अपनी संस्कृति के अनुसार किसी ऐसी वस्तु का नाम ले सकते है जो इसी उद्देश्य निमित्त काम में ली जाती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""पानी में प्रतिबिम्बित हुआ"" \n

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

याकूब 1:24 (#1)

"इसलिए कि"

"** इसलिए** कारण का समावेश कराता है, जैसी अपेक्षा की जाएगी परन्तु यह किसी ऐसी बात का कारण है जिसका निषकर्ष प्रकरण से निकाला जाना है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप सुस्पष्ट कर सकते हैं कि याकूब किस का कारण प्रकट कर रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इससे उसको वास्तव में कोई लाभ नहीं हुआ क्योंकि""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:24 (#1)

""

"यहाँ याकूब भूतकाल में द्रिशंत सुनाता है जैसे कि वह किसी वास्तविक घटना का वर्णन कर रहा है| (इसकी परिचर्चा को याकूब की प्रस्तावना के भाग 3 में देखें). यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका नौवाद वर्तमानकाल में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह स्वयं को दर्पण में देखता है और चला जाता है तथा तत्काल ही अपने रूप को भूल जाता है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:24 (#1)

"वह अपने आप को देखकर"

"याकूब पिछले पद में संदर्भित उपमा का ही प्रयोग कर रहा है अतः सर्वनाम शब्द, **वह** और **अपने** उस काल्पनिक मनुष्य के सन्दर्भ में हैं जो दर्पण में अपना चेहरा देखता है| वैकल्पिक अनुवाद (भूतकाल में): ""ऐसे मनुष्य ने स्वयं को दर्पण में देखा"" या आप यदि वर्तमान काल का उपयोग करते हैं, ""ऐसा मनुष्य स्वयं को दर्पण में देखता है"" \n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 1:24 (#2)

"चला जाता, और तुरन्त भूल जाता है कि वह कैसा था"

"याकूब के कहने का निहितार्थ है कि यह एक ऐसा मनुष्य है जो देखता है परन्तु करता नहीं, ठीक उस मनुष्य के सदृश्य जोपर्मेश्वर के वचन को सुनता है परन्तु उसका पालन नहीं करता है| इसका अभिप्रेत अर्थ है, वह दर्पण में देखता है कि उसको कुछ करना है जैसे, मुंह धोना या बाल संवारना परन्तु वह दर्पण में देखते समय ऐसा नहीं करता है तो वहाँ से चले जाने के बाद वह ऐसा करना भूल जाता है| तुलना का महत्त्व यह है,कि परमेश्वर के वचन का पालन नहीं करने वाला मनुष्य ऐसा ही है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि उसने जो देखा उसको करना उसके लिए आवश्य था परन्तु उसने नहीं किया तो दर्पण से हट जाने के बाद वह भूल गया कि उसने क्या देखा था इसलिए उसने उस विषय में कुछ नहीं किया"" या यदि आप वर्तमान काल काम में लेते हैं, ""क्योंकि वह तत्काल ही उस आवश्यक काम नहीं करता है जो उसने देखा है तो दर्पण के पास से हट जाने के बाद वह भूल जाता है कि उसने क्या देखा है इसलिए वह उस विषय में कुछ नहीं करता है""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:24 (#3)

"वह कैसा था"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""जो उसको अपने रूप के लिए करना आवश्यक था' या आप यासी वर्तमान काल काम में लेते हैं, ""उसको अपने रूप के लिए क्या करना आवश्यक है"""

याकूब 1:25 (#1)

"पर जो व्यक्ति स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था पर ध्यान करता रहता है," - "इसलिए आशीष पाएगा कि"

"याकूब एक काल्पनिक परिस्थिति के प्रयोग द्वारा शिक्षा देना चाहता है| यह उदाहरण उस उदाहरण की विषमता में है जो उसने \n 1:23 में दिया था| वैकल्पिक अनुवाद: 'परन्तु मान लो कि कोई स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था पर ध्यान देता है और उसको संजोकर रख लेता है... तो ऐसा मनुष्य आशीषित होगा""\n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 1:25 (#1)

""

"इस पद में भी याकूब परमेश्वर के वचन को सुनने की तुलना दर्पण में देखने से करता है परन्तु यह दृष्टांत अब उपमा नहीं रूपक बन जाता है क्योंकि याकूब अब किसी के द्वारा **व्यवस्था** पर **ध्यान लगाने को लाक्षणिक भाषा में व्यक्त करता है| उसके कहने का अर्थ है, मनुष्य जिसने परमेश्वर के वचन को ध्यान से सूना है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य जिसने सिद्ध व्यवस्था को ध्यान से सूना है""

देखें: उपमा

याकूब 1:25 (#2)

"स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था"

"याकूब अधिकार्स्पचक रूप के प्रयोग द्वारा **स्वतंर्ता** दिलाने वाली **व्यवस्था** का वर्णन करता है| याकूब **स्वतंत्रता की व्यवस्था** से याकूब का क्या तात्पर्य है, इसके अधिक वर्णन हेतु 2:12 पर तिप्पानियाँ देखें| वैकल्पिक अनुवाद: ""सिद्ध व्यवस्था जिसके द्वारा स्वंत्रता प्राप्त होती है""\n

देखें: स्वामित्व

याकूब 1:25 (#2)

"स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **स्वतन्त्रता** में निहित विचार को ""स्वतंत्र"" जैसे विशेषण शब्द द्वारा अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह सिद्ध व्यवस्था जो मनुष्य को स्वतंत्र करती है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:25 (#3)

"स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप सुस्पष्ट कह सकते हैं कि यह **व्यवस्था** मनुष्यों को क्या करने की **स्वतंत्रता** देती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यवस्था मनुष्यों को स्वतंत्र करती है कि वे परमेश्वर की आज्ञा मानें""\nGod”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 1:25 (#4)

"स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था"

"जैसा 1:4 और 1:17 में है, **सिद्ध** शब्द का सन्दर्भ किसी वस्तु की उस स्थिति से है जिसमें वह पूर्णतः विकसित होकर किसी उद्देश्य निमित्त उपयोग हेतु पूर्णतः अनुकूल हो जाती है| देखें कि आपने उन पदों में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यवस्था जो मनुष्यों को पाप से स्वतंत्र कराने में पूर्णतः सिद्ध है"""

याकूब 1:25 (#1)

""

"याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता है जो अनेक भाषाओं में वाक्य पूर्ति हेतु आवश्यक होते हैं| इन शब्दों को प्रकरण से लिया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और जो उस व्यवस्था का पालन करता रहा है"" \n

देखें: विराम बिंदु

याकूब 1:25 (#5)

"सुनकर भूलता"

"याकूब **भुलक्कड़ सुनने वाले** का वर्णन करने के लिए अधिकार सूचक रूप का उपयोग करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सुनने वाला जो भुलक्कड़ है""\n

देखें: स्वामित्व

याकूब 1:25 (#6)

"सुनकर भूलता"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **विस्मरण** में निहित विचार का अनुवाद ""भूलना** जैसे विशेषण शब्द से कर सकते है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सुनने वाला जो भूल जाता है""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:25 (#7)

"वैसा ही करता है"

"परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने में जो **काम** करना होता है उसके विचार-साहचर्य से याकूब परमेश्वर द्वारा दी गई आज्ञाओं को लाक्षणिक भाषा में **काम** कहता है| \n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 1:25 (#3)

"वह अपने काम में" - "आशीष पाएगा कि"

"**आशीषित** शब्द विशेषण है अतः यह अभिव्यक्ति **आशीषित होगा** कर्मवाच्य नहीं है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो इसका अनुवाद कर्तृवाच्य रूप में किया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ऐसे मनुष्य को आशीष देगा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 1:25 (#8)

"वह अपने काम में"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस संज्ञा शब्द, **काम** में निहित विचार का अनुवाद ""करता है"" जैसे क्रिया शब्द के द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह जोस कुछ भी करता है उसमें""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 1:26 (#1)

"यदि कोई अपने आप को भक्त समझे, और जीभ पर लगाम न दे, पर अपने हृदय को धोखा दे, तो उसकी भक्ति व्यर्थ है"

"याकूब एक काल्पनिक परिस्थिति के प्रयोग द्वारा शिक्षा देता है| "" मान लो कि कोई अपने को भक्त कहता है परन्तु अपनी जीभ को वश में नहीं रखता हो, इस प्रकार अपने मन को धोखा देता है, तो उसकी भक्ति व्यर्थ है|\n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 1:26 (#1)

""

"जिस शब्द का अनुवाद **भक्त** किया गया हैउसका सन्दर्भ आचारण से है न कि आराधना के कृत्यों से | वैकल्पिक अनुवाद: ""सोचता है कि वह अपने कामों से परमेश्वर को सम्मानित करता है"""

याकूब 1:26 (#2)

"जीभ पर लगाम न दे"

"याकूब **जीभ पर लगाम देने वाले** मनुष्य के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है की जैसे वह लगाम से घोड़े को वश में रखता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु वह अपनी जीभ को वश में नहीं रखता है""\n

देखें: रूपक

याकूब 1:26 (#3)

"जीभ पर लगाम न दे"

"**लगाम** घोड़े को वश में रखने का साधन है| यदि आपके पाठक **लगाम** से परिचित नहीं हैं तो आप कोई और उदाहरण काम में ले सकते हैं जो आपकी संस्कृति में पशुओं को वश में करने के लिए काम में ली जाती हो जिससे वे परिचित हैं|\n

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

याकूब 1:26 (#2)

"जीभ पर"

"भाषा में **जीभ** की उपयोग विधि के विचार साहचर्य से, याकूब **जीभ** शब्द का लाक्षणिक प्रयोग करता है जिसके द्वारा उसका तात्पर्य है, मनुष्य की बात| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह जो कहता है उस पर उसका नियंत्रण नहीं है""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 1:26 (#4)

"अपने हृदय को"

"याकूब इस काल्पनिक मनुष्य का एक भाग,**मन** लाक्षणिक भाषा में काम में लेता है जो उसके लिए सम्पूर्ण मनुष्य का द्योतक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""स्वयं को धोखा देता है""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 1:26 (#5)

""

"याकूब कहता है,**व्यर्थ** जो बलाघात के लिए एक अतिकथन है| कोई मनुष्य अपने शब्दों पर नियंत्रण नहीं रखता है तौभी उस मनुष्य के धर्म में संभवतः कुछ मान्यता है| परन्तु याकूब इस बात पर बल देना चाहता है कि परमेश्वर से प्रेम करने का

दावा करना और ऐसी बाते करना जिनसे अन्यों को दुःख हो और उनका तिरस्कार हो| वह इस विचार पर आगे 3:9–10 में अधिक विस्तार से चर्चा करेगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके कार्य परमेश्वर को उतने ग्राहन्योग्य नहीं हैं जितने कि वह सोचता है"""

याकूब 1:27 (#1)

"शुद्ध और निर्मल भक्ति"

"याकूब **भक्ति** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है जैसे कि वह कोई भौतिक वस्तु हो जो **शुद्ध** और **निर्मल** है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनभावन और ग्रहणयोग्य भक्ति"" \n

देखें: रूपक

याकूब 1:27 (#1)

"शुद्ध और निर्मल"

"इन दोनों शब्दों, **शुद्ध** और **निर्मल** के अर्थ एक ही हैं| इन दोनों से ही प्रकट होता है कि कोई वास्तु प्रदूषण मुक्त है| याकूब इन दोनों शब्दों को बलाघात हेतु प्रयोग करता है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इनको एक ही वाक्यांश द्वारा व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""पूर्णरूपेण ग्राहन्योग्य धर्म""

देखें: युग्म

याकूब 1:27 (#2)

""

"यहाँ **निकट** शब्द का अर्थ है, ""के सामने"" या ""किसी मनुष्य की उपस्थिति में"" परन्तु यहाँ **निकट** शब्द से संकेत मिलता है, ""जहां परमेश्वर देख सकता है|"" देखना अपने आप में न्याय और ध्यान देने को दर्शाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के दृष्टिकोण से""

देखें: रूपक

याकूब 1:27 (#2)

"परमेश्वर और पिता के"

"याकूब दो भिन्न-भिन्न प्रकार के मनुष्यों के बारे में चर्चा करता है| वह **और** शब्द से संयोजित दो संज्ञा शब्दों के उपयोग के द्वारा एक ही विचार को प्रकट करता है| एक संज्ञा शब्द, **पिता** जो अतिरिक्त पहचान कराते हुए कहता है, **परमेश्वर** वैकल्पिक अनुवाद: ""पिता परमेश्वर""\n

देखें: हेंडियाडिस

याकूब 1:27 (#3)

"पिता के"

"**पिता** शब्द परमेश्वर के लिए एक महत्वपूर्ण पदनाम है|\n

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

याकूब 1:27 (#3)

"अनाथों"

"यहाँ **सुधि लें** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, ""के लिए चिंता करना"" या ""अनुकम्पा सहित सहायता करना|"" वैकल्पिक अनुवाद: ""अनाथों और विधवाओं के आर्थिक संकट में सहायता करना""\n(See: [[rc://*/ta/man/translate/figs-मुहावरा]])

याकूब 1:27 (#4)

"क्लेश में उनकी"

"याकूब मान कर चलता है कि उसके पाठकों को अनाथों और विधवाओं के निर्वाह सम्बंधित एवं आर्थिक संकटों का संज्ञान है क्योंकि उनके पिताओं या पतियों का देहांत हो चुका है अतः उनके जीवन निर्वाह का साधन नहीं है| उस संस्कृति में स्त्रियाँ और बच्चे जीवन निर्वाह हेतु पुरुष परिजनों पर निर्भर होते थे| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप सविस्तार संकेत दे सकते हैं कि याकूब अपने पाठकों को किस प्रकार के **संकट** में राहत पहुंचाने की मनोकामना दर्शाता है|"

याकूब 1:27 (#4)

"अपने आप को संसार से निष्कलंक रखें"

"यह न तो उद्देश्य गर्भित और न ही परिणाम गर्भित उपवाक्य है| याकूब अपने पाठकों से नहीं कहता है कि उनको**अनाथों और विधवाओं** की सहायता करना चाहिए जिससे कि वे **संसार से निष्कलंक** रहें या यह कि यदि वे उनकी सहायता करें तो परिणाम ऐसा होगा| अपेक्षा इसके, याकूब कहता है कि यह **भक्ति** का गुण दर्शाने वाली दूसरी बात है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप

स्पष्तिकारण हेतु इस उपवाक्य से पहले ""और"" शब्द का प्रयोग कर सकते हैं|"

याकूब 1:27 (#5)

"अपने आप को संसार से निष्कलंक रखें"

"याकूब **संसार** शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता है कि परमेश्वर का सम्मान नहीं करने वाले लोगों के सिद्धांतों के तंत्र का सन्दर्भ दे, विचार-साहचर्य से उन लोगों के सांसारिक जीवन की रीति| वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने आप को अभक्त लोगों के सिद्धांत तंत्र से निष्कलंक रखें""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 1:27 (#5)

"अपने आप को संसार से निष्कलंक रखें"

"याकूब अभक्त जनों के प्रभाव का लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार वर्णन करता है कि जैसे वह किसी मनुष्य को शारीरिक रूप से कलंकित कर सकता है| **निष्कलंक** शब्द के माध्यम से उसके कहने का अर्थ है,पाप रहित| वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसा न होने दो कि अभक्त जन और उनका प्रभाव किसी को पाप करने के लिए उत्साहित करे""

देखें: रूपक

याकूब 2:1 (#2)

"मेरे भाइयों"

"देखें की आपने **भाइयों** शब्द का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासियों""\n

याकूब 2:1 (#5)

"पक्षपात के साथ"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **पक्षपात** का अनुवाद किसी समानार्थक उक्ति से कर सकते हैं| (पक्षपात पर परिचर्चा हेतु इस अध्याय की निर्विशेष टिप्पणियों को देखें). वैकल्पिक अनुवाद : ""तुम किसी के साथ अन्यों से अधिक अच्छा व्यवहार मत करो क्योंकि यह ...के साथ सुसंगत नहीं है""\n

याकूब 2:1 (#3)

""

"**यीशु** में अन्यों के **विश्वास** के लिए याकूब अधिकार्वाचक रूप काम में लेता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे प्रभु यीशु मसीह में विश्वाद""

देखें: रूपक

याकूब 2:1 (#4)

"हमारे" - "प्रभु यीशु मसीह का"

"याकूब **महिमा** का गुण धारण करने वाले **यीशु** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप काम में लेता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारा महिमा से भरा प्रभु यीशु मसीह""

देखें:

याकूब 2:2 (#1)

""

"शिक्षा देने के लिए याकूब एक काल्पनिक परिस्थिति का प्रयोग करता है| वह ूिश पद में और अगले पद में परिस्थिति का वर्णन करता है और 2:4 में परिणाम का वर्णन करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मान लो""

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:2 (#2)

""

"याकूब मानता है कि उसके पाठक समाज लेंगे किवः एक उदाहरण दे रहा है कि धनवान जन कैसे कपडे पहनते हैं| (**सोने के छल्ले* का अर्थ यह नहीं कि वह सोने के छल्ले से लिपटा हुआ है वरन यह की उसकी उंगली में सोने का छल्ला है).यदि आपके पाठकों के लिए स्पष्ट हो सके तो आप अपनी संस्कृति से किसी और उदाहरण को काम में ले सकते हैं या एक सामान्य अभिव्यक्ति काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई जो धनवान मनुष्य की वेश-भूषा में है""\n(देख्वें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-explicit]])"

याकूब 2:2 (#1)

"पुरुष"

"याकूब **मनुष्य** शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जिसका अभिप्राय है, स्त्री या पुरुष| वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यक्ति"" \n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 2:2 (#2)

"सभा"

"यहाँ **सभा** का अर्थ है, यहूदियों का आराधना स्थल| याकूब इस शब्द का उपयोग इसलिए करता है किवः मुख्यतः उन यहूदियों को लिखता है जिन्होंने यीशु को मसीह मानने का विश्वास कर लिया है| (याकूब: प्रस्तावना, भाग 1 में परिचर्चा को देखें|) अपने अनुवाद में आप और अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""सभागृह""\n

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

याकूब 2:2 (#3)

"कंगाल"

"याकूब इस विशेषण शब्द, **कंगाल** का उपयोग संज्ञा रूप में करता है कि एक प्रकार के मनुष्य को संदर्भित करे| (ULT में इसका संकेत देने के लिए **एक** शब्द को इसमें जोड़ा गया है) आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा प्रयोग होगा| यदि नहीं, तो आप इसका अनुवाद एक सामानार्थक वाक्यांश से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक मनुष्य जो गरीब है"" \n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 2:3 (#1)

"और"

"याकूब उसके द्वारा पिछले पद में चर्चित काल्पनिक परिस्थिति का ही वर्णन कर रहा है| वैकल्पिक अनुवाद, जैसा UST में है: ""और मान लो कि""\n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:3 (#2)

"तुम" - "कहो, "" - "कहो"

"इन तीनों उदाहरणों में **तुम** शब्द बहुवचन में हैं क्योंकि याकूब अपने सब पाठकों से कह रहा है कि ऐसी परिस्थिति में वे क्या करेंगे|\n

देखें: 'आप' के रूप

याकूब 2:3 (#3)

"तुम" - "पर"

"इस प्रकरण में, इस अभिव्यक्ति का अर्थ है, कसी मनुष्य या किसी वस्तु को प्रशंसा से निहारना| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम प्रशंसा से देखते हो"" \n

देखें: मुहावरा

याकूब 2:3 (#4)

"तू यहाँ अच्छी जगह बैठ,"" - "तू वहाँ खड़ा रह,"" - "मेरे पाँवों के पास बैठ"

"यहाँ ये टिप्पणियाँ धनवान और गरीब के लिए अनन्यता में हैं इसलिए पहले दो सन्दर्भों में **तू** एकवचन में है **बैठ** के आदेश में अभिप्रेत **तू** भी एकवचन में है|\n

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

याकूब 2:3 (#1)

""

"यहाँ **अच्छी** का अर्थ है ""सम्मानित|"" इसका अर्थ यह नहीं की धनवान मनुष्य दी गए स्थान में कितने अच्छे से बैठेगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह इस सम्मानित स्थान में बैठ जाइए""\n

याकूब 2:3 (#5)

"तू यहाँ अच्छी जगह बैठ"

"यह आदेशात्मक है परन्तु इसका अनुवाद आदेश की अपेक्षण नम्र निवेदन के शब्दों में किया जाए| यदि ""कृपया"" शब्द जैसी अभिव्यक्ति जोड़ दी जाए तो स्पष्टीकरण में सहायक सिद्ध होगी| वैकल्पिक अनुवाद: ""कृपया सम्मान के इस स्थान को ग्रहण करें""\n

देखें: अनिवार्य — अन्य उपयोग

याकूब 2:3 (#6)

"कहो"

"यहाँ **और** शब्द धनवान मनुष्य के साथ व्यावहा और एक गरीब के साथ व्यवहार में विषमता दर्शाने के लिए है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु""\n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 2:3 (#7)

"तू वहाँ खड़ा रह,"" - "मेरे पाँवों के पास बैठ"

"गरीब मनुष्य से काही गई ये बातें विनम्र निवेदन की अपेक्षा आदेश हैं क्योंकि याकूब उदहारण दे रहा है कि विश्वासी गरीबों के साथ धनवानों की तुलना में कैसा भिन्न व्यवहार करेंगे| इन कथनों में ""कृपया"" शब्द नहीं जोड़ने से धनवान मनुष्य के साथ किए गए व्यवहार की विशाम्न्ता में प्रकट होगा|\nदेखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-imperative]])"

देखें: अनिवार्य — अन्य उपयोग

याकूब 2:3 (#2)

"तू वहाँ खड़ा रह"

"कहने का अभिप्राय है कि गरीब मनुष्य को खड़े रहने के लिए या नीचे के या अधीक अपमानजनक स्थान में बैठने के लिए कहा जाता है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसको सविस्तार कह सकते हैं, जैसा UST में है|\n

याकूब 2:3 (#3)

"मेरे पाँवों के पास बैठ"

"इस आदेशात्मक कथन में एकवचन प्रथम पुरुष सर्वनाम, **मेरे** का उपयोग किया गया है क्योंकि यह किसी विश्वासी द्वारा काल्पनिक गरीब मनुष्य से कहा गया है| यदि आपकी भाषा में यह स्वाभाविक न हो, क्योंकि इस वाक्य का आरम्भ **तुम** (बहुवचन) **कहो** से किया गया है तो आप इस कथन में बहुवचन को काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारे पांवों के पास फर्श पर बैठ जा""\n

याकूब 2:4 (#1)

"तो क्या तुम ने आपस में भेद भाव न और कुविचार न्याय करनेवाले ठहरे"

"इस पद में याकूब उसी काल्पनिक परिस्थिति के परिणाम को प्रकट करता है जिसा वर्णन वह 2:2 से करता आ रहा है| यहाँ एक नए वाक्य का आरम्भ करना सहायक सिद्ध होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""तो तुमने अपने मध्य अंतर स्थापित कर दिया है और तुम बुरे विचार के न्यायी बन गए""\n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:4 (#2)

"तो क्या तुम ने आपस में भेद भाव न और कुविचार न्याय करनेवाले ठहरे"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन वाक्यांशोंके क्रम को विपरीत कर सकते हैं क्योंकि दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश के परिणाम का कारण प्रकट करता है|वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या तुम बुरे विचार रखने वाले न्यायी नहीं हो गए कि कुछ लोगों को अन्यों से अधिक माननीय समझते हो"" \n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 2:4 (#1)

""

"इस परिणाम का वर्णन करते हुए वह बलाघात हेतु प्रश्न का उपयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों का अनुवाद कथन या विस्मय बोधक वाक्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमने कुछ लोगों को अन्यों से अधिक माननीय समझा है क्योंकि तुम न्याय करने वाले बन गए हो जो बुरे विचार रखते हो""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:4 (#3)

"कुविचार न्याय करनेवाले ठहरे"

"याकूब **बुरे विचार** का गुणकारी **न्याय करने वालों** का वर्णन करने के लिए अधिकारसूचक रूप का उपयोग करता है| वह न्याय करने वालों के विचारों को बुरा नहीं कहता है| वैकल्पिक अनुएआद: ""न्याय अकरने वाले हो गए जो बुरा सोचे हैं""\n

देखें: स्वामित्व

याकूब 2:4 (#4)

"कुविचार न्याय करनेवाले ठहरे"

"याकूब निष्क्रियता में किसी भूमिका को ग्रहण करने और किसी विचार विधा विशेष से भी अधिक किसी बात का वर्णन करता है| वह ऐसे विचारों के आधार पर किए जाने वाले काम का वर्णन करता है| यदि आपकी पाठकों के लिए सहायक

सिद्ध हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए उसके बारे में अनुचित न्याय किया और फी वैसा व्यवहार भी किया"" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:5 (#1)

"सुनो"

"याकूब इस अभिव्यक्ति द्वारा आगे कहने वाली बातों पर बल देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस पर ध्यान दो""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 2:5 (#1)

"हे मेरे प्रिय भाइयों सुनो"

"देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:16 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे प्रिय विश्वासी साथियों""\n

याकूब 2:5 (#2)

""

"याकूब प्रश्न को शिक्षण साधन के रूप में काम में ले रहा है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को कथन रूप में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने संसार में ग़रीबों को चुना कि विश्वास में धनवान हों और उस राज्य के उत्तराधिकारी हों जिसकी प्रतिज्ञा उसने अपने प्रेम करने वालों से की है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:5 (#3)

"कंगालों को"

"याकूब विशेषण शब्द,**कंगाल**का उपयोग संज्ञा रूप में करता है कि एक जनसमूह विशेष का सन्दर्भ दे| आपकी भाषा में भी विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा, यदि नहीं है तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समानार्थक उक्ति द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे मनुष्य जो गरीब हैं""

देखें: नाम विशेषण

याकूब 2:5 (#2)

"जगत" - **"उस"**

"याकूब यहाँ **संसार** शब्द का उपयोग 1:27 से भिन्न भाव में करता है| यहाँ वह हमारे इस संसार का सन्दर्भ देता जिसमें हम रहते हैं अतः यह एक सामान्य जीवन का संकेतक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस जीवन में""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 2:5 (#4)

""

"याकूब लाक्षणिक भाषा में **विश्वास** में धनी उक्ति का प्रयोग करता है जैसे कि उससे मनुष्य धनवान हो जाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""दृढ विश्वास रखना""

देखें: रूपक

याकूब 2:5 (#3)

"कि विश्वास में धनी"

"आपकी भाषामें **विश्वास** के कर्ता को स्पष्ट करने की आवश्यकता होगी| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु में दृढ विश्वास रखना""""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:5 (#5)

"अधिकारी हों"

"याकूब उन लोगों के लिए लाक्षणिक भाषा का उपयोग करता है जिनसे परमेश्वर ने राज्य की प्रतिज्ञा की है, जैसे कि वे किसी पारिवारिक सदस्य से उत्तराधिकार में धन प्राप्त करेंगे| वैकल्पिक अनुवाद: ""राज्य के सहभागी कि""

देखें: रूपक

याकूब 2:5 (#4)

"राज्य के अधिकारी हों," - **"जो"**

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **राज्य** में निहित विचार का अनुवाद ""शासन करना"" जैसी क्रिया से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""लाभों का आनंद लेना जब परमेश्वर .. हो कर शासन करता है"" \n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:6 (#2)

"कंगाल अपमान किया"

"यहाँ याकूब के कहने का अर्थ, 2:2–3 में उसके द्वारा दी गए उदाहरण से स्पष्ट होता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमने ग़रीबों के साथ जो व्यवहार किया है वह धनवानों के साथ किए गए तुम्हारे व्यवहार से कहीं अधिक अनुचित है"""

याकूब 2:6 (#1)

"कंगाल"

"याकूब इस विशेषण शब्द,**कंगाल** का प्रयोग संज्ञा रूप में करता है कि मनुष्यों के एक वर्ग विशेष का सन्दर्भ दे| आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा| यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समानार्थक वाक्यांश से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य जो गरीब हैं"" \n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 2:6 (#2)

"धनी लोग पर अत्याचार नहीं और क्या वे ही तुम्हें कचहरियों में कर ले जाते"

"जिस शब्द का अनुवाद:** वे ही** किया गया है वही शब्द है जिसका अनुवाद अगले पद में **वे** किया गया है| यह एक नए मुक्त उपवाक्य का प्रभावी कर्ता है, अतः आप इसका अनुवाद दो वाक्यों में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या धनवान लोग तुम पर अत्याचार नहीं करते हैं? क्या वे तुमको न्यायालयों में घसीट कर नहीं ले जाते हैं?"" \n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 2:6 (#3)

"धनी लोग पर अत्याचार नहीं"

"याकूब प्रश्न को शिक्षण साधन के रूप में काम में ले रहा है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को कथन या विस्मय बोधक वाक्य में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ये धनवान ही तो हैं जो तुम पर अत्याचार करते है और तुमको न्यायालय में खींच कर ले जाते हैं!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:6 (#3)

"धनी लोग पर अत्याचार नहीं और क्या वे ही तुम्हें कचहरियों में कर ले जाते"

"याकूब का अभिप्रेत अर्थ है कि जिन विश्वासियों को वह पत्र लिख रहा है उनके द्वारा धनवानों के साथ पक्षपात का व्यवहार करना उनके योग्य नहीं है क्योंकि धनवानों ने, वास्तव में, उनके साथ बुरा व्यवहार किया है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""धनवान इस योग्य नहीं कि अन्यों की अपेक्षा तुम्हारे सम्मान के पात्र बनें| वे ही तो है जो तुम पर अत्याचार करते हैं और तुमको न्यायालयों में घसीटते हैं""\nदेखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-explicit]])"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:6 (#4)

"धनी लोग"

"याकूब इस विशेषण शब्द, **धनवान** को एक जनसमूह विशेष के सन्दर्भ में संज्ञा रूप में काम में लेता है| आपकी भाषा में भी विशेषणों का ऐसा ही उपयोग होगा, यदि नहीं, तो आप इस शब्द को किसी समानार्थक अभिव्यक्ति द्वारा अनुवाद कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य जो धनवान हैं""

देखें: नाम विशेषण

याकूब 2:6 (#5)

"पर अत्याचार"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या यह धनवान नहीं जो तुम पर अत्याचार करता है"""

याकूब 2:6 (#6)

""

"याकूब धनवानों के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कह रहा है की जैसे वे ग़रीबों को सशरीर खींच कर न्यायालय में ले जाते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमको न्यायालय जाने के लिए विवश करते हैं""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:6 (#7)

"तुम्हें कचहरियों में कर ले जाते"

"यदि आपके पाठकों को सहायता मिले तो आप स्पष्ट कह सकते हैं कि धनवान लोग ग़रीबों को क्यों न्यायालय में ले जाते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमको न्यायालय में बलपूर्वक ले जाते हैं कि तुम पर मुकद्दमा करके तुम्हारा शोषण करें""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:7 (#1)

""

"याकूब प्रश्न को शिक्षण साधन के रूप में काम में लेता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को कथन या विस्मय बोधाक्ल वाक्य में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे ही हैं जो उस भले नाम की निंदा करते हैं जिससे तुम पुकारे जाते हो""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:7 (#1)

"वे" - "उत्तम नाम की निन्दा नहीं करते"

"यहाँ **निंदा** शब्द पारिभाषिक भाव में है| इसके द्वारा ऐसे मनुष्य का वर्णन होता है जो किसी ईश्वरीय बात का अनुचित इनकार करता है| परन्तु इस शब्द का सामान्य भाव ""ओमान"" भी हो सकता है और संभवतः याकूब के द्वारा इसके उपयोग का यहाँ यही भावार्थ है| (तथापि, यीशु के नाम की **निंदा** करने के कारण ये धनवान मनुष्य विधि के भाव में निंदा करने के दोषी हैं क्योंकि यीशु परमेश्वर है और उसके नाम का सम्मान हों आवश्यक है|) वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या वे उस उत्तम नाम का अपमान नहीं करते हैं?"""

याकूब 2:7 (#2)

"उस उत्तम नाम की" - "जिसके तुम कहलाए"

"यकूब यीशु के **नाम** का सन्दर्भ लाक्षणिक भाषा में देता है, विचार-साहचर्य के द्वारा कि वह *उत्तम* है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु का नाम""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 2:7 (#2)

"उस" - "जिसके तुम कहलाए"

"यह एक मुहावरा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसके द्वारा तुम बुलाए जाते हो"" या ""जिसके द्वारा तुम्हारी पहचान है""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 2:7 (#3)

"उस" - "जिसके तुम कहलाए"

"यदि आपकी भाषा में सपष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे मनुष्य तुम्हे पुकारता है"" \n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 2:8 (#1)

"तो भी यदि तुम"

"याकूब इन शब्दों के उपयोग के द्वारा 2:6 में कही गई उसकी बातों से विषमता दर्शाता है, ""तुमने उस कंगाल का अपमान किया है"" अर्थात "" तुमने गरीबों के साथ किए गए व्यवहार की तुलना में धनवानों के साथ कहीं अच्छा व्यवहार किया है"" वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु यदि, धनवानों का पक्ष लेने की अपेक्षा""\n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 2:8 (#2)

"तो"

"यह क्रिया शब्द, **पूरी करते** उसी मूल का है जिसका विशेषण शब्द,""सिद्ध"" है जिसका उपयोग याकूब इस पत्र में पहले अनेक बार करता है| इसका अर्थ है, किसी वस्तु को उद्देश्य पूर्ति के या लक्ष्य प्राप्ति के निमित्त पूर्ण करना| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम अचूक आज्ञा पालन करते हो"""

याकूब 2:8 (#2)

"सचमुच उस राज व्यवस्था को" - "तो"

"याकूब यहाँ लैव्यव्यवस्था लैव्यव्यवस्था 19:18 से **व्यवस्था** की आज्ञा सन्दर्भ देते हुए कहता है कि वह **राज** व्यवस्था है| इसके दो कारण हो सकते हैं: (1) जब यीशु परमेश्वर के राज्य की घोषणा करते हुए आया था तब उसने काहा था कि यह आज्ञा उन दो आज्ञाओं में से एक है जो सब आज्ञाओं का सारांश है और परमेश्वर के राज्य में मार्ग दर्शन करती हैं| (दूसरी आज्ञा है: अपने परमेश्वर को सम्पूर्ण मन, प्राण,बुद्धी

और शक्ति से प्रेम कर) वैकल्पिक अनुवाद: ""यह व्यवस्था परमेश्वर के राज्य में जीवन का मार्गदर्शन करती है"" (2) संभव है कि याकूब इस **व्यवस्था* को **राज** व्यवस्था कहता है क्योंकि परमेश्वर, वास्तविक राजा ने लोगों को दी है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर की व्यवस्था""\n

याकूब 2:8 (#3)

"तू अपने पड़ोसी अपने समान प्रेम रख"

"यहाँ मूसा की व्यवस्था को भविष्यकाल के कथन में कहा गया है जो एक आज्ञा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""आवश्यक है कि तुम अपने पडौसी से वैसा ही प्रेम रखो जैसा तुम अपने आप से रखते हो""\n

याकूब 2:8 (#3)

"तू अपने पड़ोसी अपने समान प्रेम रख"

"इस उद्धरण में **तू** और **अपने** एकवचन में हैं,यद्यपि मूसा ने यह व्यवस्था इस्राएलियों को सामूहिक रूप में दी थी, प्रत्येक व्यक्ति से अपेक्षा की गई थी कि इसका पालन करे| अतः अपने अनुवाद में **तू** और **अपने** के एकवचन रूपों का उपयोग करें, यदि आपकी भाषा में ऐसा अंतर स्पष्ट हो| \n

देखें: Singular सर्वनाम that refer to Groups

याकूब 2:8 (#4)

"तू अपने पड़ोसी"

"यह एक मुहावरा है| इसका अर्थ यह नहीं कि केवल उससे प्रेम रखें जो हमारे घर के आस-पास रहता है|\n

याकूब 2:8 (#5)

"करते हो," - "अच्छा"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम वही करते हो जो परमेश्वर तुमसे चाहता है"""

याकूब 2:9 (#1)

"पर यदि तुम पक्षपात करते हो, तो"

"आपकी भाषा में आवश्यक होगा कि आप **पक्षपात** के पात्र की परिभाषा दें| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम धनवानों का पक्ष लेते हो""\n

याकूब 2:9 (#2)

"पाप करते हो"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसको कर्तृवाच्य में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""और व्यवस्था तुमको अपराधी घोषित करती है""\n

याकूब 2:9 (#3)

"और व्यवस्था अपराधी ठहराती है"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में व्यवस्था के लिए इस प्रकार कहता है की जैसे वह मानवीय न्यायाधीश हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""और तुम परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन करने के दोषी हो""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 2:10 (#1)

"क्योंकि"

"याकूब पिछले पद में दी गए अपने वक्तव्य का कारन देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""पक्षपात करना परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन क्यों है, इसका कारन है"" \n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 2:10 (#1)

"क्योंकि जो" - "पालन करता है"

"यहाँ **पालन करना** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, ""अनुसरण करना|"" वैकल्पिक अनुवाद: ""जो लोई भी उसका अनुसरण करेगा""\n

याकूब 2:10 (#2)

""

"याकूब लाक्षणिक भाषा में आज्ञा का उल्लंघन करने वाले के लिए इस प्रकार कहता है कि जैसे वह **ठाकर खाता ** है, अर्थात, चलते समय संतुलन खो कर गिर जाना| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु एक बात में भी अवज्ञा""

देखें: रूपक

याकूब 2:10 (#3)

""

"याकूब विशेषण शब्द, **एक** का उपयोग संज्ञा रूप में करता है की व्यवस्था की एक आज्ञा का सन्दर्भ दे| (ULT में इसको उजागर अकरने के लिए,**बात** शब्द जोड़ा गया है)आपकी भाषा में भी विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा, यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समानार्थक उक्ति से कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु एक ही आज्ञा का उल्लंघन करे"" \n

याकूब 2:10 (#2)

"सब दोषी"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""सम्पूर्ण व्यवस्था के उल्लंघन का दोषी है"""

याकूब 2:10 (#3)

"सब दोषी"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप स्पष्ट कह सकते है कि याकूब क्यों कहता है कि यह सच है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सम्पूर्ण व्यवस्था का उल्लंघन करने वाला ठहरा क्योंकि परमेश्वर ने सम्पूर्ण व्यवस्था दी कि मनुष्यों पर प्रकट करे कि वह उनसे कैसा जीवन चाहता है, इसलिए यदि आप उसमें से एक नियम का उल्लंघन करते हैं तो आप उसके अनुकूल जीवन नहीं जी रहे हैं""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:11 (#1)

"इसलिए कि"

"याकूब पिछले पद में कही गई अपनी बात का यहाँ कारण देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यवस्था की एक बात का उल्लंघन करने से मनुष्य सम्पूर्ण व्यवस्था के उल्लंघन का दोषी हो जाता है, इसका कारन है""\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 2:11 (#1)

"इसलिए कि जिस ने यह कहा"

"याकूब निर्विवाद परमेश्वर का सन्दर्भ दे रहा है जिसने यह आज्ञा दी है जिसका उल्लेख यहाँ, इस पद में किया गया है| मूसा को व्यवस्था देते समय उसने यह आज्ञा दी थी| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर जिसने कहा"" \n

याकूब 2:11 (#3)

""

"याकूब इस पद में जिन दो आज्ञाओं का उद्धरण देता है उनमें अन्तर्निहित **तू** एक वचन में है क्योंकि मूसा द्वारा समस्त इस्राएलियों को दी गई इन आज्ञाओं का तात्पर्य था कि इनका पालन करने के लिए प्रत्येक मनुष्य से अपेक्षा की गई है| शेष पद में भी **तू**एक वचन में है क्योंकि याकूब आज्ञाओं से इस प्रयोग को आगे भी अभिप्रेत करता है| अतः अपने अनुवाद में **तू** को एक वचन में ही रखें, यदि आपकी भाषा में यह अन्तर स्पष्ट हो|

देखें: 'आप' के रूप

याकूब 2:12 (#1)

"बोलो, और करो"

"इस आदेश में अन्तर्निहित ""तू"" बहुवचन में है| याकूब यहाँ इसके बहुवचन के उपयोग में पुनः आ जाता है जैसा वह शेष पत्र में करता है| अतः अपने अनुवाद में **तू** के बहुवचन का उपयोग करें, यदि आपकी भाषा में यह अंतर स्पष्ट हो और आदेशात्मक हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस प्रकार वार्तालाप करो और काम करो""\n

याकूब 2:12 (#2)

"जिनका न्याय स्वतंत्रता की व्यवस्था के अनुसार होगा"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर जिन मनुष्यों का न्याय करेगा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 2:12 (#4)

"स्वतंत्रता की व्यवस्था के"

"जैसा 1:25 में है, याकूब **स्वतन्त्रता** दिलाने वाली **व्यवस्था** का वर्णन करने केलिए अधिकार सूचक रूप का प्रयोग करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यवस्था जो स्वतन्त्रता की जननी है""\n

याकूब 2:12 (#1)

"स्वतंत्रता की व्यवस्था के"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **स्वतंत्रता** में निहित विचार का अनुवाद एक विशेषण शब्द, जैसे ""स्वतंत्र"" का उपयोग कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यवस्था जो मनुष्यों को स्वतंत्र कर देती है""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:12 (#2)

"स्वतंत्रता की व्यवस्था के"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप स्पष्ट वर्णन कर सकते है कि व्यवस्था मनुष्यों को किस काम की **स्वतंत्रता** देती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यवस्था मनुष्यों को परमेश्वर के आज्ञा पालन की स्वतंत्रता देती है"" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:12 (#3)

"स्वतंत्रता की व्यवस्था के"

"इस प्रकरण में ऐसा प्रतीत होता है कि जब याकूब **स्वतंत्रता की व्यवस्था** की चर्चा करता है तो वह उस आज्ञा का सन्दर्भ दे रहा है जिसकी चर्चा उसने 2:8 में की थी, ""तू अपने पडौसी से अपने सामान प्रेम रख"" यदि आप्केपाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सुस्पष्ट वर्णन कर सकते हैं और वर्णन कर सकते हैं कि यह व्यवस्था मनुष्यों को कैसे स्वतंत्र करती हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने पडौसी से प्रेम रखने की आज्ञा जो मनुष्यों को उनके सम्पूर्ण कार्यकलापों में अनुपालन हेतु एक सिद्धांत प्रदान करते हुए परमेश्वर के आज्ञा पालन के लिए स्वतंत्र करती है \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:13 (#1)

"क्योंकि"

"याकूब कारण देता है कि मनुष्यों से प्रेम करने का सिद्धांत मनुष्यों के कार्यकलापों का आधार क्यों होना है, जैसा उसने पिछले पद में कहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमको मनुष्यों से प्रेम करने के सिद्धांत का पालन करना है क्योंकि"" \n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 2:13 (#2)

"क्योंकि जिस ने दया नहीं की, उसका न्याय बिना दया के होगा"

"याकूब **न्याय** शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जो परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करता है क्योंकि वही है जो न्याय करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब परमेश्वर न्याय करेगा तब वह उन लोगों पर दया नहिबं करेगा जिन्होंने दूसरों पर दया नहीं की है"" \n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 2:13 (#1)

"दया न्याय पर जयवन्त होती है"

"याकूब **न्याय** के लिए लाक्षणिक भाषा का प्रयोग करता है जैसे कि वह कोई जीवित प्राणी हो जो **निर्दयता** के काम करता हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब परमेश्वर मनुष्यों का न्याय करेगा तब वह उन लोगों पर दया नहीं करेगा जिन्होंने अन्यों को दया नहीं दिखाई है""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 2:13 (#3)

"दया नहीं की"

"जिस शब्द का यहाँ अनुवाद **दया** किया गया है उसका सन्दर्भ अनुकम्पा से भी हो सकता है| याकूब इस प्रकरण में मनुष्यों से प्रेम करने की आज्ञा के अनुसरण का सन्दर्भ देता है तो यहाँ इसका संभावित अर्थ यही हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे जिन्होंने अन्यों के प्रति अनुकम्पा का व्यवहार नहीं किया है"""

याकूब 2:13 (#4)

"दया न्याय पर जयवन्त होती है"

"इस वाक्य और पिछले वाक्य के अभिकथन- ""न्याय बिना दया के"", में अभिप्रेत विषमता है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इस वाक्य के आरम्भ में ""तथापि"" जैसे शब्द द्वारा इस विषमता का संकेत स्पष्ट कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तथापि, दया न्याय के विरुद्ध गर्व करती है""\n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 2:13 (#5)

"दया न्याय पर जयवन्त होती है"

"याकूब **दया** और **न्याय** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वे जीवित वस्तुएं हों जो एक दुसरे के साथ स्पर्धा करती हैं| वह **दया** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह इस स्पर्धा में, **न्याय** के पराजित करने के बाद गर्व करती है| याकूब परमेश्वर द्वारा मानुषों के न्याय का ही वर्णन करता जा रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""थापी, परमेश्वर उन लोगों पर दया करेगा जिन्होंने दूसरों पर अनुकम्पा की है"" \n

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 2:14 (#2)

""

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को कथन रूप में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे भाइयों, इसमें कोई भलाई नहीं यदि तुम में से कोई कहे कि उसमें विश्वास है और कर्म न करता हो""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:14 (#1)

"उससे क्या लाभ"

"यहं एक मुहावरा है| आपकी भाषा में इसके तुल्य कोई अभिव्यक्ति होगी जिसका उपयोग आप यहाँ कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""इससे क्या भला होगा""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 2:14 (#2)

"मेरे भाइयों"

"देखें कि आपने **भाइयों** शब्द का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासियों""\n

देखें: रूपक

याकूब 2:14 (#3)

"यदि कोई कहे कि मुझे विश्वास है पर" - "कर्म न"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **विश्वास** और **कर्म** में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक उक्तियों द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि कोई कहे कि वह परमेश्वर में विश्वास रखता है परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार काम नहीं करता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:14 (#3)

"वह" - "क्या विश्वास उसका उद्धार कर सकता है"

"इस प्रकरण में याकूब साधारण **विश्वास** के विषय नहीं, उस विश्वास के विषय प्रश्न करता है जो **कर्मों द्वारा प्रकट नहीं है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसका सुस्पष्ट संकेत दे सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसा विश्वास उसका उद्धार नहीं कर सकता है, कर सकता है क्या?""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:14 (#4)

"वह" - "क्या विश्वास उसका उद्धार कर सकता है"

"इस वाक्य में जो पहला शब्द है वह मूल यूनानी भाषा में नकारात्मक शब्द है जिसको ऐसे प्रश्न में परिवर्तित किया जा सकता है जिसके द्वारा एक नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा की जाती है| ULT में इसको, क्या ऐसा है?"" के द्वारा प्रकट किया गया है| आपकी भाषा में नकारात्मक उत्तर पाने के लिए प्रश्न पूछने के अनेक अन्य रूप होंगे, उदाहरणार्थ, किसी सकारात्मक वाक्य अभिकथन के शब्द क्रम में परिवर्तन लाने के द्वारा| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या ऐसा विश्वास उसके उद्धार के योग्य है?"" \n

देखें: दोहरे नकारात्मक

याकूब 2:14 (#4)

"वह" - "क्या विश्वास उसका उद्धार कर सकता है"

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों का अनुवाद कथन में या विस्मय बोधक वाक्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसा विश्वास निश्चय ही उसका उद्धार नहीं करा सकता है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:14 (#5)

"वह" - "क्या विश्वास उसका उद्धार कर सकता है"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **विश्वास** में निहित विचार का अनुवाद **विश्वास करना** जैसी क्रिया द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर में मात्र विश्वास करना क्या उसका उद्धार करेगा""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:14 (#5)

"उसका उद्धार" - "है"

"आपकी भाषा में आवश्यक होगा कि स्पष्ट करें कि वह विश्वास कैसा है जो **उद्धार** नहीं दिला सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसको पर्मेअश्वर के दंड से बचाए"""

याकूब 2:15 (#1)

"यदि"

"याकूब शिक्षा देने के लिए एक काल्पनिक परिस्थिति का प्रयोग कर रहा है| इस पद में वह उस परिस्थिति का वर्णन करना आरम्भ करता है| शेष परिस्थिति और परिणाम का वर्नान वह अगले पद में करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मान लो""\n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:15 (#1)

"कोई भाई या बहन"

"जैसा इस पुस्तक में अन्यत्र सन स्थानों में है,**भाई** शब्द का सन्दर्भ, हर एक प्रकरण में साथी विश्वासी से है| इस शब्द का अर्थ स्त्री या पुरुष हो सकता है| यहाँ याकूब **भाई** शब्द का उपयोग विश्वासी पुरुष के लिए और **बहिन** शब्द विश्वासी स्त्री के लिए करता है| यदि आपकी भाषा में इस शब्द का स्त्रीलिंग और पुल्लिग रूप है तो आप जिस शब्द अर्थात ""भाई"" का अनुवाद कर रहे है उसके लिए इन दोनों रूपों को काम में ले सकते हैं| अन्यथा आप इसकी समानार्थक उक्ति काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु में विश्वास करने वाला कोई भाई या बहन"" \n

याकूब 2:15 (#2)

"नंगे"

"**नंगे-उघाड़े** का आर्ट हो सकता है ""नग्न,"" यदि आपकी भाषा में कोई बाईबल अनुवाद है तो वहाँ ऐसा लिखा होगा| परन्तु इस प्रकरण में, वास्तविक अर्थ है, पर्याप्त वस्त्रों की कमी| वैकल्पिक अनुवाद: ""धंद से कपडे न पहने हुए"""

याकूब 2:16 (#1)

"और"

"याकूब उसी काल्पनिक परिस्थिति का वर्णन करता है जिसका उपयोग वह शिक्षा के लिए करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और मान लो कि"" \n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:16 (#2)

"उनसे" - "वह"

"यद्यपि पिछले पद में याकूब "" भाई या बहन"" के लिए एक वचन काम में लेता है, यहाँ वह आवश्यकता ग्रस्त मनुष्यों के लिए सामान्यतः बहुवचन का म में लेता है, **उनसे** यदि आपके पाठकों के लिए या उलझन का विषय हो तो आप इस पद में भी एकवचन काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उस भाई या उस बहन को... उसको या उसको"" \n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 2:16 (#3)

"गरम रहो और तृप्त रहो"

"वह मनुष्य जो आवश्यकता ग्रस्त मनुष्यों से ऐसा कह सकता है वह लाक्षणिक भाषा में वस्त्रों के लिए विचार-साहचार्य में वस्त्रों द्वारा मनुष्यों को गर्म रखने के सन्दर्भ में कहता है और भोजन के लिए लाक्षणिक भाषा में,विचार-साहचर्य से, मनुष्यों की संतुष्टि के विषय कहता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""पर्याप्त वस्त्र और तुष्टिकारक भोजन मिले \n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 2:16 (#1)

"गरम रहो"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""गर्म रहो"""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 2:16 (#2)

"तृप्त रहो"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद किसी समानार्थक अभिव्यक्ति से कर सकते हैं, जो कर्तृवाच्य रूप में हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""तृप्त हो जाने के लिए पर्याप्त भोजन हो""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:16 (#3)

"देह के"

"याकूब मानसिक और आत्मिक पहलुओं गर्भित शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विचार-साहचर्य द्वारा कहता है कि वे मनुष्य के शरीर की आवश्यकताएं हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों के लिए गर्म और पूर्ण पोषित होना""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 2:16 (#4)

"पर"

"याकूब उसी काल्पनिक परिस्थिति का वर्णन कर रहा है जिसका प्रयोग वह शिक्षण हेतु करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु यह भी मान लो कि""\n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:16 (#4)

""

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में सपष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों का अनुवाद कथन रूप में या विस्मय बोधक वाक्य में कर सकते हैं| देखें कि आपने एक ऐसे ही वाक्यांश का आनुवाद 2:14 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इससे कोई लाभ नहीं""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:16 (#5)

"न दे"

"इस पद के आरम्भ में याकूब तृतीय पुरुष एकवचन काम में लेता है, **तुम में से कोई** परन्तु अब वह विश्वासियों के लिए सामान्यतः द्वितीय पुरुष बहुवचन काम में लेता है, **तुम** की संकेत दे कि समुदाय समग्रता में कैसी प्रतिक्रया दिखाएगी| यदि आपके पाठकों के लिए इससे उलझन उत्पन्न हो तो आप यहाँ तृतीय पुरुष एकवचन काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह नहीं देता है"" \n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 2:16 (#7)

"तुम" - "लाभ"

"यह उस काल्पनिक परिस्थिति का परिणाम है जिसको याकूब शिक्षा देने के लिए काम में लेता है| यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ करना सहायक ही सिद्ध होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""तब उससे कैसा भी भला नहीं होता है""\n

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:16 (#6)

"जो" - "आवश्यक"

"याकूब यहाँ विशेषण शब्द, **आवश्यक** को बहुवचन संज्ञा में काम में लेता है| (ULT में **वस्तुएं**जोड़कर इसका संकेत दिया गया है) आपकी भाषा में विशेशाषणों का ऐसा ही उपयोग होगा| यदि नहीं. तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समानार्थक वाक्यांश से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वस्तुएं जो आवश्यक हैं""\n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 2:17 (#1)

""

"याकूब **विश्वास** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह कर्मों द्वारा जीवित है और कर्मों बिना निर्जीव है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य का विश्वास अपने आप में सच्चा नहीं है, उसको कर्मों द्वारा उसको प्रकट करना है""

देखें: रूपक

याकूब 2:17 (#1)

"विश्वास" - "यदि कर्म सहित न हो अपने स्वभाव में मरा हुआ है"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **विश्वास** और **कर्मों** का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों द्वारा कर सकते हैं| वैकाल्पिक अनुवाद: ""यदि कोई कहे कि वह परमेश्वर में विश्वास करता है परन्तु वह परमेश्वर की इच्छा का काम नहीं करता है तो वह वास्तव में परमेश्वर में विश्वास नहीं करता है""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:18 (#1)

"वरन् कोई कह सकता है, "तुझे विश्वास है, और मैं कर्म हूँ"

"इस वाक्य पर परिचर्चा इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में देखें| प्रत्याक्ष उद्धरण को अप्रत्यक्ष उद्धरण में परिवर्तित करना *तू* के स्पष्टीकरण हेतु सहायक ही होगा कि उसका अभिप्राय ""तुम में से कोई"" हैहै जिसको संबोधित किया जा रहा है जैसा 216 में है और जब याकूब *मैं* शब्द का प्रयोग करता है तो वह स्वयं का सन्दर्भ दे रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु कोई तुमसे कैगा, तुझे विश्वास है और मैं कर्म करता हूँ"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-quotations]])"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

याकूब 2:18 (#2)

"वरन् कोई कह सकता है, "तुझे विश्वास है, और मैं कर्म हूँ"

"इस वाक्य पर परिचर्चा इस अध्याय की सामान्य टिप्पणियों में देखें| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इस वाक्य के अर्थ को अधिक स्पष्टा में व्यक्त कर सकते हैं| (UST में तो इसके अभिप्राय को यहाँ दिए गए सुझावों से भी अधिक दर्शाया गया है|) वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु कोई तुमको विश्वास दिलाने का प्रयत्न करे कि तुममें विश्वास है जबकि मैं. याकूब कर्म करता हूँ"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-quotations]])"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:18 (#1)

"वरन् कोई कह सकता है"

"याकूब शिक्षा हेतु एक कल्पित स्थिति काम में लेता है| इस अभिव्यक्ति के द्वारा उस काल्पनिक स्तिथि की अवस्था (जैसा याकूब: सामान्य परिचय, भाग 1 में उसके युग के वक्ताओं की शैली में वर्णन किया गया है| याकूब किसी के द्वारा आपत्ति की पूर्व कल्पना करता हैऔर कहता है कि वह कैसी प्रतिक्रया दिखाएगा) वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु कल्पना करो कि कोई तुमसे कहे""

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:18 (#3)

"तुझे विश्वास है"

"यहाँ **तू** एकवचन में है क्योंकि याकूब उदाहरण देता है की कोई किसी व्यक्ति विशेष को संबोधित करे| तदोपरांत याकूब स्वयं ही इस पद के शेष भाग में और पद, 19–22 में इसी व्यक्ति विशेष को संबोधित करता है| अतः यदि आपकी भाषा में यह अंतर स्पष्ट होता है तो यहाँ से पद 22 तक अपने अनुवाद में &&तू** का एकवचन काम में लें| (देखो: [[rc://hn/ta/man/translate/figs-quotations]])"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

याकूब 2:18 (#4)

"अपना विश्वास मुझे कर्म बिना दिखा; और मैं विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे दिखाऊँगा"

"पर्स्तावना के बाद इस वाक्य को प्रत्यक्ष उद्धरण में रखना सहायक सिद्ध होगा कि प्रकट हो कि उस काल्पनिक प्रश्न के प्रत्योत्तर में याकूब ऐसा कहेगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""तब मैं तुम से कहूंगा, 'कर्म बिना अपना विश्वास मुझे दिखाओ, और मैं अपना विश्वास कर्मों से प्रकट करूंगा'"" (देखो: [[rc://hn/ta/man/translate/figs-quotations]])"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

याकूब 2:18 (#5)

"अपना विश्वास मुझे कर्म बिना दिखा; और मैं विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे दिखाऊँगा"

"यह उस काल्पनिक परिस्थिति का परिणाम है जिसका वर्णन याकूब करता आ रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तब मैं तुम से कहूंगा,'मुझे अपना विश्वास कर्मों बिना दिखाओ, और मैं तुमको अपना विश्वास कर्मों से दिखाऊंगा'"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-quotations]])"

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

याकूब 2:18 (#6)

"अपना विश्वास मुझे कर्म बिना दिखा"

"याकूब आदेशात्मक उक्ति, **मुझे ... दिखा** काम में लेता है कि उस काल्पनिक ""तू"" को चुनौती दे और उसके बोध कराए कि याकूब उसको जो कहता है, उसको वह वास्तव में नहीं कर सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तू मुझे अपना विश्वास कर्मों के बिना नहीं दिखा सकता है""(देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-imperative]])"

देखें: अनिवार्य — अन्य उपयोग

याकूब 2:18 (#2)

"तुझे विश्वास है, और मैं कर्म हूँ।" अपना विश्वास मुझे कर्म बिना दिखा; और मैं विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे दिखाऊँगा"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **विश्वास** और **कर्म**का अनुवाद समानार्थक उक्तियों के द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तू मुझे दिखा नहीं सकता कि तू परमेश्वर में पूर्ण विश्वास रखता है, यदि तू परमेश्वर की इच्छा के अनुसार काम नहीं करता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:18 (#7)

"और मैं विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे दिखाऊँगा"

"याकूब इस अभिकथन को भविष्य काल में काम में लेता है कि प्रकट करे कि वह उस कार्य विशेष को करने में सक्षम है| (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-declarative]])"

देखें: कथन — अन्य उपयोग

याकूब 2:18 (#8)

"और मैं विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे दिखाऊँगा"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **विश्वास** और **कर्मों** में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक उक्तियों द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु परमेश्वर मुझ से जो कराना चाहता है उसको करने के द्वारा मैं तुमको दिखा सकता हूँ कि मैं वास्तव में परमेश्वर में विश्वास रखता हूँ"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-abstractnouns]])"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:19 (#1)

"तुझे विश्वास है कि एक ही परमेश्वर है"

"जिस क्रिया का अनुवाद, **विश्वास करना** किया गया है वह उसी मूल से है जिससे अनुवादित शब्द ""विश्वास"" है| इसको अपने अनुवाद में प्रकट करना सहायक ही होगा की स्पष्ट किया जा सके कि याकूब उसी व्यक्ति विशेष से कह रहा है जो पिछले पद में था| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुझे विश्वास है कि परमेश्वर एक है"""

याकूब 2:19 (#2)

"तुझे विश्वास है कि एक ही परमेश्वर है"

"जैसा याकूब: प्रस्तावना, भाग 1 में वर्णन किया गया है, याकूब के पत्र प्राप्तिकर्ता यीशु के विश्वासी ठेपरान्तु उनकी पृष्ठभूमि यहूदी थी| परिणामस्वरूप, उनको बोध होगा कि याकूब यहाँ अनिवार्य यहूदी विश्वास वचन का सन्दर्भ दे रहा है,""हे इस्राएल, सुन, यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक ही है|"" व्यवस्थाविवरण 6:4 में यह आज्ञा मूसा द्वारा दी गई है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: 'तुम मूसा की अनिवार्य शिक्षा में विश्वास करते हो कि परमेश्वर एक है"""

याकूब 2:19 (#3)

"अच्छा करता है; दुष्टात्मा भी विश्वास रखते, और थरथराते हैं"

"जब याकूब कहता है,**तू अच्छा करता है** तो वह वास्तव में अपने अभिप्राय के विपरीत कहता है| याकूब मानता है कि एक परमेश्वर में विश्वास करने अपनव आप में अच्छा है, परन्तु वह वास्तव में कहता है कि अपने आप में यह विश्वास कर्मों से वंचित है और मनुष्य का उद्धार नहीं कर सकता है| अपनी इस बात को वह सिद्ध करने के लिए वह कहता है कि दुष्टात्माओं को उद्धार प्राप्त नहीं है परन्तु वे भी विश्वास करती हैं कि परमेश्वर एक ही है और यह उनके लिए थरथराने का कारन है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम सोच सकते हो कि ऐसा करना अच्छा है परन्तु दुष्टात्माएं भी एक परमेश्वर में विश्वास करती हैं और थरथराती हैं"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-विडंबना]])"

देखें: विडंबना

याकूब 2:19 (#1)

""

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप स्पष्ट व्यक्त कर सकते है कि परमेश्वर के विचार पर दुष्टात्माएं क्यों **थरथराते** हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""दुष्टात्माएं भी परमेश्वर में विश्वास रखती हैं और थरथराती हिन् क्योंकि वे जानती है कि परमेश्वर उनको दंड देगा""\n

याकूब 2:20 (#1)

"पर हे निकम्मे मनुष्य क्या तू यह जानता, कि कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है"

"याकूब शिक्षण सादहं हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों का अनुवाद कथन रूप में कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु, हे मूर्ख! मैं सिद्ध करके तुझे दिखा सकता हूँ कि कर्म बिना विश्वास शिथिल है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:20 (#1)

"क्या तू यह जानता"

"यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है,"" मैं सिद्ध कर सकता हूँ""निहितार्थ सुझाव द्वारा,यदि तुम वास्तव में जानना चाहते हो तो मैं सिद्ध करके दिखा सकता हूँ"" वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं सिद्ध कर सकता हूँ"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-मुहावरा]])"

देखें: मुहावरा

याकूब 2:20 (#2)

"हे निकम्मे मनुष्य"

"याकूब विस्मय बोधक कथन के बाद संबोधन कारक में इस काल्पनिक **मनुष्य** को संबोधित करता है| यदि आपकी भाषा में संबोधन कारक हो तो उसको यहाँ काम में लेना उचित ही होगा| यदि नहीं तो आप अपने भाषा के किसी स्वाभाविक रूप में इसका अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""हे मूर्क मनुष्य"""

याकूब 2:20 (#3)

"हे निकम्मे मनुष्य"

"याकूब **मनुष्य** शब्द का उपयोग व्यापक रूप में करता हैअर्थात, कोई भी मनुष्य, स्त्री हो या पुरुष| वैकल्पिक अनुवाद: ""हे मूर्ख मनुष्य"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-gendernotations]])"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 2:20 (#4)

"कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है"

"याकूब **विश्वास** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रका कहता है कि जैसे वह कोई जीवित वस्तु हो जिसके पास काम नहीं तो वह आलसी होकर कुछ नहीं करती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य का विश्वास व्यर्थ है यदि वह उसको कर्मों से प्रकट नहीं करे"" या ""मनुष्य का विश्वास बंजर है यदि वह उसको कर्मों द्वारा न दर्शाए"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-व्यक्तित्व]])"

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 2:20 (#2)

"कि कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **विश्वास** और **कर्मों** में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक उक्तियों से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर में विश्वास का अंगीकार करना मनुष्य के लिए निरर्थक है यदि वह परमेश्वर की इच्छा के अनुसार काम नहीं कर सकता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:20 (#5)

"कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है"

"इस अध्याय के अंत में सामान्य टिप्पणियों में मूल पाठ विषयक चर्चा विषयों पर परिचर्चा देखें की आपके अनुवाद में इस पाठ को रखना है अन्य किसी पाठ को, ""कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है"" निम्नलिखित टिप्पणी उस पाठ में अनुवाद की समस्या पर परिचर्चा करती है, उनके लिए जो इस पाठ को रखना चाहते हैं|(देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/translate-textvariants]])"

देखें: पाठ्य भिन्नताएं

याकूब 2:20 (#6)

"कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है"

"यदि यह पाठ, कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है"" सही है तो याकूब **विश्वास** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे कर्म हो तो वह जीवित है और यदि कर्म न हों तो वह मृतक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मौश्य का विश्वास सच्चा नहीं है यदि वह उसको कैमों द्वारा प्रकट नहीं करता है"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-व्यक्तित्व]])"

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 2:21 (#2)

""

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन शब्दों का अनुवाद कथन रूप में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारा पिता अब्राहम कर्मों के द्वारा ही धर्मी ठराया गया था जब उसने अपने पुत्र को वेदी पर बलि होने हेतु रख दिया था""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:21 (#1)

"हमारे पिता अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को वेदी पर चढ़ाया, वह कर्मों से धार्मिक न ठहरा था"

"याकूब यह मानता है की उसके पाठकों को समझ में आ जाएगा कि वह उत्पत्ति की पुस्तक में विहित एक क्लाहनी को सूना रहा है| इस कहानी में परमेश्वर अब्राहम से कहता है कि वह अपने पुत्र इसहाक को उसके लिए बलि चढ़ा दे परन्तु परमेश्वर वास्तव में अब्राहम से ऐसी अपेक्षा नहीं करता था| वह तो चहाता था कि अब्राहम अपने विश्वास और आज्ञापालन को ऐसा करने की इच्छा से प्रकट करे| अंत में परमेश्वर अब्राहम को उसके पुत्र की बलि चढाने से रोक देता है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसका स्पष्ट संकेत दे सकते हैं, विशेष कलरके तब जब वे इस कहानी से अनभिज्ञ हों और जब वे यह मानते हैं कि अब्राहम ने वास्तव में अपने पुत्र की बलि चढ़ाई थी| वैकल्पिक अनुवाद- अभिकथन रूप में: ""हमारा पिता अब्राहम कर्मों द्वारा धर्मी ठराया गया था जब उसने यह सिद्ध कर दिया था कि वह परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए तैयार था चाहे उसको अपने पुत्र की बलि ही क्यों न चढ़ानी हो, जबकि परमेश्वर वास्तव में उससे ऐसा कर्म नहीं चाहता था और परमेश्वर ने उसको ऐसा करने से रोक दिया था"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-explicit]])"

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:21 (#3)

"कर्मों से धार्मिक"

"याकूब : सामान्य परिचय, भाग 2 में परिचर्चा देखें कि मनुष□□□य परमेश्वर के समक्ष कैसे धर्मी ठराया जाता है| याकूब के कहने का अर्थ यह नहीं हैं कि अब्राहम ने कोई ऐसा काम किया की परमेश्वर ने उसको धर्मी माना| इसकी अपेक्षा, परमेश्वर ने अब्राहम को पहले से ही धर्मी घोषित कर दिया था क्योंकि उसने परमेश्वर में विश्वास किया था, जैसा कि याकूब अग्रिम दो पदों में वर्णन करेगा| इसके बाद अब्राहम ने अपने विश्वास की सच्चाई प्रकट करने के लिए जो किया उससे सिद्ध गो गया कि उसका विश्वास सच्चा था| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसको सुस्पष्ट कह सकते हैं, विशेष करके तब जब उनकी समझ में फेर हो कि अब्राहम ने कोई ऐसा काम किया जिसके कारण परमेश्वर उसको धर्मी ठहराने के लिए विवश हो गया था| वैकल्पिक अनुवाद: (कथन रूप में) ""परमेश्वर ने हमारे पिता अब्राहम को धर्मी ठहराया क्योंकि उसने जो किया उससे प्रकट हुआ था कि वह परमेश्वर में सच्चा विश्वास रखता था""

देखें: रूपक

याकूब 2:21 (#2)

"हमारे पिता अब्राहम ने" - "धार्मिक न ठहरा था"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कत्रिवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद- अभिकथन रूप में: ""परमेश्वर ने हमारे पिता, अब्राहम को धर्मी ठराया"" या ""परमेश्वर ने हमारे पिता, अब्राहम को धर्मी घोषित किया"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-activepassive]])"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 2:21 (#4)

"पिता"

"याकूब **पिता** शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में करता हैजिससे उसका अर्थ है, ""पूर्वज"" वैकल्पिक अनुवाद: ""अब्राहम हमारा पूर्वज""\n

याकूब 2:21 (#4)

"हमारे पिता"

"याकूब अब्राहम का वंशज, यहूदी है और जिनको वह पत्र लिख रहा है वे भी यहूदी पृष्ठभूमि के हैं इसलिए **हमारा** शब्द समावेशी है, यदि आपकी भाषा में यह अंतर है| (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-exclusive]])"

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

याकूब 2:22 (#2)

"देख लिया"

"यहाँ **देख लिया** लाक्षणिक भाव में समझ को दर्शाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अतः तुमको समझना चाहिए""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 2:22 (#3)

""

"याकूब लाक्षणिक भाषा में **विश्वास** और **कर्मों** को इस प्रकार व्यक्त करता है किजैसे वे जीवित प्राणी हों जो एक साथ काम करने परस्पर सहायता प्रदान करते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अब्राहम को ऐसे काम करने के लिए विश्वास से बल मिला था और इन कामों से उसका विश्वास और भी अधिक दृढ हो गया था""\n

याकूब 2:22 (#1)

"विश्वास ने उसके कामों के प्रभाव डाला है और से विश्वास सिद्ध हुआ"

"यदि आपकी भाषा मेंस्पष्ट होई सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **विश्वास** और **कर्मों** में निहिओत विचारों को समानार्थक अभियाक्तियों द्वारा अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अब्राहम ने ऐसा किया क्योंकि वह परमेश्वर में विश्वास करता थाऔर इन कर्मों के कारण उसका विश्वास परमेश्वर में और भी अधिक हीओ गया"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-abstractnouns]])"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:22 (#2)

"ने" - "से विश्वास सिद्ध हुआ"

"यदि यहआप की भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद : ""उसके कर्म विश्वास से सिद्ध होते हैं"" (देखो: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-activepassive]])"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 2:22 (#3)

"ने" - "से विश्वास सिद्ध हुआ"

"**सिद्ध हुआ** शब्द का क्रिया रूप विशेषण शब्द ""सिद्ध"" के ही मूल से आता है जिसका उपयोग याकूब अपने इस पत्र में अनेक बार पहले भी कर चुका है| यह क्रिया शब्द उस किसी वस्तु के संदर्व्ह में है जो किसी उद्देशय निमित पूर्णता प्राप्त कर चुकी है| वैकल्पिक अनुवाद: "" उसके कर्मों ने उसके विश्वास को पूर्णता प्राप्त करने में सहायता की है"""

याकूब 2:23 (#1)

"पवित्रशास्त्र का" - "पूरा हुआ"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: 'इससे धर्मशास्त्र की पूर्ति हो गई""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 2:23 (#2)

"उसके लिये धार्मिकता गिनी गई"

"यह उत्पत्ति 15:6 का उद्धरण है| याकूब परिकल्पना करता है कि उसके पाठक परमेश्वर की प्रतिज्ञा के प्रति अब्राहम की प्रतिक्रया से अभिज्ञ हैं कि अपनी और अपनी पत्नी की वृद्धावस्था तक निःसंतान होने के उपरान्त भी उसने विश्वास किया कि उसकी संतान आकाश के सितारों के तुल्य होंगी| यदि आपकी भाषा में पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसका संकेत सविस्तार दे सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अब्राहम ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर विओश्वास किया की उसकी संतान असंख्य होंगी, अतः परमेश्वर ने अब्राहम को उसके साथ उचित सम्बन्ध में माना""

देखें: रूपक

याकूब 2:23 (#1)

"परमेश्वर मित्र कहलाया"

"याकूब यह मानता है कि उसके पाठक जानते हैं कि 41:8 में परमेश्वर इस्राएल को ""मेरे मित्र अब्राहम के वंश"" कहता है और \n2 Chronicles 20:7 में राजा यहोशापात परमेश्वर से प्रार्थना करते समय इस्रैल के लिए कहता है, ""अपने मित्र अब्राहाम के वंश"" कहता है| यदि आपके पाठकों के लिए

सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सुस्पष्ट संकेत दे सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उत्तरकालीन धर्मशास्त्रों में वह परमेश्वर का मित्र कहलाता है"" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:23 (#2)

"परमेश्वर मित्र कहलाया"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के क्लारने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने यशायाह के माध्यम से कहते हुए उसको उत्तरकाल में अपना मित्र कहा और राजा यहोशापत भी अपनी प्रार्थना में उसके परमेश्वर का मित्र कहता है"" \n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 2:24 (#1)

"तुम देख लिया"

"यहाँ **देख** शब्द लाक्षणिक प्रयोग में समझ का भाव दर्शाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अतः तुमको समझ लेना चाहिए""\n

देखें: रूपक

याकूब 2:24 (#2)

"तुम देख लिया"

"याकूब यहाँ बहुवचन का प्रयोग करने लगता है जैसा कि वह अपने इस पत्र में अधिकतर कर रहा है| अतः अपने अनुवाद में *तू* का बहुवचन काम में लें, यदि आपकी भाषा में ऐसा अंतर स्पष्ट हो| अन्य भाषाओं में बहुवचन में अवस्थांतरण का संकेत देने के अन्य रूइप हो सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अतः तुम सब को समझना चाहिए"" \n

देखें: 'आप' के रूप

याकूब 2:24 (#3)

"मनुष्य"

"याकूब **मनुष्य** शब्द का उपयोग व्यापक रूप में करता है जिसका अर्थ स्त्री या पुरुष कोई भी हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यक्ति** \n person”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 2:24 (#1)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो अप्प इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के साथ उचित सम्बन्ध में होता है"" या ""परमेश्वर के साथ न्यायोचित अवस्था में आ जाता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 2:24 (#4)

"केवल विश्वास से नहीं, वरन् कर्मों से भी"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **विश्वास** और **कर्मों** में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके कर्मों के द्वारा न कि उसके विश्वास के द्वारा""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 2:24 (#5)

"केवल विश्वास से नहीं, वरन् कर्मों से भी"

"परमेश्वर के समक्ष मनुष्य कैसे धर्मी ठहरता है इस पर परिचर्चा हे हेतु याकूब: सामान्य प्रस्तावना, भाग 2 का अवलोकन करें| याकूब के कहने का अर्थ यह नहीं है कि धर्मी ठहराए जाने के लिए आवश्यक है कि अह्ले अपने विश्वास में कर्मों को संयोजित करना है| इसकी अपेक्षा याकूब उन कर्मों के लिए कहता है जो मनुष्य के उद्धार हो जाने के साथ-साथ विश्वास की अभिव्यक्ति और प्रमाण हैं| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सुस्पष्ट संकेत दे सकते हैं, विशेष करके तब जब वे भ्रमित होकर सोचें कि याकूब के कथनानुसार हमको अपने विश्वास में कर्मों को संयोजित करना है कि परमेश्वर हमको धर्मी ठहराए| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह अपने विश्वास को प्रकट अकरने के लिए क्या करता है उसके द्वारा न कि केवल विश्वास के द्वारा""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 2:25 (#2)

""

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को कथन रूप में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वैसे ही रहाब वैश्या भी कर्म के कारण ही धर्मी ठहरी थी जब उसने उन परदेशियों को शरण दी और दुसरे मार्ग से विदा किया""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 2:25 (#1)

"वैसे ही राहाब वेश्या" - "उसने" - "और" - "धार्मिक न ठहरी"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करनेवाले को दर्शा सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या परमेश्वर ने इसी प्रकार रहाब वैश्या को धर्मी नहीं ठहराया था"" या ""क्या परमेश्वर ने राहाब वैश्या को इसी प्रकार धर्मी घोषित नहीं किया था""\n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 2:25 (#1)

""

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप सुस्पष्ट वर्णन कर सकते हैं कि **वैसे ही** का अर्थ इस प्रकरण में क्या है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वैसे ही अब्राहम""\n

याकूब 2:25 (#4)

"क्या कर्मों से धार्मिक"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **कर्मों** में निहित विचार का अनुवाद समानार्थक उक्ति से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसने जो किया उसके द्वारा""

देखें: रूपक

याकूब 2:25 (#3)

"राहाब वेश्या" - "उसने"

"याकूब परिकल्पना करता है कि उसके पाठक समझ लेंगे कि वह यहोशू की पुस्तक में चर्चित इस घटना का सन्दर्भ दे रहा है| यहोशू ने दो भेदियों को भेजा था की कनान देश की जानकारी ले आएं| रहाब ने उन भेदियों को अपने घर में शरण दी और उनकी सुरक्षा निश्चित की थी और उनको उस मार्ग से

विदा किया जिस पर उनको खीजने वाले संदेह नहीं कर सकते थे| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसका सुस्पष्ट संकेत दे सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब उसने उन भेदियों के लिए जिनको यहोशू ने कनान का भेद लेने के लिए भेजा था, अपने घर में सुरक्षा और शरण का प्रबंध किया था और उनको उस मार्ग से विदा किया जिसकी आशा उनके खोजियों को कदापि नहीं थी कि वे उससे जाएंगे""\n

याकूब 2:25 (#6)

"दूसरे मार्ग से विदा किया"

"क्योंकि **दूतों** शब्द दो के लिए प्रयुक्त हुआ है इसलिए यह सर्वनाम, **उनको** भी द्वीवचन में होगी, यदि आपकी भाषा में इस रूप का प्रावधान है| \n

याकूब 2:26 (#1)

""

"याकूब इस शब्द के द्वारा एक सामान्य सिद्धांत का समावेश कराता है जो उस विवाद से निकाला जा सकता है जिसकी चर्चा वाहवाह 2:14 से करता आ रहा है कि ** विश्वास** को **कर्मों** से प्रकट करना आवश्यक है| वह इसका संकेत देने के लिए **इसलिए** का प्रयोग नहीं करता है जिसका अर्थ **क्योंकि** होता है जिससे प्रकट हॉप किअब्राहम और रहाब इसी कारण से धर्मी ठराए गए थे| इसकी अपेक्षा वह **इस कारन** का प्रयोग करता है कि अपने वाद का समापन करे| वैकल्पिक अनुवाद: ""ये विशिष्ट उदाहरण एक सिद्धांत की पुष्टि करते हैं कि""\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 2:26 (#2)

"देह आत्मा बिना मरी हुई है"

"जिस शब्द का अनुवाद **आत्मा** किया गया है उसका अर्थ ""श्वास""""" भी हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""देह में जीवन का श्वास नहीं है तो वह मृतक है"""

याकूब 2:26 (#1)

"देह आत्मा बिना मरी हुई है वैसा ही विश्वास भी कर्म बिना मरा हुआ है"

"याकूब **विश्वास** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कह रहा है कि जैसे उसमें कर्म हों तो वह जीवित है और यदि नहीं

हैं तो वह मृतक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि मनुष्य अपने विश्वास को कर्मों से प्रकट न करे तो उसका विश्वास सच्चा नहीं है|

देखें: रूपक

याकूब 2:26 (#3)

"विश्वास" - "कर्म बिना मरा हुआ है"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **विश्वास** और **कर्मों** का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि कोई मनुष्य कहे कि वह परमेश्वर में विश्वास रखता है परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार काम नहीं करता है तो वह वास्तव में परमेश्वर में विश्वास नहीं करता है""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:1 (#1)

""

"वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम में अनेक शिक्षक न बनें"""

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

याकूब 3:1 (#2)

"मेरे भाइयों"

"देखें कि आपने 1:2 में **भाइयों** शब्द का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासी""\n

याकूब 3:1 (#1)

"क्योंकि तुम जानते हो, कि"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि तुम यह जानते हो"""

याकूब 3:1 (#4)

""

"याकूब अपने और अपने साथी शिक्षकों के विषय में कह रहा है, अपने पाठकों के विषय में नहीं,अतः **हम** शब्द समावेशी है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम जो शिक्षा देनेवाले हैं अधिक दंड के भागी होंगे""

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

याकूब 3:1 (#3)

""

"**और भी दोषी ठहरेंगे**,याकूब के कहने का अर्थ है कि अन्यों की तुलना में परमेश्वर उसके वचन के शिक्षकों का और भी अधिक कठोरता से न्याय करेगा| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप सुस्पष्ट संकेत दे सकते हैं कि यह सच क्यों है| वैकल्पिक अनुवाद: हम जो परमेश्वर के वचन के प्रचारक हैं उनका न्याय परमेश्वर अन्यों की तुलना में अधिक कठोरता से करेगा क्योंकि हमारी शिक्षा लोगों के विश्वास और जीवन शैली पर महान प्रभाव डालती है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 3:2 (#1)

"इसलिए कि"

"याकूब **क्योंकि** शब्द के उपयोग द्वारा एक कारण का समावेश कराता है कि उसके पाठकों में से अधिकाँश जनों को शिक्षक नहीं बनना है कारण नहीं कि परमेश्वर शिक्षकों का न्याय अधिक कठोरता से करेगा यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इस कारण को अधिक स्पष्टा में, एक नए वाक्य में व्यक्त कर सकते हैं, जैसा UST में है|\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 3:2 (#2)

"हम सब बहुत बार चूक जाते हैं"

"याकूब इस विशेषण शब्द, **बहुत** का उपयोग क्रिया विशेषण रूप में करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम सब अनेक प्रकार से चूक जाते हैं"""

याकूब 3:2 (#1)

"हम सब" - "चूक जाते हैं"

"अब याकूब अपने और अन्य शिक्षकों और अपने पाठकों तथा सामान्यतः सब मनुष्यों के विषय कहता है,अतः यह सर्वनाम शब्द, **हम** समावेशी है| वैकलोपिक अनुवाद: "" हर एक जन नाना प्रकार से ठोकर खाता है""

देखें:

याकूब 3:2 (#2)

"चूक जाते हैं"

"जैसा 2:10 में है, याकूब मनुष्यों के पाप करने के लिए लाक्षणिक भाषा में कहता है कि वे **चूक** जाते हैं अर्थात, चलते समय ठोकर खा कर संतुलन खो देते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम सब अनेक प्रकार से पाप करते हैं...शब्दों से पाप नहीं करता है""

देखें: रूपक

याकूब 3:2 (#3)

"वचन में नहीं"

"यहाँ याकूब **वचन** शब्द को लाक्षणिक प्रयोग करता है जिसका अर्थ है, मनुष्य द्वारा शब्दों में कही गई बात| वैकल्पिक अनुवाद: ""यद् कोई अपने वार्तालाप में पाप नहीं करता है"" या ""कोई अनुचित बातें नहीं करता है""\n

याकूब 3:2 (#4)

"वही सिद्ध मनुष्य है"

"जैसा 1:4 में और इस पत्र में अन्यत्र पूर्वोक्त है, **सिद्ध** शब्द का सन्दर्भ किसी वस्तु की उस अवस्था से है जिसमें वह किसी उद्देश्य निमित्त पूर्ण विकसित हो चुकी है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह मनुष्य आत्मिकता में परिपक्व हो चुका है"""

याकूब 3:2 (#3)

"और सारी देह लगाम लगा सकता है"

"जैसा 1:26 में है याकूब अपने पर **लगाम** लगाने वाले मनुष्य के लिए लाक्षणिक भाषा में कहता है की जैसे वह मनुष्य लगाम के द्वारा घोड़े को वश में रखता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने सम्पूर्ण शरीर को वश में रखने में सक्षम है""\n

देखें: रूपक

याकूब 3:2 (#5)

""

"याकूब मनुष्य के सम्पूर्ण व्यक्तित्व-कार्य और व्यवहार भी- के लिए लाक्षणिक भाषा में **देह** शब्द का प्रयोग करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह जो कुछ भी करता उसको नियंत्रण में रखने योग्य है""

देखें: संकेतन

याकूब 3:3 (#3)

"जब"

"याकूब **जब** शब्द के उपयोग द्वारा उदाहरण के रूप में पाशर्व जानकारी का समावेश कराता हैजो उसके पाठकों की सहायता करेगी कि जो शिक्षा वह देना चाहता है उसको अंतर्ग्रहण कर पाएं| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी ऐसी उक्ति द्वारा कर सकते हैन्जिस्से प्रकट हो कि याकूब उदाहरण देने जा रहा है, जैसा UST में है|\n

याकूब 3:3 (#2)

"जब अपने में के घोड़ों" - "मुँह" - "लगाम लगाते हैं," - "को"

"**घोड़ों** आकार में बड़े चौपाए जिनको अनेक संस्कृतियों में मनुष्यों और सामान के परिवहन हेतु काम में लिया जाता है| **लगाम** धातु के छोटे टुकड़े होते हैं जिनको घोड़ों के मुंह में लगा कर उनकी गतिविधि को नियंत्रित किया जाता है| यदि आपके पाठक **घोड़ों** और **लगाम** से परिचित न हों तो आप किसी और पशु और नियंत्रण विधि का नाम को काम में ले सकते हैं या कोई सामान्य अभिव्यक्ति काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम ऊंटों नाक में नकेल लगाते हैं"" या ""हम बड़े-बड़े पशुओं के शरीर पर नियंत्रण के साधन काम में लेते हैं|\n

याकूब 3:3 (#1)

"के" - "में" - "हम"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""की वे हामारी आज्ञा मानें"""

याकूब 3:3 (#2)

"तो" - "उनकी सारी देह" - "फेर सकते हैं"

"याकूब के कहने का अर्थ है की जिस प्रकार मनुष्य लागाम के उपयोग से घोड़े को जैसा चाहें वैसा चला सकते हैं| याकूब घोड़े को चलाने के काम को लाक्षणिक भाषा में उसको सामान्य रूप से लेकर चलने और वश में रखने के अभिप्राय से कहता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इसके द्वारा हम उसकी सम्पूर्ण देह को चलाने में सक्षम होते हैं"" या ""इसके द्वारा हम सक्षम हो जाते हैं कि उनकी सम्पूर्ण देहों कोवश में कर लें""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 3:3 (#3)

"उनकी सारी देह"

"याकूब **घोड़ों** के लिए बहुवचन काम में लेता है तो आपकी भाषामें भी अधिक प्रायोगिक होगा कि देह** का बहुवचन रूप काम में लें| वैकल्पिक अनुवाद: ""उनकी सम्पूर्ण देहों"""

याकूब 3:4 (#1)

"देखो, जहाज भी," - "के"

"**देखो** शब्द श्रोता या पाठक का ध्यान उस और आकर्षित कराता है जिसकी चर्चा अब वक्ता या लेखक करने वाला है|यद्यपि, इसका शाब्दिक अर्थ है, ""निहारना"" या ""देखना"", इस शब्द को लाक्षणिक उपयोग में ध्यान देने और कान लगाने के लिए काम में लिया जा सकता है, याकूब इसका उपयोग इसी प्रकार करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जहाज के उदाहरण पर भी ध्यान दें""\n

देखें: रूपक

याकूब 3:4 (#1)

""

"**जहाज** बड़े-बड़े पॉट होते है जिनको मनुष्य और माल के जल परिवहन में काम में लिया जाता है| **पतवार** एक समतल छोटा सा उपकरण होता है जिसको जहाज के पीछे लगाया जाता है और उसको घुमाने के लिए काम में लिया जाता है| यदि आपके पाठक **जहाज** और **पतवार** से अनभिज्ञ हैं तो आप अपने अनुवाद में किसी एनी परिवहन साधन और भिन्न उपकरण का नाम काम में ले सकते हैं या किसी सामान्य अभिव्यक्ति को काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ट्रक ...स्टेरिंग"" या बड़ी गाड़ी...घुमाने का उपकरण""\n

याकूब 3:4 (#2)

"ऐसे बड़े हैं, और प्रचण्ड वायु से"

"यहाँ एक नया वाक्य काम में लेना सहायक ही होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""यद्यपि, वे विशाल होते है और प्रचंड हवाओं से चलाए जाते हैं"""

याकूब 3:4 (#2)

"प्रचण्ड वायु से"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यद्यपि वे अति विशाल होते है और प्रचंड वायु उनको गति देती है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 3:4 (#3)

""

"याकूब जहाज को घुमाने की क्रिया का लाक्षणिक प्रयोग करता है की उसकी चाल और नियंत्रण का अभिप्राय प्रकट हो| (उदाहरणार्थ, जहाज को सीधा रखने के लिए मनुष्य उसको घुमाता है न कि मात्र उसको किसी गन्तवय की दिशा में रखने के लिए) वैकल्पिक अनुवाद: ""वह एक छोटी सी पतवार से नियंत्रित की जाती है"" या ""वह एक छोटी सी पतवार से चलाया जाता है"" \n

याकूब 3:4 (#3)

"एक छोटी सी पतवार" - "द्वारा" - "घुमाए"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक बहुत छोटा सा पतवार उसको घुमा देता है""\n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 3:4 (#4)

"एक छोटी सी पतवार" - "द्वारा" - "घुमाए"

"याकूब **जहाज़ों** शब्द को बहुवाचान में काम में लेता है तो आपकी भाषा में भी प्रायोगिक हो सकता है कि आप इस उपवाक्य में बहुवचन काम में लें| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे बहुत छोटे पतवारों से घुमाए जाते हैं"" या ""छोटे से पतवार उनको घुमा देते हैं"""

याकूब 3:4 (#5)

"एक छोटी सी पतवार"

"याकूब **छोटी** शब्द को विशेषण की उत्तमावस्था में काम लेता है कि विशेषण के अर्थ को सकारात्मक रूप में व्यक्त करे| आपकी भाषा में भी इसी प्रकार की उत्तमावस्था का प्रयोग होता होगा| यदि नहीं तो आप इसके अनुवाद में

सकारातमक रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""बहुत ही छोटा सा पतवार"""

याकूब 3:4 (#6)

"माँझी की इच्छा"

"याकूब जहाज को घुमाने के लिए मनुष्य की **इच्छा** को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह कोई जीवित वस्तु हो जिओसने किसी न किसी दिशा में जाने की इच्छा की हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""जहाज को चलाने वाला जिस किसी दिशा में उसको चलाना चाहता है"" \n

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 3:5 (#1)

"वैसे ही" - "भी"

"**वैसे ही** याकूब इन शब्दों के द्वारा उपमा या मनुष्य की जीभ और पिछले दो पदों में चर्चित छोटे-छोटे साधनों-घोड़े की लगाम और जहाज की पतवार- में तुलना का समावेश कराता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इसी रीति से"" या ""इसी प्रकार""\n

याकूब 3:5 (#1)

"एक छोटा अंग"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""देह का एक अंग"""

याकूब 3:5 (#2)

"और"

"यहाँ याकूब **और** शब्द के प्रयोग द्वारा जीभ के छोटे से आकर और मनुष्यों द्वारा बड़ी-बड़ी बातें करने मेनुसके उपयोग में तुलना करता है|\n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 3:5 (#3)

"बड़ी-डींगे मारती है"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में **जीभ** को जीवित दर्शाता है जो **डींगें** मारती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके उपयोग से मनुष्य बड़ी-बड़ी बातें करता है""\n

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 3:5 (#2)

"बड़ी-डींगे मारती है"

"याकूब विशेषण शब्द,**बड़ी-बड़ी** को बहुवचन संज्ञा रूप में काम में लेता है| (ULT में यहाँ **बातें** शब्द जोड़ा गया है|) आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा| यदि नहीं है तो आप इस उक्ति का अनुवाद किसी समानार्थक अभिव्यक्ति से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उससे मनुष्य घमंड की बातें करता है कि उसने महान कार्य किए हैं"" \n

याकूब 3:5 (#3)

""

"**देखो** शब्द श्रोता या पाठक का ध्यान वक्ता या लेखक द्वारा आगे काही जाने वाली बात पर आकर्षित करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""ध्यान दो""\n

याकूब 3:5 (#4)

"देखो"

"यहाँ अभिप्रेत अर्थ है कि याकूब अपने पाठकों के लिए अतिरिक्त सादृश्यता आधारित तर्क देता है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सुस्पष्ट वर्णन कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक और उदाहरण के लिए इस बात पर ध्यान दें""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 3:5 (#4)

"कैसे, आग से कितने बड़े वन में आग लग जाती है"

"**वन** वह स्थान होता है जहां असंख्य वृक्ष होते हैं| यदि आपके पाठक **वन** से परिचित न हों तो आप एक भिन्न उदाहरण दे सकते हैं उनके लिए जो उनके लिए आग से नष्ट किया गया परिचित क्षेत्र हो या आप एक सामान्य अभिव्यक्ति काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक छोटी से चिंगारी कैसे शीघ्रता से फैल कर वृहत चराई को भस्म कर देती है"" या ""एक छोटी सी चिंगारी कैसे तुरंत फैल जाती है और एक वृहत क्षेत्र में सब कुछ भस्म कर देती है""\n

याकूब 3:6 (#1)

"जीभ भी है"

"याकूब द्वारा मानुष की बातों के लिए **जीभ** का प्रयोग लाक्षणिक है, विचा-साहचर्य से भाषा में जीभ के उपयोग की विधि| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम जो कहते हैं वह भी आग ही है""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 3:6 (#1)

"जीभ भी है"

"याकूब **आग** का उपयोग भी ऐसे ही तर्क के निमित्त करता हैजिसके माध्यम से वह प्रकट करना चाहता है किमानुश्य की बातें भी ऐसी ही विनाशकारी हो सकती हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम जो कहते हैं वह भी बहुत विनाशकारी हो सकता है""\n

देखें: रूपक

याकूब 3:6 (#2)

""

"यह एक मुहावरा है| इसका भावार्थ यह है, **संसार** का सब *अधर्म* मनुष्य के शब्दों में निहित होता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अधर्म का विशाल स्रोत""

देखें: रूपक

याकूब 3:6 (#2)

"अधर्म"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **अधर्म** का अनुवाद समानार्थान अभिव्यक्ति द्वारा कर सकते हैं| इस प्रकरण में, इस शब्द का सन्दर्भ उन अनुचित बातों से है जो मनुष्यों के मुंह से निकलती हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""पापी बातों का""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:6 (#3)

"लोक है"

"यदि आपकी भाषा में सपष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""के मध्य में है""\n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 3:6 (#4)

"हमारे अंगों"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारी देह के अन्य अंग"""

याकूब 3:6 (#3)

"सारी देह पर कलंक"

"याकूब शब्दों के प्रयोग के प्रभाव के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे मनुष्य की जीभ उसकी **देह** पर **कलंक** लगाती हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""सम्पूर्ण शरीर को अशुद्ध कर देती है""

देखें: रूपक

याकूब 3:6 (#6)

"सारी देह पर कलंक"

"याकूब **देह** शब्द का प्रयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जिसके द्वारा सम्पूर्ण व्यक्ति को दर्शाया गया है क्योंकि वह इस पद में कहता है कि अनिष्ठ वचनों का प्रभाव नैतिक रूप से प्रदुष्ट होता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सम्पूर्ण मनुस्यत्व को नैतिक रूप से भ्रष्ट कर देती है"" \n

देखें: रूपक

याकूब 3:6 (#7)

"भवचक्र में लगा देती है"

"**जीवन गति** एक मुहावरा है जिसके अर्थ हो सकते हैं: (1) मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन- जन्म से मृत्यु तक| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन में आग लगा देती है"" (2) आने वाली पीढियां| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य की पीढ़ियों में, एक बाद एक, में आग लगा देती है""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 3:6 (#4)

"भवचक्र में लगा देती है"

"याकूब शब्दों के विनाशक प्रभाव को लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वे मनुष्य के जीवन को **आग** से **जलाती** रहती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन में विनाश का कारण होती है""

देखें: रूपक

याकूब 3:6 (#5)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""नरक की आग इसमें आग लगा देती है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 3:6 (#8)

"नरक की जलती रहती है"

"याकूब अनर्थ शब्दों के लिए लाक्षणिक भाषा में ही कह रहा है कि जैसे वे **आग** हों वैकल्पिक अनुवाद: ""उनके विनाशक प्रभाव नरक से उभरते हैं"" \n

देखें: रूपक

याकूब 3:6 (#10)

"नरक की"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में इस स्थान के नाम का उपयोग करता है जहां कूड़ा डाला जाता था| वहाँ आग लगातार जलती रहती थी| इस शब्द से उसका तात्पर्य था, """"नरक"" \n

देखें: रूपक

याकूब 3:6 (#11)

"नरक की"

"क्योंकि नरक एक स्थान होने के कारण मनुष्य के वचनों और आचरण पर प्रभाव डालने में सक्षम नहीं है| अतः संभव है कि याकूब विचार-साह्चर्य से शैतान के लिए **गेहन्ना** शब्द का उपयोग करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""शैतान"" \n

देखें: रूपक

याकूब 3:7 (#1)

"क्योंकि"

"याकूब **क्योंकि** शब्द के उपयोग द्वारा उदाहरण के रूप में पाशर्व जानकारी का समावेश कराता है जिससे उसके पाठकों को उसकी शिक्षा को समझने में सहायता मिलेगी| वैकल्पिक अनुवाद: ""अब""\n

देखें: जोड़ें — पृष्ठभूमि जानकारी

याकूब 3:7 (#2)

"हर प्रकार के वन-पशु, पक्षी, और रेंगनेवाले जन्तु और जलचर तो" - "वश में हो सकते हैं और हो भी गए हैं"

"यहाँ **हर प्रकार के** बलाघात के लिए सामान्यकरण है| वैकल्पिक अनुवाद: ""विभिन्न प्रकार के अनेक पशु, पक्षी, रेंगने वाले जंतु और जलचर प्रशिक्षित किए जाते है और किए जा चुके हैं"" \n

देखें: अतिशयोक्ति

याकूब 3:7 (#3)

"क्योंकि हर प्रकार के वन-पशु, पक्षी, और रेंगनेवाले जन्तु और जलचर तो"

"यदि आप इस सामान्यकरण को अपने अनुवाद में रखना चाहते हैं तो आपकी भाषा में इस सूची के जंतुओं के लिए एकवचन काम में लेना प्रायोगिक होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""पशुओं,पक्षियों,रेंगने वाले जंतुओं और जलचरों में से एक-एक प्रकार"""

याकूब 3:7 (#4)

"क्योंकि हर प्रकार के वन-पशु, पक्षी, और रेंगनेवाले जन्तु और जलचर तो"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में नाना प्रकार के जीवधारियों के वर्गों के नाम लेता है की प्रत्येक प्राणी का अभिप्राय प्रकट हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""विद्यमान जीवधारियों में से प्रत्येक प्रकार""\n

देखें: मेरिस्म

याकूब 3:7 (#3)

"जलचर तो"

"याकूब इस विशेषण शब्द ,**समुद्री** को बहुवचन संज्ञा रूप में काम में लेता है| (ULT में यहाँ **जीव** शब्द जोड़ा गाया है की स्पष्ट हो)आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग होता होगा| यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी समानार्थक उक्ति से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""समुद्री जीव""\n

याकूब 3:7 (#1)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद (वाक्यांश को ""इसलिए"" के बाद में रखें): ""मनुष्य प्रशिक्षण देता है और प्रशिक्षण दे चुका है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 3:7 (#5)

"मनुष्य जाति के वश में हो सकते हैं और हो भी गए हैं"

"याकूब इन दोनों उक्तियों, **वश में हो सकते हैं** और **हो भी गए हैं** को साथ-साथ काम में लेता की बलाघात हो| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन दोनों वाक्यांशों को संयुक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद (वाक्यांश को ""क्योंकि"" के ढीक बाद में रखें): ""मनुष्य वश में करने की प्रक्रिया में है""\n

देखें: युग्म

याकूब 3:7 (#6)

"मनुष्य जाति के"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों के द्वारा"""

याकूब 3:8 (#1)

"मनुष्यों में से कोई" - "नहीं"

"याकूब **मनुष्य** शब्द का उपयोग व्यापक रूप में करता है जिसमें सब मनुष्य आते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मानवजाति से कोई भी नहीं""\n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 3:8 (#1)

"पर जीभ को मनुष्यों में से कोई वश में नहीं"

"पिछले पद में वह पशुओं की सादृश्यता के माध्यम से चर्चा कर चुका है| याकूब **वश** शब्द के प्रयोग से ""नियंत्रण"" का भाव व्यक्त करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""नियंत्रण करने के लिए""

देखें: रूपक

याकूब 3:8 (#2)

"पर जीभ को"

"याकूब **जीभ** शब्द के प्रयोग द्वारा लाक्षणिक भाषा में विचार-साहचर्य से भाषा में जीभ के उपयोग द्वारा मनुष्यों के शब्दोच्चारण का सन्दर्भ देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह जो कहता है""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 3:8 (#3)

"एक ऐसी बला जो कभी रुकती ही नहीं"

"याकूब विशेषण शब्द, **बला** को संज्ञा रूप में काम में लेता है| आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा| यदि नहीं तो आप इस शब्द का अनुवाद किसी सामानार्थक अभिवुँक्ति के द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""कभी न रुकने वाली बुरी वस्तु""\n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 3:8 (#4)

"एक ऐसी बला जो कभी रुकती ही नहीं"

"इस प्रकरण में, **कभी रूकती ही नहीं** का अर्थ है, ""विश्राम रहित|"" याकूब याकूब जीभ के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह कोई जीवित वस्तु हो जो कभी विश्राम नहीं करती क्योंकि उसको सदैव बुरी बातें ही कहानी होती हैं| यहाँ एक नया वाक्य आरंभ करना सहायक ही होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम लगातार बुरी बातें कहते हैं"" \n

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 3:8 (#2)

""

"याकूब **प्राण नाशक विष** जैसी उक्ति द्वारा मनुष्य के शब्दों के विनाशक प्रभाव की सादृश्यता प्रकट करता है| वैकल्पिक अनुवाद (एक नया वाक्य आरम्भ करते हुए): ""और हम जो कहते हैं उसके अत्याधिक विनाशकारी प्रभाव होते हैं""

देखें: रूपक

याकूब 3:9 (#1)

"स्तुति"

"यह सर्वनाम,**इसी** का सन्दर्भ जीभ से है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम अपनी जीभ से आशीर्वाद देते है और उसी जीभ से कोसते हैं""\n

याकूब 3:9 (#1)

"इसी से" - "स्तुति और" - "श्राप देते हैं"

"याकूब **जीभ** का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जिससे उसका तात्पर्य है, विचार-साहचर्य के द्वारा, भाषा में जीभ का उपयोग करने की रीति| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम अपनी जीभ को आशीर्वाद देने के शब्दों के लिए काम में लेते हैं...और हम अपनी जीभ को कोसने के शब्दों के लिए काम में लेते हैं"" या ""आशीर्वाद के शब्दोच्चारण ...और कोसने के शब्दोच्चारण के लिए""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 3:9 (#2)

"मनुष्यों को" - "श्राप देते हैं"

"इस प्रकरण में, **धन्यवाद** का अर्थ किसी को आशीर्वाद देना नहीं है, जैसा कोई वरिष्ट जन कनिष्ट जन के साथ करता है| इसकी अपेक्षा, इसका अर्थ है किसी के विषय में अच्छे वचनों का उच्चारण करना"""

याकूब 3:9 (#2)

"प्रभु और पिता की"

"याकूब दो भिन्न मनुष्यों के विषय चर्चा नहीं कर रहा है| वह एक ही विचार को **और** से जोड़ कर दो संज्ञा शब्दों द्वारा वयक्त करता है| संज्ञा शब्द, **पिता प्रभु** की अतिरिक्त पहचान कराता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हमारा पिता प्रभु""\n

देखें: हेंडियाडिस

याकूब 3:9 (#3)

"पिता की"

"**पिता** शब्द परमेश्वर के लिए एक महत्वपूर्ण पदनाम है|\n

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

याकूब 3:9 (#4)

"मनुष्यों को"

"याकूब **मनुष्य** शब्द को व्यापक रूप में काम में लेता है जो सब मनुष्यों को समाहित करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मानवजाति""\n

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 3:9 (#3)

""

"याकूब का निर्विवाद अर्थ है कि परमेश्वर ने मनुष्य को अपने **स्वरुप** में सृजा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिनको परमेश्वर ने अपने रूप के सदृश्य रचा है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 3:10 (#1)

"मुँह से स्तुति और श्राप निकलते हैं"

"याकूब **मुंह** शब्द को लाक्षणिक भाषा में मनुष्यों के शब्दोच्चारण के लिए काम में लेता है, विचार-साहचर्य सेभाषा के लिए मुंह के प्रयोग की रीति| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक ही मनुष्य आशीर्वाद और श्राप देता है""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 3:10 (#1)

"मुँह से स्तुति और श्राप निकलते हैं"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञाओं, **धन्यवाद** और **शाप** में निहित विचारों को समानार्थान उक्तियों से व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक ही मनुष्य परमेश्वर का धन्यवाद करने के लिए और मनुष्य को कोसने के लिए भी शब्दोच्चारण करता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:10 (#2)

"स्तुति"

"देखें कि आपने **धन्यवाद** शब्द का अनुवाद 3:9 में कैसे किया है| आप ऐसे ही अनुवाद को यहाँ भी काम में लेना चाहेंगे| वैकल्पिक अनुवाद: ""शुभ वचन"""

याकूब 3:10 (#3)

"नहीं होना चाहिए"

"याकूब यहाँ मुहावरे में बातें करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे भाइयों, ऐसी बातें नहीं होना चाहिए""\n

याकूब 3:10 (#2)

"हे मेरे भाइयों"

"देखें कि आपने 1:2 में **भाइयों** शब्द का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासी""\n

याकूब 3:11 (#1)

"सोते के से मीठा और खारा जल निकलते है"

"इस यूनानी वाक्य में पहला शब्द नकारात्मक है जिसका उपयोग अभिकथान को प्रश्न बनाने में काम में लिया जा सकता है जिसके द्वारा नकारात्मक प्रश्न की अपेक्षा की जा सकती है| ULT में इसका संकेत ""है क्या?"" जोड़ कर दिया गया है| आपकी भाषा में नकारात्मक उत्तर पाने की अपेक्षा में पूछी जाने वाले प्रश्नों का प्रयोग भिन्न हो सकता है, उदाहरणार्थ, किसी सकारात्मक वाक्य के शब्द क्रम को बदलते हुए| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या कोई सोता एक ही मुंह से मीठा और कडवा जल प्रवाहित कर सकता है"" \n

देखें: दोहरे नकारात्मक

याकूब 3:11 (#2)

""

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को कथन रूप में या विस्मय बोधक वाक्य में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई भी सोता मीठा और कडवा जल एक साथ नहीं निकाल सकता है'\n

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 3:11 (#2)

"सोते"

"इस प्रकरण में **सोते** शब्द का सन्दर्भ जल स्रोत से है, अर्थात,भूमि से निकलने वाले जल का सोता| वैकल्पिक अनुवाद: ""जल का सोता"""

याकूब 3:11 (#3)

"मीठा और खारा"

"याकूब **मीठा** और **कडवा** विशेषण शब्दों को संज्ञा रूप में काम में लेता है कि जल के प्रकार का सन्दर्भ दे| आपकी भाषा में विशाषणों का ऐसा ही उपयोग होगा| यदि नहीं तो आप इनका अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मीठा जल और कड़वा जल""\n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 3:12 (#1)

"मेरे भाइयों, क्या अंजीर पेड़ में जैतून," - "लग सकते हैं?" - "नहीं सकता"

"इस वाक्य का पहला शब्द यूनानी भाषा में नकारात्मक है जिसका उपयोग अभिकथन को ऐसे प्रश्न रूप में परिवर्तित करने में किया जा सकता है जिससे नकारात्मक उत्तर की अपेक्षा की जाए| ULT में इसका संकेत, ""होता है क्या?"" जोड़कर दिया गया है| आपकी भाषा में अन्य रूप होंगे जिनके द्वारा नकारात्मक उत्तर पाने की अपेक्षा की जाती है, उदाहरणार्थ, सकारात्मक वाक्य के शब्द क्रम को बदल कर| वैकल्पिक अनुवाद: 'क्या अंजीर का वृक्ष जैतून उत्पन्न कर सकता है""\n

देखें: दोहरे नकारात्मक

याकूब 3:12 (#1)

"मेरे भाइयों, क्या अंजीर पेड़ में जैतून," - "लग सकते हैं?" - "नहीं सकता"

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को कथन

रूप में अनुवाद आकर असकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अंजीर का वृक्ष जैतून उत्पन्न नहीं कर सकता है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 3:12 (#2)

"मेरे भाइयों, क्या अंजीर पेड़ में जैतून," - "लग सकते हैं?" - "नहीं सकता"

"**अंजीर का वृक्ष** छोटे-छोटे मीठे फल देने वाला वृक्ष है| **जैतून** भी वृक्ष में लगने वाले फल हैं परन्तु वे तेल के होते हैं और चरपरे होते हैं| यदि आपके पाठक इन फलों से अनभिज्ञ हों तो आप दो प्रकार के एनी विपरीत फलों का उदाहरण दे सकते हैं या सामान्य अभिव्यक्ति काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद (कथन रूप में): ""कोई वृक्ष ऐसे फल उत्पन्न नहीं कर सकता जो किसी और वृक्ष के हैं""\n

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

याकूब 3:12 (#2)

"मेरे भाइयों"

"देखें कि आपने 1:2 में **भाइयों** शब्द का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासियों""\n

याकूब 3:12 (#3)

"या दाख की लता में अंजीर"

"याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता है जो अनेक भाषाओं में वाक्य पूर्ति हेतु आवश्यक होते हैं| इन शब्दों को वाक्य के आरम्भ से लिया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""या अंगूर की लता क्या अंजीर उत्पन्न कर सकती है"" \n

देखें: विराम बिंदु

याकूब 3:12 (#3)

"या दाख की लता में अंजीर"

"याकूब शिक्षा देने हेतु प्रश्न का उपयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों का अनुवाद अभिकथन रूप में कर सकते हैं,यदि आपने इस वाक्य के आरंभिक भाग में प्रश्न का अनुवाद अभिकथन रूप में किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अंगूर की लता से अंजीर उत्पन्न नहीं होते हैं"" \n

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 3:12 (#4)

"या दाख की लता में अंजीर"

"**दाख की लता** लकड़ी की बेला होती है जिसमें छोटे-छोटे रसीले फल लगते हैं| यह फल **अंजीर** के फल से सर्वथा भिन्न होता है| यदि आपके पाठक इन फलों से अनभिज्ञ हैं तो आप उदाहरण के लिए एनी दो प्रकार के फलों के नाम ले सकते है जो परस्पर विषमता में हों या आप कोई सामान्य अभिव्यक्ति काम में ले सकते हैं| यदि आपने इस पद में पहले भी सामान्य अभिव्यक्ति काम में ली है तो आप उसको यहाँ दोहरा सकते हैं और बलाघात हेतु एक नया वाक्य बना सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""नहीं कोई भी वृक्ष ऐसा नहीं कर सकता है""\n

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

याकूब 3:12 (#5)

"खारे सोते से मीठा पानी"

"याकूब वचनों के उच्चारण के विषय में अपनी शिक्षा के एक अंतिम उदाहरण के साथ यहाँ समापन करता है| इस उदाहरण के बाद इस पद में और पूर्वोक्त पद में याकूब द्वारा दिए गए सब उदाहरणों का पुनरवलोकन सहायक सिद्ध होगा, जैसा UST में है| \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 3:12 (#6)

"खारे सोते से मीठा पानी"

"याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता है जो अन्य अनेक भाषाओं में वाक्य पूर्ति हेतु आवश्यक होते हैं| इन शब्दों को पद के आरम्भ से लिया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और खारा जल देने वाला साधन मीठा जल नहीं दे सकता है""\n

देखें: विराम बिंदु

याकूब 3:12 (#7)

"खारे सोते से"

"याकूब विशेषण शब्द, **खारे** का प्रयोग संज्ञा रूप में करता है| क्योंकि याकूब एक ऐसे साधन का उल्लेख करता है जो **पानी** देता या **निकालता** है, अतः अति संभव है कि वह सोते के विषय कह रहा है|आपकी भाषा में विशाषणों का ऐसा उपयोग होगा| यदि नहीं, तो आप इसका अनुवाद एक

समानार्थक अभिव्यकि द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""खारे पानी का सोता"" \n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 3:13 (#1)

"तुम में ज्ञानवान और समझदार कौन ऐसा हो"

"याकूब जानकारी नहीं खोज रहा है| वह प्रश्न पूछ कर किसी परिस्थिति विशेष पर बल देता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद शर्त्वाचक वाक्य में भी कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम में कोई बुद्धिमान और समझदार हो तो वाद प्रकट करे""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 3:13 (#1)

"ज्ञानवान और समझदार" - "ऐसा"

"**ज्ञानवान** और **समझदार** शब्दों के अर्थ एक ही हैं| याकूब इनका संयुक्त उपयोग बलाघात हेतु करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इनका अनुवाद एक अभिव्यक्ति में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वास्तव में बुद्धिमान""\n

देखें: युग्म

याकूब 3:13 (#2)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **कामों** , **अच्छे चाल-चलन** , **नम्रता** और **ज्ञान** में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने अच्छे आचरण द्वारा और एक ज्ञानवान मनुष्य के लिए आवश्यक विनम्रता द्वारा उसे दिखाने दो की वह परमेश्वर की इच्छा को पूरी करता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:13 (#2)

"नम्रता" - "ज्ञान से उत्पन्न होती"

"याकूब अधिकार सूचक रूप के उपयोग द्वारा **नम्रता** का वर्णन करता है जो **ज्ञान** की उपज है| वैकल्पिक अनुवाद: ""ज्ञान से उत्पन्न नम्रता में"" या ""ज्ञानवान होने के परिणामस्वरूप उत्पन्न नम्रता के साथ""\n

देखें: स्वामित्व

याकूब 3:14 (#1)

"तुम अपने-मन में कड़वी ईर्ष्या और स्वार्थ रखते हो"

"याकूब **मन** का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जो विचारों और भावनाओं का प्रतीक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम में कडवाहट भरी ईर्ष्या और अभिलाषी विचार एवं भावनाएं हैं"" \n

देखें: रूपक

याकूब 3:14 (#1)

"पर यदि तुम अपने-मन में कड़वी ईर्ष्या और स्वार्थ रखते हो"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **कडवी डाह** और **घमंड** का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों द्वारा कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने मन में तुम अन्यों की संपदा से ईर्ष्या करते हो और सबसे अधिक सफल होना की लालसा करते हो""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 3:14 (#2)

"तुम अपने-मन"

"इस पद में **तुम** और **तुम्हारे** शब्द बहुवचन में हैं, यदि आप अपने अनुवाद में इस रूपक, **मन** को रखते हैं तो इस शब्द का बहुवचन काम में लेना आपकी भाषा में अधिक प्रायोगिक होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे मानों में"""

याकूब 3:14 (#3)

"न और सत्य विरुद्ध झूठ बोलना"

"क्योंकि याकूब पूर्वोक्त पद में कहता है कि जो मनुष्य वास्तव में ज्ञानवान है, वह नम्र होगा, परन्तु यहाँ वह कह रहा है, यदि कोई यह दवा करता है कि वह ज्ञानवान हैपरान्तु वह ईर्ष्यालु और अभिलाषी है तो वह सिद्ध करता है कि वह वास्तव में ज्ञानवान नहीं है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तो डींग न मारो कि तुम ज्ञानवान हो क्योंकि यह सच नहीं होगा""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 3:14 (#2)

"न और सत्य विरुद्ध झूठ बोलना"

"यदि आपकी भाषामें स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **सत्य** में निहित विचार का अनुवाद विशेषण शब्द, ""सच** से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो सच न हो वह झूठ बोलते""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:14 (#4)

"सत्य विरुद्ध झूठ बोलना"

"आपकी भाषा में ऐसा प्रतीत होगा कि यह वाक्यांश अनावश्यक अतिरिक्त जानकारी देता है| यदि ऐसा है तो आप इसके अर्थ को भिन्न रूप में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसी बातें कहते हो जो सत्य नहीं हैं""\n

देखें: Making अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी Explicit

याकूब 3:15 (#1)

"यह"

"**यह** शब्द **कडवी डाह और विरोध** के सन्दर्भ में है जिसका वर्णन याकूब पूर्वोक्त पद में करता है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका वर्णन सविस्तार कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह कड़वी ईर्ष्या और अभिलाषा""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 3:15 (#2)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, **ज्ञान** में निहितं विचार का अनुवाद ""बुद्धिमानी"" जैसे विशेषण से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""बुद्धिमानी की जीवन शैली""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:15 (#1)

"यह ज्ञान वह नहीं, जो ऊपर से उतरता है"

"याकूब कहता है, **ऊपर से** अर्थात, ""स्वर्ग से"", यह एक स्थानिक रूपक है जिसका अर्थ है,""परमेश्वर से"" वैकल्पिक अनुवाद: ""जो परमेश्वर से आता है"" या ""जिसकी शिक्षा परमेश्वर देता है""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 3:15 (#3)

"सांसारिक, और"

"**सांसारिक** शब्द उन लोगों की मान्यताओं और आचारण के सन्दर्भ में है जो परमेश्वर का सम्मान नहीं करते हैं| याकूब इस शब्द का उपयोग उस जीवन शैली के विचार-साचारी से करता है जो ऐसे लोगों के सांसारिक जीवन की है| ऐसे लोग स्वर्गिक चरित्र की मान्यताओं और आचरण को कुछ नहीं समझते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के लिए सम्मान का कारन नहीं है""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 3:15 (#4)

"शारीरिक, और"

"याकूब मानुष के एक पक्ष, शारीरिक का उपयोग दुसरे पक्ष, आत्मा की विषमता में करता है जिससे उसके कहने का अर्थ है, ""अस्वर्गिक|"" इसका भावार्थ हो सकता है, ऐसे आचरण में आत्मिक बातों का कोई स्थान नहीं है या यह पवित्र आत्मा प्रदत्त नहीं है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अस्वर्गिक""\n

याकूब 3:15 (#5)

"शैतानी है"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""शैतान से"" या ""शैतान के स्वभाव के सदृश्य"""

याकूब 3:16 (#1)

"इसलिए कि"

"याकूब पूर्वोक्त पद में कहे गए कथन का कारण दे रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह स्पष्ट है कि यह ईश्वरीय ज्ञान नहीं है क्योंकि""\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 3:16 (#1)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **डाह** , **विरोध** और **बखेड़ा** में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि जब मनुष्य ईर्ष्यालू और आकांक्षी होता है तो वह उलट-फेर और दुराचार परवान हो जाता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:16 (#3)

"हर प्रकार का दुष्कर्म भी होता है"

"यहाँ **हर प्रकार** बलाघात हेतु सामान्यकरण है| वैकल्पिक अनुवाद: ""नाना प्रकार के कुकर्म""\n

याकूब 3:17 (#1)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द, ज्ञान** में निहित विचार का अनुवाद ""बुद्धिमता"" जैसे विशेषण से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""बुद्धिमतापूर्ण जीवन शैली""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:17 (#2)

"वह पहले तो पवित्र है"

"देखें कि आपने इसका अनुवाद 3:15 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो परमेश्वर से आता है"" या जिसकी शिक्षा परमेश्वर देता है""\n

याकूब 3:17 (#3)

"दया, अच्छे फलों से लदा हुआ और"

"परमेश्वर से प्राप्त बुद्धि के परिणाम स्वारूप मनुष्य अन्यों के लिए जो दया के काम करते हैं उनके लिए याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है, *अच्छे फलों से लदा हुआ** वैकल्पिक अनुवाद: ""भले काम""

देखें: रूपक

याकूब 3:17 (#4)

""

"वैकल्पिक अनुवाद: ""पाखण्ड रहित"" या ""शुचिता"" या ""सत्यप्रिय*"

याकूब 3:18 (#1)

"मिलाप करानेवालों के धार्मिकता का फल शान्ति के साथ बोया जाता है"

"**मिलाप कराने वाले** याकूब की लाक्षणिक भाषा में मानो बीज बने वाले हों और धार्मिकता मानो **फल** हो जो उन बीजों से उत्पान हों| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो शांतिपूर्वक शांति प्रसारित करते हैं वे धार्मिकता उत्पन्न करते हैं""

देखें: रूपक

याकूब 3:18 (#2)

"मिलाप करानेवालों"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **धार्मिकता** और **मेल-मिलाप** में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो जो मनुष्यों के परस्पर शान्ति के जीवन के निमित्त शांतिपूर्वक क्रियाशील रहते हैं वे वास्तव में मनुष्यों की सहायता करते हैं कि उचित जीवन जीएं""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 3:18 (#1)

"मिलाप करानेवालों के धार्मिकता का फल शान्ति के साथ बोया जाता है"

"यदि आप बोने के रूपक को रखते हैं तो आप इसको कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त कर सकते हैं, यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो शांति बनाए रखते हैं, वे शान्ति में ही धार्मिकता का फल बोते हैं"" \n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 4:1 (#2)

"तुम में लड़ाइयाँ और झगड़े कहाँ से आते है"

"याकूब **लड़ाइयां** और **झगड़े** शब्दों को लाक्षणिक भाषा में काम में लेता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे मध्य लड़ाइयां और झगड़े किस बात से उत्पन्न हो गए हैं""\n

देखें: रूपक

याकूब 4:1 (#4)

"क्या उन सुख-विलासों से नहीं जो तुम्हारे लड़ते-भिड़ते"

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न काम में लेता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों का नौवाद कथन रूप में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं तुमको बताता हूँ कि तुम्हारे मध्य कलह और मतभेद का कारण कैसे उत्पन्न होता है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 4:1 (#3)

""

"**लडाइयां** और **झगड़े** इन शब्दों के अर्थ एक ही हैं| याकूब इन दोनों का प्रयोग बलाघात के लिए करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इनका अनुवाद एक ही अभिव्यक्ति में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद (कथन रूप में): ""मैं तुको बताता हूँ की तुम्हारे मध्य अनवरत कलह का जो कारण है वह कैसे उत्पन्न होता है""

देखें: युग्म

याकूब 4:1 (#3)

"क्या उन सुख-विलासों से नहीं जो तुम्हारे लड़ते-भिड़ते"

"याकूब प्रश्न को शिक्षण साधन स्वरुप काम में लेता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को अभिकथन रूप में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे उत्पान होते हैं, तुम्हारी अभिलाषाओं से जो तुम्हारे अंगों में लड़ती हैं""\n

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 4:1 (#6)

"जो तुम्हारे"

"जैसा 3:6 में है, **अंगों** का अर्थ है,""देह के अंग|"" इसका अर्थ हो सकता है: (1) **तुम्हारे अंगों में** इस उक्ति द्वारा उस लालसा के स्थान का संकेत मिलता है जिसका वर्णन याकूब करता है| उसके कहने का अर्थ हो सकता है कि समुदाय के सदस्यों में जो जगड़े दिखाई देते हैं उनका मूल उनकी आंतरिक लालसाओं में है जिनकी प्राप्ति के लिए उनमें झगड़े होते हैं, जैसा वह अगले पद में स्पष्ट करता है| यदि ऐसा है तो वह देह के अंगों का लाक्षणिक उपयोग करता है कि मानुष के विचारों और भावनाओं का सन्दर्भ दे| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे मन की लालसा तुम्हे लड़ने के लिए विवश करती है"" (2) जिस शब्द का अनुवाद **में** किया गया है उसका अर्थ ""मध्य** हो सकता है| इस प्रकार इसका भावार्थ होगा की मनुष्य के एक अंग के बाद दूसरा अंग **लालसाओं** के झगड़ों से घिरा हुआ है जो सम्पूर्ण मनुष्य को नियंत्रित करना चाहती हैं| क्योंकि **लालसाएं**मनुष्य के अभौतिक पक्ष, जैसे उसकी इच्छा और मान्यताओं पर नियंत्रण कर रही होती हैं तो याकूब अपने अभिप्राय को स्पष्ट करने के लिए शरीर के अंगों का लाक्षणिक प्रयोग कर रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारी लालसाएं जो तुम पर वशवर्ती होने के लिए संघर्षरत रहती हैं"" (3) याकूब विश्वासियों के समुदाय के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता प्रतीत होता है की जैसे वह एक देह हो और उसके सदस्य देह के अंग हों| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हाई लालसाएं जो एनी विश्वासियों के मध्य झगडे करती हैं"" \n

याकूब 4:1 (#5)

"क्या उन सुख-विलासों से नहीं जो तुम्हारे लड़ते-भिड़ते"

"पिछली टिप्पणी में जितने भी विषयों पर परिचर्चा की गई है,उन सब में याकूब लाक्षणिक भाषा में **अभिलाषाओं** के लिए इस प्रकार कहता है कि जैसे वे जीवित वास्तें हों जो **लडती-भिड़ती** हैं| वैकल्पिक अनुवाद: (1) ""तुम्हारे मन में लालसाएं हैं जो पूर्ति हेतु तुम्हे लड़ने के लिए उकसाती हैं"" (2) ""तुम्हारे मन की लालसाएं अपनी तृष्णा पूर्ति हेतु कुछ वस्तुओं को महत्त्व देती है और चुन लेती हैं"" या (3) ""तुम्हे लालसाओं के कारण ही तुम एनी विश्वासियों से लड़ते हो""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 4:2 (#1)

"तुम लालसा रखते हो, और मिलता नहीं; हत्या और डाह करते हो, और कुछ प्राप्त" - "सकते;" - "नहीं"

"इन दोनों वाक्यों में याकूब उस शब्द को काम में लेता है जिसका अनुवाद **और** किया गया है, इसके द्वारा वह प्रथम उपवाक्य और द्वितीय उपवाक्य में विषमता का समावेश कराता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम लालच तो करते हो परन्तु पाते नहीं, तुम हत्या करते और ईर्ष्या करते हो परन्तु प्राप्त नहीं कर पाते हो""\n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 4:2 (#2)

"तुम लालसा रखते हो, और मिलता नहीं; हत्या और डाह करते हो, और कुछ प्राप्त" - "सकते;" - "नहीं"

"आपकी भाषा में आवश्यक होगा कि **मिलता** और **प्राप्त करने** की वस्तुओं को स्पष्ट करें| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम लालच तो करते हो परन्तु लालच की गई वस्तु तुम्हे मिलती नहीं है| तुम हत्या करते हो और ईर्ष्या करते हो परन्तु तुमको इर्ष्या की हुई वस्तु प्राप्त नहीं होती है"""

याकूब 4:2 (#3)

"तुम लालसा रखते हो, और मिलता नहीं; हत्या और डाह करते हो, और कुछ प्राप्त" - "सकते;" - "नहीं"

"इन दो वाक्यों के अर्थ एक ही हैं| याकूब बलाघात हेतु इनका संयुक्त उपयोग करता है| यदि आपकी भाषा में सपष्ट हो सके तो आप इनको जोड़ सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम अन्य मानुष्यों की संपदा को किसी भी कीमत पर प्राप्त करना चाहते हो परन्तु तुम उसको प्राप्त नहीं कर सकते हो"" \n

देखें: समांतरता

याकूब 4:2 (#1)

"हत्या और डाह करते हो, और कुछ प्राप्त" - "सकते;" - "नहीं"

"हो ससकता है कि याकूब **हत्या** शब्द का यथार्थ प्रयोग नहीं करता है| अपेक्षाकृत इसके अर्थ हो सकते हैं: (1) याकूब इस शब्द का प्रयोग लाक्षणिक और आत्मिक परिप्रेक्य में करता है कि ""घृणा"" का भाव प्रकट हो| इस उपयोग द्वारा यीशु और प्रेरितों की शिक्षाओं का प्रकाशन होता है| यीशु ने कहा था कि ""हत्या मत कर"" का प्रसंग क्रोध करने तथा मनुष्य का अपमान करने से भी है| (मत्ती 5:21–22). प्रेरित यूहन्ना ने लिखा है, ""जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह हत्यारा है"" (1 यूहन्ना 3:15). वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम घृणा और इर्ष्या करते हो"" (2) हो सकता है कि याकूब किसी ऐसे मनुष्य का वर्णन करता है जो किसी वास्तु की ऐसे लालसा करता है किउसको पाने के लिए वह हत्या भी कर सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम हत्या करने की सीमा तक ईर्ष्या करते हो""

देखें: अतिशयोक्ति

याकूब 4:2 (#4)

"हत्या और डाह करते हो"

"याकूब एक ही विचार को व्यक्त करने के लिए **और** शब्द से संयोजित दो सहब्दों का प्रयोग करता है| **हत्या** शब्द वर्णन करता है कि उसके पाठक अन्यों की संपदा से कैसा **डाह** करते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: (1) ""तुम घृणा के साथ ईर्ष्या करते हो"" (2) ""तुम्हारी ईर्ष्या में हत्या करने की मानसिकता है""\n

देखें: हेंडियाडिस

याकूब 4:2 (#5)

"झगड़ते और लड़ते हो"

"जैसा 4:1 में है, याकूब लाक्षणिक भाषा में **लड़ाइयाँ** और **झगड़े** जैसे शब्दों का उपयोग करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे मध्य कलह है और हितों की टक्कर है""\n

देखें: रूपक

याकूब 4:2 (#2)

"झगड़ते और लड़ते हो"

"**झगड़ते** और **लड़ते** इन शब्दों के अर्थ एक ही हैं| याकूब बलाघात हेतु इनका संयुक प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इनका अनुवाद एक ही अभिव्यक्ति में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे मध्य लगातार झगडे होते रहते हैं""

देखें: युग्म

याकूब 4:2 (#6)

"नहीं" - "तुम्हें नहीं कि माँगते"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसके अर्थ अधिक पूर्णता में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमको अपनी मनोवांछित वस्तु नहीं मिलती है क्योंकि तुम परमेश्वर से नहीं मांगते हो""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 4:3 (#1)

"तुम माँगते हो और पाते नहीं"

"याकूब अनुवादित शब्द **और** के उपयोग द्वारा इन दो उपवाक्यों में विशंता दर्शाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम मांगते तो हो परन्तु तुमको मिलता नहीं है""\n

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

याकूब 4:3 (#1)

"बुरी" - "माँगते हो"

"याकूब के कहने का अर्थ यह नहीं कि उसके पाठक अनुचितं रीति से प्रार्थना करते हैं| उसके कहने का अर्थ है कि वे अनुचित कारण से प्रार्थना करते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: "" तुम अनुचित कारण से प्रार्थना करते हो""""

याकूब 4:3 (#2)

"से" - "ताकि अपने भोग विलास में उड़ा दो"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है कि उसके पाठकों को जो मिलता है उसको वे भोग-विलास में उड़ा देते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""कि तुम अपनी पापी अभिलाषाओं को संतुष्ट कर सको""\nदेखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])"

देखें: रूपक

याकूब 4:4 (#1)

"व्यभिचारिणियों"

"याकूब अपने पाठकों से परिचर्चा में संबोधन कारक का उपयोग करता है| यदि ???पकी भाषा में संबोधन कारक है तो उसका यहाँ उपयोग करना उचित होगा| यदि नहीं तो आप इसके अर्थ को किसी और रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में प्रायोगिक हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""यौम व्यभिचारिनियों""""

याकूब 4:4 (#1)

"व्यभिचारिणियों"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में अपने पाठकों को विवाहित स्त्रियों के सदृश्य व्यक्त करता है जो अपने अपने पति की अपेक्षा अन्य पुरुषों से शारीरिक सम्बन्ध बनाती हैं| यह रूपक बाईबल में अनेक स्थानों में काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात करने के लिए है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम परमेश्वर के निष्ठावान नहीं हो""\n

देखें: रूपक

याकूब 4:4 (#2)

""

"याकूब शिक्षण साधन हेतु प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों का अनुवाद कथन रूप में या विस्मय बोधक वाक्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम निश्चय ही जानते हो कि संसार से लगाव रखना परमेश्वर से बैर रखना है""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 4:4 (#2)

"संसार मित्रता करनी परमेश्वर से बैर करना है?" - "का"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **मित्रता** और **बैर** में निहित विचारों को वस्तुवाचक संज्ञा शब्दों, ""मित्र"" और ""बैरी"" द्वारा अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम संसार के मित्र हो तो तुम परमेश्वर के बैरी हो""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 4:4 (#3)

"संसार मित्रता करनी" - "से"

"जैसा 1:27 में है,याकूब **संसार** शब्द का प्रयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जिसका अर्थ है, परमेश्वर को मान-सम्मान नहीं देने वाले मनुष्यों के सिद्धांतों की प्रणाली| वैकल्पिक अनुवाद: ""पर्मेश्वर विरोधी सिद्धांतों की प्रणाली से मेल रखना""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 4:4 (#4)

"संसार मित्रता करनी" - "से"

"याकूब इस परमेश्वर विरोधी सिद्धांत तंत्र के विषय में लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह कोई मनुष्य हो जिसके साथ मित्रता की जा सकती हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर विरोधी सिद्धांत तंत्र के अनुसार जीवन निर्वाह करना""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 4:4 (#5)

"संसार मित्रता करनी परमेश्वर से बैर करना है?" - "का"

"संभवतः याकूब नहीं मानता है कि उसके पाठक परमेश्वर के कट्टर विरोधी हो गए हैं| वह **बैर** शब्द का लाक्षणिक प्रयोग करता ह⍰⍰ कि स्पष्ट कर सके कि सांसारिक सिद्धांतों का तंत्र परमेश्वर की इच्छा अनुरूप मनुष्य की जीवन शैली का कैसा विरोधी है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध है""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 4:4 (#3)

"संसार" - "मित्र" - "का"

"देखें कि आपने इस पद के आरम्भ में **संसार** शब्द का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर विरोधी सिद्धांत तंत्र के मित्र होना""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 4:4 (#4)

"संसार" - "मित्र" - "का"

"याकूब पुनः परमेश्वर विरोधी सिद्धांत तंत्र के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह कोई मनुष्य हो जिसके साथ कोई मित्रता कर सके| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर विरोधी सिद्धांत तंत्र के अनुसार जीवन जीना""\n

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 4:4 (#5)

"बनाता है"

"यदि आपकी भाषा में सपष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""स्वयं को करता है""\n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 4:4 (#6)

"वह" - "परमेश्वर" - "बैरी"

"देखें कि आपने इस पद के आरम्भ में इसी प्रकार की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई मनुष्य परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध जीवन शैली रखता है""\n

देखें: रूपक

याकूब 4:5 (#1)

"पवित्रशास्त्र व्यर्थ कहता है? "जिस"

"याकूब शिक्षण साधन हेतु इस प्रश्न का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों को कथन रूप में अनुवाद कर सकते हैं| (इस प्रकरण में **व्यर्थ** शब्द का अर्थ है, ""उचित युक्ति हेतु नहीं"", ""विचित्र कल्पना के रूप में नहीं"") वैकल्पिक अनुवाद: ""युक्ति उचित है कि पवित्र शास्त्र क्यों कहता है"" \n(See: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-rquestion]])"

याकूब 4:5 (#1)

"पवित्रशास्त्र" - "कहता है? "जिस"

"याकूब बाईबल की सामान्य शिक्षा का आख्यान करता है न कि किसी विशिष्ट गद्यांश का सन्दर्भ देता है| ऐसी स्थिति में आपकी भाषा में एकवचन की अपेक्षा बहुवचन काम में लिया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""धर्मशास्त्र कहता है"""

याकूब 4:5 (#2)

"पवित्रशास्त्र" - "कहता है? "जिस"

"याकूब बाईबल के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह अपने आप बात कर सकती हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""धर्मशास्त्र में लिखा है"" या ""हम धर्मशास्त्र में पढ़ते हैं""\n

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 4:5 (#2)

"आत्मा को हमारे भीतर बसाया है," - "जिसका"

"इसके अर्थ हो सकते हैं: (1) **आत्मा** शब्द से अभिप्राय पवत्र आत्मा हो सकता है जो **लालसा**करने का कर्ता है| आत्मा द्वारा ईर्ष्या करने का विचार पिछले पद के व्यभिचार रूपक के साथ समन्वय में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने हम में जिस आत्मा को अवस्थित किया है वह लालसा करता है कि हम परमेश्वर के निमित्त विश्वासयोग्य जीवन जीएं"" (2) **आत्मा**

शब्द का अभिप्राय पवित्र आत्मा हो सकता है जो **लालसा** का कर्ता हो सकता है, इस स्थिति में परमेश्वर उस क्रिया का कर्ता होगा| यह कथन भी व्यभिचार के रूपक से समन्वय में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर की लालसा जलनपूर्ण है कि हम उस आत्मा के अनुसार जीवन जीएं जिसको उसने हमारे भीतर अवस्थित किया है"" (3) इसका सन्दर्भ संभवतः मनुष्य की आत्मा से हो सकता है, इस स्थिति में यह कथन \n4:2 में कहे गए याकूब के वचनों का पुनरावलोकन होगा: मनुष्य की लालसा और ईर्ष्या सम्बंधित| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिस आत्मा को परमेश्वर ने हमारे भीतर अवस्थित किया है वह उन वस्तुओं की लालसा करता है जो नहीं हैं"""

याकूब 4:5 (#3)

"हमारे भीतर बसाया है," - "जिसका"

"इस सम्पूर्ण वाक्य की व्याख्या कुछ भी हो, इस उपवाक्य में सर्वनामशब्द, **वह** परमेश्वर के सन्दर्भ में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसको परमेश्वर ने हम में अन्तर्वासी किया है""\n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 4:6 (#1)

""

"वह पिछले पद में जो कहता है उसके प्रकाश में देखा जाए तो याकूब किसी काम के लिए परमेश्वर से की जाने वाली अपेक्षा और परमेश्वर द्वारा वास्तव में किए जाने वाले काम में विषमता दर्शा रहा है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इस विषमता को और भी अधिक स्पष्ट कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु परमेश्वर यद्यपि, संसार के साथ हमारी मित्रता के विषय जलन रखता है, वह हमें त्याग नहीं देता है| इसकी अपेक्षा वह हमें और भी अधिक अनुग्रह प्रदान करता है कि हम उससे मित्रता करें""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 4:6 (#1)

"और अनुग्रह देता है"

"सर्वनाम शब्द, **वह** परमेश्वर के सन्दर्भ में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु परमेश्वर और भी अधिक अनुग्रह प्रदान करता है""\n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 4:6 (#2)

"अनुग्रह"

"तुलना रूप, **और भी** का सन्दर्भ आकार से नहीं, मात्रा से है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और भी अधिक अनुग्रह"""

याकूब 4:6 (#2)

""

"यह सर्वनाम, **यह** धर्मशास्त्र के सन्दर्भ में है, पिछले पद का पूर्ववर्ती है| यद्यपि, याकूब अब सामान्य शिक्षा की अपेक्षा एक निश्चित बाईबल अंश, \n नीतिवच 3:34, का उद्धरण देता है जिसका सन्दर्भ सम्पूर्ण बाईबल से है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस कारण धर्मशास्त्र कहता है"" या ""इस कारण धर्मशास्त्रों में कहा गया है"" \n

याकूब 4:6 (#3)

"यह लिखा है"

"याकूब बाईबल के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह अपने आप बात कर सकती हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""धर्मशास्त्र में लिखा है"" या ""हम धर्मशास्त्र में पढ़ सकते हैं""\n

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 4:6 (#3)

"अभिमानियों से"

"याकूब **अभिमानियों** और **दीनों** का उपयोग संज्ञा रूप में करता है कि दो प्रकार के मनुष्यों का सन्दर्भ दे| आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग हो सकता है\ यदि नहीं तो आप इनका अनुवाद समानार्थान अभिव्यक्तियों से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""घमंडी मनुष्य ... दीन मनुष्य""

देखें: नाम विशेषण

याकूब 4:7 (#2)

"परमेश्वर के अधीन हो जाओ"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""इसलिए अधीनता स्वीकार कर लो""\n

याकूब 4:7 (#1)

"इसलिए" - "अधीन हो जाओ"

"याकूब पिछले पद में वर्णन किए गए परिणाम का कारण देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि परमेश्वर दीन मनुष्य को अनुग्रह प्रदान करता है इसलिए अधीन रहो"" या ""क्योंकि परमेश्वर दीन मनुष्य को अनुग्रह प्रदान करता है इसलिए अधीनता स्वीकार करो""\n

याकूब 4:7 (#1)

"और शैतान का सामना करो तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा"

"याकूब इस अनुवादित शब्द,**और** के उपयोग द्वारा परिणाम दर्शाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु शैतान का विरोध करो| यदि तुम करोगे तो वह तुम्हारे पास से भाग जाएगा""\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 4:7 (#3)

"शैतान का सामना करो"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""संकल्प कर लो कि शैतान की इच्छा के काम नहीं करने हैं"""

याकूब 4:7 (#4)

"भाग निकलेगा"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में कह रहा है कि जैसे विश्वासी परमेश्वर के अधीन होकर शैतान का विरोध करे तो वह उसके पास से भाग जाएगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह तुम्हे अपनी इच्छा पूर्ति हेतु विवेश करना छोड़ देगा""\n

याकूब 4:8 (#1)

"परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा"

"याकूब इस अनुवादित शब्द, **और** के द्वारा परिणाम का वर्णन करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम परमेश्वर के निकट आओगे तो वह तुम्हारे निकट आएगा""\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 4:8 (#2)

"परमेश्वर के निकट आओ, तो वह"

"याकूब दो मनुष्यों के अच्छे संबंधों के लिए स्थानिक रूपक का उपयोग करता है जैसे कि वे एक दुसरे के **निकट** हों| वैकल्पिक अनुवाद: ""अपना उत्तरदायित्व पूरा करो कि परमेश्वर के साथ अच्छे सम्बन्ध में हो जाओ और तुम देखोगे कि परमेश्वर भी तुम्हारे साथ अच्छे संबंद बनाना चाहता है""

देखें: रूपक

याकूब 4:8 (#2)

"हाथ शुद्ध करो"

"याकूब हाथों को धोने की उपमा के द्वारा उस मनुष्य का वर्णन करता है जो अपने जीवन से पाप का निवारण करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""पाप करना त्याग दो""\n

देखें: रूपक

याकूब 4:8 (#4)

""

"याकूब **हाथ** शब्द को लाक्षणिक भाषा में प्रयोग करता है जिसका अर्थ है,कार्य विचार-साहचर्य से, किसी काम के लिए मनुष्यों द्वारा हाथों को काम में लेने की विधि| वैकल्पिक अनुवाद: ""अनुचित कामों को करना त्याग दो""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 4:8 (#3)

"हे पापियों"

"याकूब अपने पाठकों से आख्यान करते समय संबोधन कारक का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में संबोधन कारक है तो यहाँ उसका प्रयोग करना उचित होगा| यदि नहीं तो आप इसके अर्थ का अनुवाद किसी और रूप में कर सकते हैं जो आपकी भाषा में प्रायोगिक हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम पापियों"""

याकूब 4:8 (#4)

"हृदय को पवित्र करो"

"याकूब **हृदय** शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता है जिसका अभिप्राय है,विचार और अभिलाषाएं| वैकल्पिक

अनुवाद: ""अपने विचारों को और अभिलाषाओं को शुद्ध करो""\n

देखें: रूपक

याकूब 4:8 (#5)

""

"**शुद्ध** शब्द सांस्कारिक शोधन के सन्दर्भ में है जब वह धार्मिक कृत्यों में सहभागी होता है| याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है कि जैसे उसके पाठकों के **हृदय** इस प्रकार शुद्ध हो जाएं| वैकल्पिक अनुवाद: ""सुनिश्चित करो कि तुम न तो अनुचित विचार मन में लाते हो और न ही अनुचित लालसा करते हो""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 4:8 (#5)

"हे दुचित्ते लोगों"

"याकूब **दुचित्ते** शब्द का प्रयोग संज्ञा रूप में करता है कि एक प्रकार के मनुष्य का संदर्भ दे| आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा|यदि नहीं तो आप इसका अनुवाद एक समानार्थक वाक्यांश द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अस्थिरचित मनुष्यों""\n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 4:8 (#6)

"हे दुचित्ते लोगों"

"याकूब अपने पाठकों से आख्यान करते समय सबोधन कारक काम में लेता है| यदि आपकी भाषा में संबोधन कारक है तो उसका यहाँ उपयोग करना उचित होगा| यदि नहीं तो आप इसके अर्थ को किसी और रूप में व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में प्रायोगिक हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम अश्तिर्चित लोगों"""

याकूब 4:8 (#6)

"हे दुचित्ते लोगों"

"देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:8 में कैसे किया है| याकूब अपने पाठकों के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे उनके पास दो मन हों, एक मन से एक काम करने का निर्णय लेते हों और दुसरे मन किसी और काम को करने

का निर्णय लेते हों| वैकल्पिक अनुवाद: ""तू लोग निर्णय नहीं ले सकते कि परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करें या न करें""

देखें: रूपक

याकूब 4:9 (#1)

""

"इन तीन क्रिया शब्दों के अर्थ एक ही हैं| याकूब इनको एक साथ काम में लेकर इस बात पर बल देना चाहता है कि उसके पाठकों को कितना दुखी होना चाहिए| वैकल्पिक अनुवाद: ""बहुत दुःख मनाओ""

देखें: युग्म

याकूब 4:9 (#1)

"दुःखी हो, और शोक करो, और रोओ"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप स्पष्ट वर्णन कर सकते हैं कि याकूब अपने पाठकों को किस बात के लिए दुखी होने को कहता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए अत्यधिक दुःख मनाओ""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 4:9 (#2)

"तुम्हारी हँसी शोक में और आनन्द उदासी में बदल जाए"

"इस वाक्य के उत्तरार्ध में याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता है जो अनेक एनी भाषाओं में वाक्य पूर्ति हेतु आवाश्यक होते हैं| इन शब्दों को वाक्य के आरंभिक अंश से लिया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारी हँसी विलाप में बदल जाए और तुम्हारा आनंद विषाद में बदल जाए""\n

देखें: विराम बिंदु

याकूब 4:9 (#3)

"तुम्हारी हँसी शोक में और आनन्द उदासी में बदल जाए"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारी हँसी विलाप हो जाए और तुम्हारा आनंद विषद हो जाए""\n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 4:9 (#4)

"तुम्हारी हँसी शोक में और आनन्द उदासी में बदल जाए"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों, **हँसी** , **शोक** , **आनंद** और **उदासी** में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""हंसना त्याग कर दुःख मनाओ| आनंद मनाना त्याग कर विषाद में डूब जाओ"" \n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 4:9 (#2)

""

"इन दोनों उपवाक्यों के अर्थ एक ही हैं| याकूब इनका संयुक्त प्रयोग बलाघात हेतु करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इनको एक कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""लापरवाही त्याग कर सच्चा दुःख प्रकट करो""

देखें: समांतरता

याकूब 4:9 (#5)

"तुम्हारी हँसी शोक में और आनन्द उदासी में बदल जाए"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप स्पष्ट वर्णन कर सकते हैं कि याकूब अपने पाठकों से क्यों कहता है कि भुत दुःख मनाओ| वैकल्पिक अनुवाद: 'ऐसी लापरवाही का त्याग करके अपने पाप के लिए सच्चा दुःख प्रकट करो""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 4:10 (#1)

"प्रभु के सामने नम्र बनो, तो तुम्हें शिरोमणि"

"याकूब इस अनुवादित शब्द, **और** के उपयोग द्वारा परिणाम का वर्णन करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम प्रभु के समक्ष दीन बनोगे तो वह तुमको शिरोमणि बनाएगा""\n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 4:10 (#2)

"नम्र बनो"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं|म्वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने को दीन बनाओ""\n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 4:10 (#1)

"प्रभु के सामने नम्र बनो"

"**सामने** शब्द का अर्थ है, ""सम्मुख"" या ""किसी की उपस्थिति में|"" एक अर्थ में तो परमेश्वर सर्वत्र उपस्थित है, परन्तु याकूब जिन विश्वासियों को पत्र लिख रहा है वे परमेश्वर की भौतिक उपस्थिति में नहीं हैं, अतः वह इस अभिव्यक्ति को संभवतः लाक्षणिक भाषा में व्यक्त करता है| उसका सन्दर्भ उनके उस स्वभाव से है जो परमेश्वर के प्रति उनका होना चाहिए| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के प्रति तुम्हारा व्यवहार""

देखें: रूपक

याकूब 4:10 (#2)

"तुम्हें शिरोमणि"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कह रहा है कि जैसे उसके पाठक पश्चताप प्रकट करने के लिए परमेश्वर के सम्मुख दीनता पूर्वक घुटने टेकें या दंडवत करें और परमेश्वर उनको खडा करके दर्शाए कि उसने उनको ग्रहण कर लिया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह प्रकट करेगा कि उसने तुमको ग्रहण कर लिया है""

देखें: रूपक

याकूब 4:11 (#2)

"निन्दा"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""एक दुसरे के लिए बुरी बातें मत कहो"""

याकूब 4:11 (#3)

"भाइयों"

"देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासियों...एक साथी विश्वासी...उसका साथी विश्वासी""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 4:11 (#1)

"व्यवस्था निन्दा और व्यवस्था दोष लगाता"

"**व्यवस्था** से याकूब का वही अभिप्राय है जो 2:8 में ""राज व्यवस्था"" से और 1:25 और 2:12.में""स्वतंत्रता की सिद्ध व्यवस्था"" से है| उसके कहने का अर्थ है, यह आज्ञा, ""अपने पदुई से अपने सामान प्रेम रख|"" याकूब अपने पाठकों को शिक्षा दे रहा है कि कहने या मानने से कि उनके साथी विश्वासी अनुचित काम कर रहे हैं तो वे इस आज्ञा का अनुपालन नहीं करते हैं और इस आज्ञा को वे अनुसरण हेतु महत्वपूर्ण नहीं मानते हैं| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका स्पष्ट संकेत दे सकते हैं| देखें कि आपने \n 2:8 में ""पडौसी"" शब्द का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह व्यवस्था विरोधी है जिसमें कहा गया है, मनुष्यों से अपने सामान प्रेम रखें और यह व्यवस्था को महत्वहीन घोषित करता है""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 4:11 (#2)

"है, तो" - "व्यवस्था चलनेवाला नहीं"

इन दो परिस्थितियों में **तू** शब्द एकवचन में है क्योंकि, यद्यपि, याकूब एक जनसमूह को संबोधित कर रहा है, वह एकांकी परिस्थिति का वर्णन कर रहा है \n

देखें: Singular सर्वनाम that refer to Groups

याकूब 4:11 (#3)

"है," - "चलनेवाला नहीं, पर न्यायाधीश ठहरा"

"दुसरे वाक्यांश में,याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता हैजो अनेक अन्य भाषाओं में वाक्य पूर्ति हेतु आवश्यक होते हैं|इन शब्दों को प्रथम वाक्यांश से लिया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तू व्यवस्था का करने वाला नहीं, व्यवस्था का न्याय करने वाला है""\n

देखें: विराम बिंदु

याकूब 4:11 (#4)

"पर न्यायाधीश ठहरा"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप अधिक स्पष्टता में कह सकते हैं कि इसका अर्थ क्या है| देखें कि आपने ऐसे ही एक वाक्यांश का अनुवाद पिछले वाक्य के अंत में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अन्य जनों से प्रेम रखने की अपेक्षा तुम कहते हो कि उनसे प्रेम रखना महत्वपूर्ण नहीं है""\n

याकूब 4:12 (#1)

""

"वैकल्पिक अनुवाद: ""व्यवस्था देने वाला और न्यायी एक ही हैं"""

याकूब 4:12 (#1)

"जिसे बचाने और नाश करने की सामर्थ्य है"

"याकूब इस वाक्यांश का उपयोग करता है जो परमेश्वर के दो गुणों को प्रकट करता है कि **व्यवस्था देने वाला और हाकिम"" से उसका अर्थ क्या है, उसको स्पष्ट करे| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर जो उद्धार कर सकता है और नष्ट भी कर सकता है"" \n

देखें: भेद करना बनाम सूचना देना या याद दिलाना

याकूब 4:12 (#2)

"तू है, जो अपने पड़ोसी पर दोष लगाता"

"याकूब इस प्रश्न द्वारा अपने पाठकों को चुनौती देता है और शिक्षा भी देता है|यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसके शब्दों का अनुवाद कथन रूप में या विस्मय बोधक वाक्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु तुम्हे कोई अधिकार नहीं कि अपने पडौसी का न्याय करो!""\n

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 4:12 (#2)

"तू है, जो"

"बलाघात हेतु याकूब सर्वनाम शब्द,**तू** को समाहित करता है जबकि क्रिया के साथ उसकी आवश्यकता नहीं है| यदि आपकी भाषा में सामान्यतः क्रिया के साथ सर्वनाम की आवश्यकता नहीं होती है परन्तु बलाघात हेतु उनका प्रयोग किया जाता है तो आप के अनुवाद में यहाँ ऐसी रचना का उपयोग करना उचित होगा| अन्य भाषाओं में इस बलाघात को अन्य रूपों में प्रकट करती होंगी,जैसे सर्वनाम को दोहराना| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु तू कौन है""\n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 4:12 (#3)

"तू है, जो"

"पिछले पद के सदृश्य याकूब **तू** को एक वचन में काम में लेता है क्योंकि यद्यपि, वह जनसमूह को संबोधित कर रहा है, वह एकांकी परिस्थिति का वर्णन करता है।\n

देखें: Singular सर्वनाम that refer to Groups

याकूब 4:12 (#4)

"अपने पड़ोसी पर"

"देखें कि आपने ""पडौसी शब्द का अनुवाद 2:8 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अन्य मनुष्य"""

याकूब 4:13 (#1)

""

"यह एक मुहावरा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अब सुनो""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 4:13 (#2)

"जो" - "कहते हो"

"याकूब अपने पाठकों के लिए आख्यान करते समय संबोधन कारक का उपयोग करता है| यदि आपकी भाषा में संबोधन कारक है तो उसको यहाँ काम में लेना उचित होगा| यदि नहीं तो आप इके अर्थ को किसी और प्रकार व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में प्रायोगिक होगा| (यदि आप ""तू"" शब्द काम में लेते हैं तो उसको बहुवचन में होना है क्योंकि याकूब जनसमूह को संबोधित कर रहा है।) वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम जो कहते हो"""

याकूब 4:13 (#3)

"जाकर"

"ये लोग केवल अपने लिए ही कहते हैं, अतः सर्वनाम शब्द, **हम** यहाँ अनन्य रूप में है।\n

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

याकूब 4:13 (#4)

"यह" - "हम किसी" - "नगर"

"यह एक मुहावरा है| इसके अभिप्रेत अर्थ में कोई निश्चित नगर नहीं है| आपकी भाषा में इसके समतुल्य कोई मुहावरा होगा जिसका उपयोग आप यहाँ, अपने अनुवाद में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अमुक नगर""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 4:13 (#1)

"वहाँ एक वर्ष बिताएँगे"

"यह एक और मुहावरा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वहां एक वर्ष रहेंगे""

देखें: मुहावरा

याकूब 4:13 (#5)

"लाभ उठाएँगे"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""लाभ कमाएंगे"""

याकूब 4:14 (#1)

""

"याकूब इस प्रश्न के द्वारा अपने पाठकों को चुनौती देता है और उन्हें शिक्षा भी देता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप उसकी शब्दों का अनुवाद कथन रूप में या विस्मय बोधक वाक्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम नहीं जानते की कल क्या होगा, हो सकता है कि तुम कल जीवित भी न रहो""\n

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 4:14 (#2)

"तो धुंध" - "जो थोड़ी देर दिखाई देती है, फिर लोप हो जाती है"

"याकूब अपने पाठकों के लिए लाक्षणिक भाषा मेबं इस प्रकार कहता है कि जैसे वे **भाप** हों जो प्रातःकाल दिखाई देती है और सूर्योदय के बाद तुरंत विलोप हो जाती है| अपने अनुवाद में आप इस अलंकार के अर्थ का वर्णन कर सकते हैं या आप इसको एक उपमा स्वरूप प्रस्तुत कर सकते हैं, जैसा UST में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि तुम कुछ समय के लिए ही जीवित रहोगे और फिर मर जाओगे""

देखें: रूपक

याकूब 4:15 (#2)

"जीवित रहेंगे, और यह या वह काम" - "करेंगे"

"याकूब यहाँ एक ऐसी रचना का प्रयोग करता है जो दो बातों के पहले ""और"" शब्द का उपयोग करती है जो यथार्थ में दो कारक हैं, ""हम जीवित रहेंगे और हम करेंगे।"" आपकी भाषा में ऐसी रचना होगी जिसका आप यहाँ उपयोग कर सकते हैं। यदि नहीं है तो आवश्यक नहीं कि आप ""और"" की पहली रचना का अनुवाद करें जिसको ULT में **दोनों** के रूप में प्रकट किया गया है। (ULT में **दोनों** का अर्थ, ""हम दोनों "" नहीं है) वैकल्पिक अनुवाद: ""हम जीवित रहेंगे और हम करेंगे"""

याकूब 4:15 (#1)

"जीवित रहेंगे, और" - "काम भी करेंगे"

"ये लोग केवल अपने ही लिए कह रहे हैं इसलिए सर्वनाम शब्द, **हम** अनन्य रूप में है।\n

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

याकूब 4:15 (#2)

"यह या वह"

"यह एक मुहावरा है। कोई निश्चित कार्य वांछित नहीं है। आपकी भाषा में कोई तुलनात्मक मुहावरा होगा जिसका उपयोग आप अपने अनुवाद में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""अमुक""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 4:16 (#1)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञा शब्दों,**दिखावा** और **डींग** (ULT में यह शब्द दूसरी बार आता है) में निहित विचारों का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों द्वारा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम अपने कल्पनाकृत कामों के विषय गर्वोक्ति करते हो। ऐसी गर्वोक्ति सदैव ही अनुचित है"" \n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 4:17 (#1)

""

"याकूब **इसलिए** शब्द का प्रयोग करता है कि निष्कर्ष की अपेक्षा परिणाम का वर्णन करे। वह कहता है कि यदि परमेश्वर की इच्छा जाने बिना किसी काम करना अनुचित है तो यह भी अनुचित है कि परमेश्वर की इच्छा को जानते हुए भी उसके अनुरूप कामों को नहीं करना। वैकल्पिक अनुवाद: ""इससे हम यह भी समझ पाते हैं कि मनुष्य को जब पता हो कि परमेश्वर क्या चाहता है कि वह करे परन्तु वह उसको नहीं करता है तो वह पाप करता है"""

याकूब 5:1 (#1)

""

"यह एक मुहावरा है। देखें कि आपने इसका अनुवाद \n4:13में कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अब सुनो""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 5:1 (#2)

"धनवानों"

"याकूब इन लोगों से आख्यान करने में संबोधन कारक का प्रयोग करता है। यदि आपकी भाषा मेंसंबोधन कारक है तो उसका यहाँ प्रयोग करना उचित होगा। यदि नहीं तो आप इसके अर्थ को किसी और प्रकार से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में प्रायोगिक हो। (यदि आप ""तू"" शब्द को काम में लेना चाहते हैं तो उसको बहुवचन में होना है क्योंकि याकूब जनसमूह को संबोधित कर रहा है) वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम जो धनवान हो"""

याकूब 5:1 (#3)

"धनवानों"

"याकूब विशेषण शब्द,**धनवान** को संज्ञा शब्द के रूप में काम में ले रहा है की एक प्रकार के मनुष्य का सन्दर्भ दे। आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा प्रयोग होता होगा। यदि नहीं तो आप इसका अनुवाद किसी समानार्थक अभिव्यक्ति द्वारा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम लोग जो धनवान हो""\n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 5:1 (#2)

"धनवानों"

"अति संभव है कि याकूब उन विश्वासियों को सम्बोधिओत कर रहा है जी धनवान हैं, या कम से कम,वे धनवान लोग जो विश्वासियों की सभा में आते थे न कि धनवान अविश्वासियो को या सर्वनिष्ठ धनवानों को| (इस पत्र का लक्ष्य था कि इसको उन सभाओं में पढ़ा जाए और याकूब 110 में स्पष्ट करता है कि कुछ विश्वासी धनवान थे). यदि आपके पाठकों के लिए सहायक हो तो आप इसका सुस्पष्ट संकेत दे सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम धनवान विश्वासियों"" या ""तुम धनवान जनों जो कहते हो कितुम यीशु का अनुसरण करना चाहते हो""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:1 (#4)

"तुम अपने आनेवाले क्लेशों पर"

"इसी प्रकार आपकी भाषा में किसी भावी घटना को ऐसे व्यक्त किया जाए की जैसे वह **आ रही हो** . यदि नहीं हो सके तो आप इसको किसी और प्रकार से व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उन क्लेशों के कारण जिनका अनुभव तुमको शीघ्र ही होने वाला है"""

याकूब 5:1 (#3)

"तुम अपने आनेवाले क्लेशों पर"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द,**क्लेशों** का अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्ति से कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि अति शीघ्र अनेक बुरी बातें तुम पर आ पड़ेंगी""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 5:2 (#1)

""

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप 5:2 और 5:3 को पद सेतु में संयोजित कर सकते हैं| आप 5:3 के अंतिम वाक्य को पहले रख सकते हैं और उसके बाद सम्पूर्ण 5:2 तदोपरांत शेष सम्पूर्ण 5:3 को| इससे आपके लिए अनेक अनुवाद समस्याओं का समाधान हो जाएगा जिनकी चर्चा इस पद और अग्रिम पद पर की गई टिप्पणियों में विहित है|

देखें: पद पुल

याकूब 5:2 (#1)

"तुम्हारा धन बिगड़ गया और तुम्हारे वस्त्रों कीड़े खा गए"

"याकूब भावी घटनाओं को भूतकाल में व्यक्त करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप अपने अनुवाद को भविष्य काल में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारा धन सड़ जाएगा और तुम्हारे वस्त्र को कीड़े खा जाएंगे""

देखें: पूर्वसूचक भूतकाल

याकूब 5:2 (#2)

""

"इन दो उपवाक्यो और अगले पद के प्रथम उपवाक्य में (""तुम्हारे सोने चांदी में कई लग गई है""), याकूब लाक्षणिक भाषा में इन धनवान जानो की कुछ वस्तुओं का ही उल्लेख करता है जिसका अभिप्राय उनकी सम्पूर्ण संपदा से है| यदि आप पद सेतु रचना चाहते हैं तो आप इस सब उपवाक्यों का एक वाक्य बना सकते हैं जिससे इनका अर्थ सपष्ट प्रकट हो| (इसके तुरंत बाद ही आपको एक नया वाक्य आरम्भ करना होगा). वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हे संपदा की हर एक मूल्यवान वस्तु नष्ट होने वाली है""\n

याकूब 5:2 (#2)

"तुमने अंतिम युग में धन बटोरा है"" इस अभिकथन के अर्थ पर निर्भर अगले पद में (इस अभिकथन पर टिप्पणी देखें), याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है कि धनवानों का धन और बहुमूल्य वस्त्र निकम्मे हो गए| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका स्पष्ट संकेत दे सकते है, जैसा UST में है| \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:2 (#3)

यदि आप स्पष्ट संकेत देना चाहते हैं कि याकूब कहता है कि धनवानों का धन और बहुमूल्य वस्त्र निकम्मे हो गए तो आप उसके भूतकाल आधारित भविष काल के कथन को उपमा रूप में व्यक्त कर सकते हैं,जैसा UST में है| \n

देखें: उपमा

याकूब 5:3 (#1)

""

"याकूब भावी घटना को भूतकाल में व्यक्त करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप अपने अनुवाद में भाविश्काल काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे सोने-चांदी में कई लग जाएगी""

देखें: पूर्वसूचक भूतकाल

याकूब 5:3 (#2)

""

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे सोना-चांदी में कई लग गई है"" या ""तुम्हारे सोना-चांदी में कई लगने वाली है""\n

याकूब 5:3 (#1)

""तुमने अंतिम युग में धन बटोरा है"" (इस कथन पर पहली टिप्पणी नीचे देखें) इस अभिकथन के अर्थ पर निर्भर याकूब संभवतः लाक्षणिक भाषा में कहता है कि धनवानों का सोना-चांदी सब व्यर्थ हो गया है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका स्पष्ट संकेत दे सकते हैं, जैसा UST में है|\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:3 (#3)

""

"यदि आप सविस्तार संकेत देना चाहते हैं कि याकूब कहता है कि धनवानों का सोना-चांदी व्यर्थ हो गए तो आप उसके भविष्यकाल-के लिए-भूतकाल के कथन को उपमा में व्यक्त कर सकते हैं जैसा UST में है|\n

याकूब 5:3 (#2)

"तुम्हारा धन बिगड़ गया और तुम्हारे वस्त्रों कीड़े खा गए"

यदि आपने पद सेतु रचा है और आपने इस कथन,""तुम्हारे सोने-चांदी में काई लग गई है"" को 5:2 के दो उपवाक्यों से जोड़ दिया है तो यहाँ एक नया वाक्य रचना और इन धनवानों की सम्पूर्ण सम्पदा के प्रसंग में एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग करना सहायक सिद्ध होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारी संपदा के नष्ट हुए अवशेष तुम्हारे लिए गवाही का काम करेंगे"" या ""तुम्हारी संपदा कके नष्ट किए हुए अवशेष तुम्हारे विरुद्ध गवाही देंगे"

याकूब 5:3 (#4)

"पर गवाही" - "तुम"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में इस **काई** के लिए इस प्रकार कहता है कि जैसे वह धनवानों के विरुद्ध मुकद्दमें में प्रमाण होगी| वैकल्पिक अनुवाद: ""तम्हारे सोने-चांदी पर लगी काई दिखाएगी कि तुमने अनुची काम किया है""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 5:3 (#3)

"पर गवाही" - "तुम"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप स्पष्ट कह सकते हैं कि इन धनवानों ने कैसा अनर्थ किया है, जिसका प्रमाण यह **कई** है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे सोने-चांदी पर लगी काई प्रकट करेगी कि मनुष्यों की सहायता करने की अपेक्षा धन संचय में स्वयं को समर्पित करके तुमने अनुचित काम किया है""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:3 (#6)

"तुम्हारा माँस" - "ने"

"याकूब **मांस** शब्द का प्रयोग मानवीय शरीर के लिए करता है विचार-साहचर्य से कि शरीर मांस का बना है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह तुम्हारे शरीर को खा जाएगा""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:3 (#7)

"आग"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है कि यह काई सोने-चांदी के स्वामियों को गला कर नाश कर देगी वरण उन धातुओं को

तो गला भी रही है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह तुम्हे खा जाएगी"" या ""वह तुम्हे नष्ट कर देगी""

देखें: रूपक

याकूब 5:3 (#5)

""

"इस उपमा का पूर्ण अर्थ प्रकट करना सहायक सिद्ध होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""ठीक वैसे ही जैसे आग जलने वाली वस्तु को पूर्णतः राख कर देती है""

देखें: उपमा

याकूब 5:3 (#4)

"अन्तिम युग में धन बटोरा है"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप स्पष्ट कह सकते हैं कि इन धनवानों ने क्या **बटोरा है** और उनके द्वारा ऐसा करना अनुचित क्यों था| इसका अर्थ हो सकता है: (1) याकूब कहता है कि उन्होंने **अंतिम युग** में धन संचय किया है अर्थात उस समय में जब यीशु पुनः आने वाला है| यह अनुची काम है क्योंकि जब यीशु पुनः आएगा तब सांसारिक संपदा किसी काम की नहीं होगी| अधिकाधिक धनसंचय करने की अपेक्षा इन लोगों को अपनी धन-संपदा मनुष्यों के कल्याण में लगानी थी| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों की सहायता करने की अपेक्षा तुमने ऐसे समय में धन-संपदा का अनुचित उपार्जन किया है जब सांसारिक धन-संपदा का मूल्य ही नहीं रहेगा"" (2) संभवतः याकूब कह रहा है कि उनके अनुचित कार्य के द्वारा, जिसका वर्णन 5:4–6 में किया गया है, इन धनवानों ने वास्तव में अपने लिए दंड **बटोरा** है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर बस अब अनर्थकारियों को दंड देने वाला है और तुमने परमेश्वर को अनेक कारण दिए हैं कि वह तुमको दंड दे"" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:3 (#5)

"अन्तिम युग में धन बटोरा है"

"यदि उपरोक्त टिप्पणी में इस कथन की प्रथम व्याख्या सही है तो याकूब उस परिणाम का कारण देता है जिसका वर्णन उसने पिछले पद और इस पद के आरम्भ में किया है| यदि आपने 5:2 पर की गई प्रथम टिप्पणी के निर्देशानुसार पद सेतु रचा है तो आप उस सेतु में इस कथन को पहले रख कर परिणाम से पहले यह कारण प्रकट कर सकते हैं| \n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 5:3 (#8)

"अन्तिम युग में"

"यह एक मुहावरा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु के पुनः आगमन के ठीक पहले का समय""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:4 (#1)

"देखो, मजदूरों ने" - "मजदूरी"

"**देखो** शब्द श्रोता या पाठक का ध्यान उस और आकर्षित कराता है जिसकी चर्चा वक्ता या लेखक करने वाला है| इसके अर्थ को एक अलग वाक्य में व्यक्त करना सहायक सिद्ध होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस बात पर ध्यान दो! श्रमिकों का पारिश्रमिक""\n

देखें: रूपक

याकूब 5:4 (#2)

"मजदूरों ने तुम्हारे खेत मजदूरी जो तुमने चिल्ला रही है"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| जब याकूब कहता है, **तुम से** तो उसके कहने का अर्थ यह नहीं कि यह पारिश्रमिक इन खेतों के धनवान स्वामियों का है जो दिया नहीं गया है| वह कहता है कि यह पारिश्रमिक उनका निकलता है परान्तु उन्होंने अपने श्रमिकों को दिया नहीं है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमने अपने खेतों की लावनी करने वाले श्रमिकों का जो पारिश्रमिक रख लिया है वह आर्तनाद कर रहा है"" \n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 5:4 (#2)

""

"याकूब लाक्षणिक भाषा में **मजदूरी** के लिए इस प्रकार कहता है किजैसे वह कोई जीवित वास्तु हो जो चिल्ला सकती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह प्रकट प्रमाण है कि तुमने अनुचित काम किया है""

देखें: व्यक्तित्व

याकूब 5:4 (#3)

"लवनेवालों की दुहाई, सेनाओं के प्रभु के कानों तक पहुँच गई है"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में कहता है प्रभु के **कानों** तक जिसका अर्थ है, सुनना| वैकल्पिक अनुवाद: ""सब्त के प्रभु ने लवने वालों की चिल्लाहट को सुन लिया है""

देखें: रूपक

याकूब 5:4 (#3)

"सेनाओं के प्रभु के"

"याकूब मन कर चलता है कि उसके पाठक समझते हैं कि वह परमेश्वर के लिए इस नाम से कह रहा है क्योंकि परमेश्वर को पुराने नियम में प्रायः इसी नाम से जाना जाता था| इब्रानी शब्द,**सबोअत**का अर्थ है, ""सैन्य बल|"" वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर,स्वार्गिक सेना का प्रभु""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:4 (#4)

"सेनाओं के प्रभु के"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में परमेश्वर की सर्वशक्ति के लिए विचार-साहचर्य के द्वारा ऐसा कहता है क्योंकि परमेश्वर के पास स्वर्ग की समस्त सेना उसके आदेशाधीन है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर, सर्वशक्तिमान प्रभु"" \n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:5 (#1)

""

"इन दोनों वाक्यांशों के अर्थ एक ही हैं| याकूब इनके संयुक्त उपयोग द्वारा बलाघात करना चाहता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इनको एक कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमने स्वयं को सांसारिक भोगविलास में लिप्त रखा है""\n

देखें: समांतरता

याकूब 5:5 (#1)

"वध" - **"दिन के अपने हृदय करके मोटा ताजा किया"**

"याकूब इन धनवान मनुष्यों के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है की जैसे वे पशु हों जिनको विलासिता में अन्न खिलाया गया है जिससे कि वे भोज के लिए मोटे और तगड़े हो जाएं| यहाँ भोज सुखद रूप में नहीं है जैसा कि अन्यत्र चर्चित है जब परमेश्वर के भावी राज्य का उल्लेख किया जाता है वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे भोग-विलास ने तुमको कठोर दंड का भागी बना दिया है""

देखें: रूपक

याकूब 5:5 (#2)

"के अपने हृदय"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में हृदय को मनुष्य की लालसा का केंद्र कहता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम अपनी लालसाओं में लिप्त रहे""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:5 (#2)

"दिन"

"याकूब **दिन** शब्द को लाक्षणिक भाषा में काम में लेता है जिससे उसका तात्पर्य है,वह विशेष समय| वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसे समय""\n

देखें: मुहावरा

याकूब 5:5 (#3)

"वध" - **"दिन"**

"याकूब **वध** के विचार को लाक्षणिक भाषा में काम में लेता हैजिसका सन्दर्भ परमेश्वर के दंड से है| वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसे समय जब परमेश्वर हर एक मनुष्य का न्याय उसके कामों के अनुसार करेगा""\n

देखें: रूपक

याकूब 5:6 (#1)

""

"संभवतः याकूब के कहने का अर्थ यह नहीं है कि इन धनवानों ने व्यक्तिगत रूप से ऐसा किया है|संभवतः वह \n2:6 में चर्चित कर्मों का सन्दर्भ देता है जहां वह कहता है कि धनवान जन कैसे ग़रीबों पर ""अत्याचार"" करते हैं, उनको न्यायालय में खड़ा करते हैं| उसके कहने का संभावित अर्थ है कि

धनवान लोगों के पास न्यायालय हैं कि निर्दोषों को दोषी ठहराएं और कुछ स्थितियों में उनको मृत्यु दंड भी दिलवाएं| उसके कहने का अर्थ यह भी हो सकता है कि धनवानों के पास न्यायालय हैं कि मुकद्दमा उनके पक्ष में हो जाए और परिणाम स्वारूप कुछ लोग घोर दरिद्रता के कारण मर भी गए हैं| याकूब धनवानों के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वे ही हों जो ऐसा काम करते हैं| उनके नाम में वह उन सब को समाहित करता है जो ऐसे कामों में सहभागी होते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारे पास न्यायालय हैं कि गरीबों को दोषी ठहराकर मृत्यु दंड भी दिलवाएं"" या ""तुम्हारे पास न्यायालय हैं कि मुकद्दमा अपने पक्ष में करवाएं जिसके परिनाम्स्वारूप गरीब लोग दरिद्रता के कारण मर जाते हैं""\n

याकूब 5:6 (#1)

"धर्मी को"

"याकूब इस विशेषण शब्द का उपयोग संज्ञा रूप में एक मनुष्य विशेष के लिए करता है| आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा| यदि नहीं तो आप इसका अनुवाद किसी समानार्थक अभिव्यक्ति के द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""धर्मी मनुष्य"" या ""निर्दोष मनुष्य""\n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 5:6 (#2)

""

"**धर्मी** शब्द का सन्दर्भ सामान्यतः सब धर्मी जनों के लिए है, किसी एक मनुष्य के लिए नहीं है| वैकल्पिक अनुवाद: ""धर्मी जन"" या ""निर्दोष मनुष्य""

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

याकूब 5:6 (#3)

"वह तुम्हारा सामना"

"इसके अर्थ हो सकते हैं: (1)इसका निहितार्थ हो सकता है कि निर्दोष जन धनवानों के कामों का विरोध नहीं कर पाते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह तुम्हारा विरोध नहीं कर पाता है"" (2) इसका अर्थ है सकता है, निर्दोष जन शान्ति का समाधान खोजते हैं, वे लड़ते-झगड़ते नहीं हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमने ऐसा किया जबकि निर्दोष जन शान्ति का समाधान चाहता था""\n

याकूब 5:6 (#2)

"वह तुम्हारा सामना नहीं करता"

"उन सब बातों के प्रकाश में जो याकूब 5:1–6 में कहता है, अभिप्रेत अर्थ यह है कि यद्यपि, ये निर्दोष जन अपनी रक्षा करने में असमर्थ हैं, परमेश्वर इन धनवानों को दंड देकर उनकी रक्षा करेगा| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं, जैसा UST में है| \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:7 (#3)

"इसलिए" - "धीरज धरो"

"याकूब **इसलिए**शब्द के द्वारा अपने पाठकों के लिए किए गए वर्णन को समाविष्ट कराता है कि उसने धनवानों के विषय जो कहा है उसके परिणामस्वरूप उनको क्या करना चाहिए| वह निश्चित रूप से परमेश्वर के अवश्यम्भावी दंड का सन्दर्भ देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि तुम जानते हो कि परमेश्वर शीघ्र ही उन लोगों को दंड देगा जो तुम पर अत्याचार करते हैं"" \n

याकूब 5:7 (#1)

"हे भाइयों"

"देखें कि आपने 1:2 **भाइयों** शब्द का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासी""\n

देखें: रूपक

याकूब 5:7 (#4)

""

"याकूब यीशु के लिए सम्मान का पदनाम काम में लेता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब तक यीशु लौट कर आता है"" या ""जब तक प्रभु का पुनः आगमन हो""""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:7 (#2)

""

"**द्रखो** शब्द के द्वारा वक्ता या लेखक की बात पर श्रोता या पाठक का ध्यान आकर्षित कराया जाता है,जिसकी वह चर्चा

करने जा रहा है| याकूब यहाँ इस शब्द के प्रयोग द्वारा एक सादृश्यता का समावेश कराता जिसका स्पष्टीकरण वह अगले पद के आरम्भ में करता है| अतः इस शब्द, **देखो** के अर्थ को व्यक्त करने के लिए एक अलग वाक्य की रचना सहायक सिद्ध होगी| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस पर ध्यान दो""\n

देखें: रूपक

याकूब 5:7 (#5)

"किसान" - "के"

"**किसान** शब्द सामान्यतः किसानों के सन्दर्भ में है, न कि किसी एक किसान के| वैकल्पिक अनुवाद: ""किसान प्रतीक्षा करता है"" या ""किसान प्रतीक्षा करते हैं""

देखें: रूपक

याकूब 5:7 (#3)

"पृथ्वी" - "बहुमूल्य फल की"

"याकूब **फल** शब्द का प्रयोग व्यापक भाव में करता है कि वृक्षों के उत्पाद जो भोजन के लिए उत्तम हैं,उनका अर्थ प्रकट हो| उसके कहने का अभिप्राय यह नहीं कि केवल वृक्षों और लताओं पर लगने वाले फल| वैकल्पिक अनुवाद: ""पृथ्वी पर उगने वाली महत्वपूर्ण फसल"""

याकूब 5:7 (#4)

"तक धीरज धरता है"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि प्रत्येक स्थिति में सर्वनाम शब्द, **यह** का सन्दर्भ किससे है| वैकल्पिक अनुवाद: ""पृथ्वी के प्राप्त करने तक इस फल की धीरज धरकर प्रतीक्षा करता है""\n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 5:7 (#5)

"प्रथम और अन्तिम वर्षा"

"याकूब इन दो विशेषण शब्दों, **प्रथम** और **अंतिम** का प्रयोग वर्षा के प्रकार के निमित्त संज्ञा रूप में करता है| आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा प्रयोग होगा| यदि नहीं तो आप इनका अनुवाद समानार्थक अभिव्यक्तियों के द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उगने की ऋतु में आरंभिक वर्षा और उगने की ऋतु में अंतिम वर्षा"" \n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 5:7 (#6)

"प्रथम और अन्तिम वर्षा"

"यदि आपके पाठक वर्षा आधारित फसल से अनभिज्ञ है तो उनके लिए वर्णन करना कि इन किस्सानों को फसल के लिए वर्षा की आवश्यकता क्यों होती है, सहायक सिद्ध होगा, जैसा UST में इसका एक प्रतिमान रूप है| \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:8 (#1)

"तुम भी धीरज धरो"

"यहाँ याकूब स्पष्ट करता है कि उसने पिछले पद में किस्सानों के लिए जो कहा है वह उसके पाठकों के लिए एक दृष्टांत था| वैकल्पिक अनुवाद: ""किसानों के सदृश्य तुमको भी धीरज धरकर प्रतीक्षा करनी है"""

याकूब 5:8 (#1)

"अपने हृदय को दृढ़ करो"

"याकूब **हृदय** शब्द का उपयोग लाक्षणिक भाषा में करता हैजिसका सन्दर्भ इच्छा से है| वैकल्पिक अनुवाद: ""समर्पित रहो""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:8 (#2)

""

"याकूब यीशु के लिए सम्मान का पदनाम काम में लेता है| (**निकट** शब्द से उसका तात्पर्य है, निकट समय में| यह स्थानिक रूपक नहीं है) वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु शीघ्र आने वाला है"" या ""प्रभु यीशु शीघ्र आएगा"""

याकूब 5:9 (#1)

""

"देखें कि आपने इस शब्द, **भाइयों** का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासियों""\n

याकूब 5:9 (#3)

"तुम न ठहरो"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर संभवतः तुमको दंड न दे""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 5:9 (#4)

"देखो, न्यायाधीश"

"**देखो** शब्द श्रोता या पाठक का ध्यान आकर्षित कराने के लिए है कि वक्ता या लेखक जो कहने जा रहा है उसको सुनें| वैकल्पिक अम्नुवाद: ""सावधान रहो कि न्यायाधीश""\n

याकूब 5:9 (#5)

"न्यायाधीश द्वार पर खड़ा है"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में यीशु की तुलना एक ऐसे न्यायाधीश से करता है जो न्यायालय में प्रवेश करने ही वाला है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यीशु शीघ्र ही आएगा और हर एक का न्याय उसके कामों के अनुसार करेगा""

देखें: रूपक

याकूब 5:10 (#1)

"भाइयों," - "एक आदर्श समझो"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""भाइयों, उन कष्टों को उदाहरण स्वरुप ग्रहण करो"""

याकूब 5:10 (#2)

"भाइयों"

"देखें कि आपने 1:2 में **भाइयों** शब्दों का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासियों""\n

देखें: रूपक

याकूब 5:10 (#1)

"जिन भविष्यद्वक्ताओं प्रभु के नाम से बातें की, उन्हें दुःख उठाने और का"

"याकूब एक ही विचार को **और** शब्द से संयुक्त दो शब्दों से व्यक्त करता है| **धीरज** शब्द से वर्णन होता है कि भविष्यद्वक्ताओं ने कैसे **दुःख** उठाया था| वैकल्पिक अनुवाद: ""भविष्यद्वक्ताओं द्वारा धीरज धरकर दुःख उठाने का"" या ""भविष्यद्वक्ताओं ने कैसे धीरज धरकर दुःख उठाया"" \n

याकूब 5:10 (#2)

"जिन" - "प्रभु के नाम से बातें की," - "का"

"याकूब प्रभु के **नाम** को लाक्षणिक भाषा में काम में लेता है जिससे उसका तात्पर्य है, प्रभु का व्यक्तित्व और अधिकार| वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रभु की और से"" या ""प्रभु के अधिकार से""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:11 (#1)

"देखो, हम"

"**देखे** शब्द वक्ता या लेखक द्वारा कही या लिखी जाने वाली बात पर श्रोताओं या पाठकों का ध्यान आकर्षित कराता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""निश्चय ही""\n

याकूब 5:11 (#2)

"धीरज धरनेवालों को"

"याकूब कल्पना करता है कि उसके पाठक धर्मशास्त्र में विहित अय्यूब की कहानी से अभिज्ञ हैं|यदि आपके पाठक इस कहानी से अनभिज्ञ हैं तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम धर्मशास्त्र से अय्यूब नामक एक प्राचीन पुरुष की कहानी जानते हो किउसने कैसे धीरज धरकर घोर कष्टों को सहन किया था"" \n

याकूब 5:11 (#1)

"प्रभु की प्रतिफल उसे भी जान लिया"

"याकूब अय्यूब की कहानी ही सुना रहा है| इसका अर्थ हो सकता है: (1) जिस शब्द का अनुवाद **अंत** किया गया है उसका अर्थ हो सकता है, ""उद्देश्य|"" यदि ऐसा है तो याकूब **जान लिया** शब्द को लाक्षणिक भाषा में ""समझ लिया"" के

अभिप्राय से काम में लेता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमने परमेश्वर के उद्देश्य को समझ लिया है जो अय्यूब के कष्टों में था"" (2) जिस शंड का अनुवाद **अंत** क्या गया है उसका अर्थ हो सकता है, ""अंतिम परिणाम|"" यदि ऐसा है तो याकूब **जान लिया** का लाक्षणिक उपयोग कर रहा है जिसका अभिप्राय है, ""सीख लिया|"" वैकल्पिक अनुवाद: ""तुमने धर्मशास्त्र से सीखा है कि परमेश्वर ने अंत में अय्यूब की कैसी सहायता की थी""\n

देखें: रूपक

याकूब 5:11 (#2)

"है, जिससे प्रभु अत्यन्त करुणा और दया"

"इसका अर्थ हो सकता है: (1) जिस शब्द का अनुवाद **जिससे** किया गया है, उसका अर्थ हो सकता है,""अतः"" और कारण का समावेश किया गया है| याकूब संभवतः कारण दे रहा है कि परमेश्वर अय्यूब के कष्टों में भी अपने भले अभिप्राय को सिद्ध कर रहा था| यह परमेश्वर अति करुनामय और दयावान है"" (2) याकूब संभवतः किसी बात का अतिरिक्त वर्णन कर रहा है जो उसके पाठकों ने अय्यूब की कहानी से सीखी है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और तुमने इस कहानी से सीखा है कि परमेश्वर अत्यधिक कृपालु और दयालु है"" \n

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

याकूब 5:12 (#1)

"पर मेरे भाइयों, सबसे"

"याकूब स्थानिक रूपक के उपयोग द्वारा अपनी आगे की बातों के महत्त्व पर बल देता है| आपकी भाषा में संभवतः एक भिन्न स्थानिक रूपक का प्रयोग होता होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""सबसे बड़ी""\n

याकूब 5:12 (#2)

"मेरे भाइयों"

"देखें कि आपने 1:2 में **भाइयों** शब्द का अनुवाद कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासियों""

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 5:12 (#3)

"शपथ न"

"यहाँ **शपथ** का अर्थ है,किसी निश्चित एवं निर्भर करने योग्य बात के सन्दर्भ से पुष्टि करना की कोई कथन सत्य है या कोई कार्य किया जाएगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""शपथ न खाना"" या ""प्रण न करना"""

याकूब 5:12 (#1)

"है," - "तुम्हारी" - "हाँ की हाँ, और नहीं" - "नहीं" - "के"

"इस दुसरे वाक्यांश में याकूब कुछ शब्दों को छोड़ देता है जो अन्य अनेक भाषाओं में वाक्य पूर्ति हेतु आवश्यक होते हैं| इन शब्दों को पहले वाक्यांश से लिया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम्हारा 'हाँ' 'हाँ' ही हो और तुम्हारा 'नहीं' 'नहीं' ही हो""\n

देखें: विराम बिंदु

याकूब 5:12 (#5)

""

"वैकल्पिक अनुवाद: ""शपथ खाए बिना ही वचन दो"""

याकूब 5:12 (#6)

"की" - "कि दण्ड" - "न ठहरो"

"याकूब **दंड** को लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह कोई ऐसी वस्तु हो जिसके नीचे मनुष्य **दब** जाता है वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि तुम दंड के भागी न हो""

देखें: रूपक

याकूब 5:12 (#2)

"की" - "कि दण्ड" - "न ठहरो"

"यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसके अर्थ को अधुइक स्पष्टा में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि परमेश्वर तुम्हे शपथ तोड़ने का दंड न दे""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:13 (#1)

""

"याकूब जानकारी की खोज में नहीं है| वह प्रश्न पूछ कर किसी अवस्था को दर्शाता है और इस प्रश्न के तुरंत बाद वह एक लघु वाक्य में परिणाम को दर्शाता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस प्रश्न और उस वाक्य का अनुवाद कथन रूप में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम में से कोई कष्टों में है तो वह प्रार्थना करे"" \n

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 5:13 (#2)

""

"याकूब किसी अवस्था को दर्शाने हेतु पुनः प्रश्न का उपयोग करता है और अनुवर्ती वाक्य में परिणाम प्रकट करता है| यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस प्रश्न और अनुवर्ती वाक्य को एक कथन में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: 'यदि कोई हर्षित है तो वह स्तुतिगान करे""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 5:14 (#1)

"तुम में कोई रोगी हो, तो" - "बुलाए"

"एक बार फिर याकूब प्रश्न पूछ कर अवस्था को दर्शाता है और अनुवर्ती वाक्य में परिणाम प्रकट करता है|यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस प्रश्न और अनुवर्ती वाक्य को एक ही कथन में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम्हारे मध्य कोई बीमार है तो वह कलीसिया के प्राचीनों को बुलाए और वे उसके लिए प्रार्थना करें""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

याकूब 5:14 (#1)

"प्रभु के नाम से उस पर तेल मल उसके प्रार्थना करें"

"यह स्पष्ट नहीं हैं कि याकूब प्रार्थना या अभिषेक को प्रभु के नाम में करने के लिए कहता है| वैकल्पिक अनुवाद: (1) ""तेल से उसका अभिषेक करने के बाद वे प्रभु के नाम में उसके लिए प्रार्थना करें"" (2) वे प्रभु के नाम में उसका अभिषेक करके प्रार्थना करें"""

याकूब 5:14 (#2)

"उस पर" - "प्रार्थना करें"

"याकूब स्थानिक रूपक के माध्यम से संकेत देता है कि रोगी मनुष्य प्राचीनों की प्रार्थनाओं का लाभार्थी है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके लिए प्रार्थना करो""\n

देखें: रूपक

याकूब 5:14 (#3)

"तेल मल उसके"

"बाईबल की संस्कृति में, मनुष्यों का **तेल** से अभिषेक करना, उनको परमेश्वर के निमित्त समर्पित करने की विधि थी परन्तु वह आयुर्वेदिक उपचार भी था| **रोगी** मनुष्य के बारे में चर्चा करते हुए याकूब उसके औषधीय मूल्य का भी आंशिक अभिप्राय प्रकट करता है| अतः वह विश्वासियों से कहता प्रतीत होता है कि वे रोगी के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना के साथ-साथ व्यावहारिक सहायता का प्रयास भी करें| यदि आपके पाठक समझ न पाएं कि तेल से अभिषेक करने के याकूब के निर्देश में एक कारण औषधीय लाभ भी है तो आप अपने अनुवाद में या टिप्पणी में इसकी व्याख्या कर सकते हैं या आप इसका अनुवाद सामान्य अभिव्यक्ति के रूप में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसकी व्यावहारिक सहायता के निमित्त संभव प्रयास कर लेने के बाद""\n

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

याकूब 5:14 (#2)

"प्रभु के नाम से"

"याकूब प्रभु के **नाम** को लाक्षणिक भाषा में काम में लेता है जिसका अर्थ है, प्रभु का व्यक्तित्व और अधिकार| वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रभु की और से""""" या ""प्रभु के अधिकार से""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:15 (#2)

"विश्वास की प्रार्थना के"

"याकूब अधिकारसूचक सर्वनाम के उपयोग द्वारा **प्रार्थना** का वर्णन करता है जो **विश्वास** की है| वैकल्पिक अनुवाद: ""विश्वास में की गई प्रार्थना रोगी को बचा लेगी"" \n

याकूब 5:15 (#1)

"विश्वास की प्रार्थना के रोगी बच जाएगा"

"याकूब इस अनुवादित उक्ति, **बच जाएगा** को एक अर्थ, ""रोग मुक्ति"" के निमित्त करता है| (वह अगले पद में अधिक निश्चित शब्द काम में लेता है जिसका अर्थ है, ""रोगमुक्ति"") वैकल्पिक अनुवाद: ""विश्वास में की गई प्रार्थना उस रोगी को चंगाई प्रदान करेगी"" \n

देखें: स्वामित्व

याकूब 5:15 (#2)

"विश्वास की प्रार्थना के रोगी बच जाएगा"

"याकूब विशेषण शब्द, **रोगी** का उपयोग संज्ञा रूप में करता है कीकिसी मनुष्य विशेष को संदर्भित करे| आपकी भाषा में विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा| यदि नहीं तो आप इसका नौवाद एक समानार्थक अभिव्यक्ति के द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""विश्वास में की गई प्रार्थना रोगी मनुष्य को रोगमुक्त कर देगी"" \n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 5:15 (#1)

"विश्वास की प्रार्थना के रोगी बच जाएगा"

"याकूब **प्रार्थना** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह स्वयं ही रोगी को निरोग कर देगी| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके लिए विश्वास में की गई प्रार्थना के उत्तर में परमेश्वर रोगी को रोग मुक्त कर देगा""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:15 (#3)

"प्रभु उसको उठाकर खड़ा करेगा"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में रोगी के स्वास्थ्य लाभ के लिए विचार-साहचार्य से इस प्रकार कहता है कि जैसे वह निरोग होते ही बिस्टर पर से उठ खड़ा होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रभु उसको स्वस्थ कर देगा"" या ""प्रभु उसको इस योग्य कर देगा कि वह अपने नियमित कर्क्लाप को पुनः कर पाए""\n

याकूब 5:15 (#3)

"उसको क्षमा"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर उसको क्षमा करेगा"" \n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 5:16 (#2)

"इसलिए" - "पापों को मान लो;" - "जिससे"

"याकूब **इसलिए** शब्द के प्रयोग द्वारा विश्वासियों के लिए एक अनिवार्य काम को समाविष्ट कराता है जो उसके द्वारा पूर्ववर्ती पद में कही गई बात का परिणाम है| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप उसके कहने के अर्थ को अधिक विस्तार से प्रकट कर सकते हैं जैसा UST में है| \n

याकूब 5:16 (#4)

"चंगे"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर तुमको निरोग कर सकता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 5:16 (#1)

"प्रार्थना" - "धर्मी बहुत"

"यहाँ **प्रभाव** शब्द में विशेषण की अपेक्षा क्रिया विशेषण का भाव है| वैकल्पिक अनुवाद: ""धर्मी जन की प्रार्थना काम करते समय बहुत प्रभावशाली होती है"" या ""धर्मी जन की प्रार्थना परिणाम के निमित्त बहुर सामर्थी होती है""""

याकूब 5:16 (#2)

"प्रार्थना" - "धर्मी बहुत"

"याकूब इस विशेषण शब्द, **धर्मी** का उपयोग संज्ञा रूप में करता है कि एक मनुष्य विशेष को संदर्भित करे| आपकी भाषा में संभवतः विशेषणों का ऐसा उपयोग होगा| यदि नहीं तो आप इसका अनुवाद एक समानार्थक अभिव्यक्ति के द्वारा कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक धर्मी मनुष्य की प्रार्थना का प्रभाव बहुत सामर्थी होता है""\n

देखें: नाम विशेषण

याकूब 5:16 (#5)

""

"याकूब **प्रार्थना** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह कोई जीवित वस्तु है और **अत्यधिक शक्तिशाली** है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब धर्मी जन प्रार्थना करता है तो परमेश्वर प्रतिक्रया में अति सामर्थी कार्य करता है""

देखें: रूपक

याकूब 5:17 (#1)

"एलिय्याह"

"याकूब मान कर चलता है कि उसके पाठक एलिय्याह के जीवन की इस घटना को धर्मशास्त्र में पढ़ चुके हैं| यदि आपके पाठक इस घटना से अनभिज्ञ हैं तो आप इसका सविस्तार वर्णन कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम धर्मशास्त्र से जानते हो कि बहुत समय पहले एलिय्याह नमक एक भविष्यद्वक्ता था""\n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:17 (#2)

"हमारे समान भोगी"

"इया अभिव्यक्ति का अर्थ है कि एलिय्याह में अन्य किसी भी मनुष्य के जैसी भावनाएं थीं| प्रकरण के आधार पर, याकूब निश्चित संकेत देता है कि उसमें भी ऐसी ही भावनाएं थीं जो मनुष्य के लिए प्रार्थना करना कठिन कर देती हैं| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका सुस्पष्ट वर्णन कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसमें भी वैसे ही संदेह और भय अन्तर्निहित थे जो हम सब में हैं"" \n

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

याकूब 5:17 (#1)

"उसने गिड़गिड़ाकर प्रार्थना की कि"

"एलिय्याह ने गहन उत्तेजना के साथ प्रार्थना की थी जिसका संकेत देने के लिए याकूब परोक्ष कर्ता और उसी मूल से क्रिया का प्रयोग करता है| यदि आपकी भाषा में ऐसी रचना है तो आपके अनुवाद में यहाँ उसका प्रयोग करना उचित होगा| परन्तु आपकी भाषा में ऐसी रचना अनावश्यक अतिरिक्त जानकारी दे तो आप इस बलाघात को किसी और रूप में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसने गहन उत्तेजना के साथ प्रार्थना की""\n

याकूब 5:18 (#1)

"फिर उसने प्रार्थना की"

"सर्वनाम शब्द, **उसने** एलिय्याह के सन्दर्भ में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसने पुनः प्रार्थना की""\n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 5:18 (#1)

"आकाश से वर्षा हुई"

"इस प्रकरण में **स्वर्ग** का अर्थ है, ""आकाश"" याकूब आकाश के लिए लाक्षणिक भाषा में ऐसे कहता है कि जैसे वह कोई जीवी वस्तु हो जिसने **वर्षा दी** वैकल्पिक अनुवाद: ""आकाश से वर्षा हुई""\n

याकूब 5:18 (#2)

"भूमि फलवन्त हुई"

"याकूब **भूमि** के लिए लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे वह कोई जीवित वस्तु हो जिसने **फल उत्पन्न किए**\nजैसा 5:7 में है, याकूब **फल** शब्द को व्यापक भाव में काम में लेता है जिसका भावार्थ है, पेड़-पौधों का उत्पाद भोजन के लिए उत्तम है| उसके कहने का अर्थ मात्र यह नहीं कि वृक्षों और लताओं पर लगने वाले फल| वैकल्पिक अनुवाद: ""भूमि पर फसलें उगीं"" \n

याकूब 5:19 (#1)

"मेरे भाइयों"

"देखें कि आपने **भाइयों** शब्द का अनुवाद 1:2 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथी विश्वासियों""

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

याकूब 5:19 (#2)

""

"जैसा 1:16 में है, याकूब लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे किसी धोखा देने वाला मार्गदर्शक उसके पाठकों

को अनुचित दिशा में ले गया हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि तुम में से कोई सत्य के विषय में छला गया हो""

देखें: रूपक

याकूब 5:19 (#1)

"यदि तुम में कोई सत्य के से भटक जाए"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इसका अनुवाद कर्तृवाच्य में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि किसी ने तुम में से किसी को भी विश्वास से छल कर पथभ्रष्ट कर दिया है""\n

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

याकूब 5:19 (#2)

"सत्य के"

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा शब्द,**सत्य** में निहित विचार को ""सच"" शब्द के प्रयोग द्वारा अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो सच है""\n

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

याकूब 5:19 (#3)

"कोई उसको फेर लाए"

"याकूब उसी रूपक का उपयोग कर रहा है जिसके द्वारा वह उचित दिशा में ले जाने वाले मार्गदर्शक का उदाहरण देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""कोई उसको सुधारे"" या ""कोई उसको सच्चाई का बोध कराए""\n

देखें: रूपक

याकूब 5:20 (#1)

"यह जान ले"

"यहाँ सर्वनाम शब्द, **उसको** उस व्यक्ति के सन्दर्भ में है जो छले गए विश्वासी को सुधारता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह व्यक्ति जो छले गए विश्वासी को सुधारता है, उसके लिए समझना आवश्यक है""\n

देखें: सर्वनाम — When to Use Them

याकूब 5:20 (#2)

"जो पापी को फेर लाएगा, वह एक"

"याकूब अधिकार सूचक रूप के उपयोग द्वारा एक **विधि** या मार्ग का वर्णन करता है जिसमें **भटकने** का गुण है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह मनुष्य जो भटके हुए विश्वासी को लौटा लाता है"" \n

देखें: स्वामित्व

याकूब 5:20 (#1)

""

"**फेर लाया** और **भटके हुए**, इन अभिव्यक्तियों द्वारा किसी मनुष्य को किसी के द्वारा उचित दिशा में ले कर चलने का ही रूपक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर की इच्छा से विमुख हो जाने वाले पापी को जो भी मनुष्य सुधारता है""

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:20 (#3)

"वह" - "प्राण को मृत्यु से बचाएगा," - "पर"

"याकूब लाक्षणिक भाषा में इस प्रकार कहता है कि जैसे यह व्यक्ति पापी के प्राण को मृत्यु से बचा लेता हो|विचार-साचारी के माध्यम से याकूब के कहने का अर्थ है कि परमेश्वर उन कृत्यों के द्वारा पापी मनुष्य को प्रेरित करेगा कि वह मन फिराए और उद्धार पाए| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के काम के निमित्त एक साधन होगा किपापी के प्राण को मृत्यु से बचाए""\n

देखें: प्रतिन्यास

याकूब 5:20 (#2)

""

"ऐसा प्रतीत होता हैकी याकूब वास्तविक शारीरिक मृत्यु के वरन नहीं वरन आत्मिक मृत्य- ???रमेश्वर से सदाकालीन अलगाव, के विषय चर्चा कर रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""आत्मिक मृत्यु से"" (जैसा UST में है) या ""परमेश्वर से अनंत अलगाव""

देखें: संकेतन

याकूब 5:20 (#4)

"वह" - **"प्राण को मृत्यु से बचाएगा,"** - **"पर"**

"तथापि, कुछ व्याख्याताओं का मानना है कि याकूब वास्तव में शारीरिक मृत्यु के विषय कह रहा है| उनके विचार में, अपनी पापी जीवन शैली का त्याग करने वाला मनुष्य उसके पापों के परिणामस्वरूप होने वाली शारीरिक मृत्यु का अनुभव नहीं करेगा| ऐसी स्थिति में याकूब मनुष्य के एक पक्ष, **प्राण** को उसके सम्पूर्ण व्यक्तित्व के लिए काम में लेता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसको मरने से सुरक्षित रखेगा""\n

देखें: संकेतन

याकूब 5:20 (#3)

"अनेक पापों" - **"परदा डालेगा"**

"याकूब किसी मनुष्य के पाप के विषय में इस प्रकार कहता है कि जैसे वे वसतें हों जिनको मनुष्य ढांक सकता हैकी परमेश्वर को दिखाई न दें| उसके कहने का अर्थ है कि मन फिराव में किसी पापी की सहायता करने से दूसरा विश्वासी उस पापी के लिए क्षमा प्राप्ति में सहायक हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्षमा किए जाने में उसकी सहायता करेगा"" संभावित अर्थ हैं 1) वह व्यक्ति जो अनाज्ञाकारी भाई को वापस लाता है, उसके पापों को क्षमा कर दिया जाएगा या 2) अनाज्ञाकारी भाई, जब वह परमेश्वर के पास लौट आएगा, तो उसके पाप क्षमा होंगे। पापों के बारे में बात ऐसे की जाती है जैसे वे वस्तुएँ थीं जिन्हें परमेश्वर ढाँप सकता था ताकि वह उन्हें न देख सके, ताकि वह उन्हें क्षमा कर सके।

देखें: रूपक